मुद्रा योजना : गरीबों का सहारा

किसके कब्र में दफन हो गया!

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

माननीय प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा बेरोजगारों के लिए सबसे बड़ी योजना 20 लाख तक बिना सिक्योरिटी ऋण का वादा ख्र पर बेरोजगार अब भी दर-दर! सत्ता के गलियारों में कौन दबा गया यह योजना? जनता पूछ रही, आखिर किसकी कब्र में दफन हो गया रोजगार का सपना? देश के बेरोजगार युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई एक समय उम्मीद की किरण बनकर उभरी थी। इस योजना का उद्देश्य था कि छोटे व्यवसाय करने वाले युवाओं को बिना बड़ी गारंटी के कम ब्याज पर ऋण मिल सके, ताकि वे रोजगार मांगने वाले नहीं बल्कि रोजगार देने वाले बन सकें। लेकिन जमीनी स्तर पर कई स्थानों से यह सवाल उठने लगे हैं कि आखिर यह योजना उतनी प्रभावी क्यों नहीं दिख रही जितनी उम्मीद की गई थी।

भाजपा मीडिया प्रभारी पटेल ने कहा कि यदि योजना का लाभ सही तरीके से बेरोजगार युवाओं तक पहुंचे तो गांव-गांव में छोटे उद्योग खड़े हो सकते हैं। लेकिन कई जगहों पर युवाओं की शिकायत है कि बैंक प्रक्रिया, कागजी औपचारिकताएं और स्थानीय स्तर की जटिलताएं उन्हें इस योजना का पूरा लाभ लेने से रोक देती हैं। उनका कहना है कि अगर व्यवस्था सरल और पारदर्शी हो जाए तो यह योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है। डॉ. पटेल का सवाल है कि जब देश के प्रधानमंत्री ने बेरोजगार युवाओं को बिना कोई सिक्योरिटी के ऋण देकर आत्मनिर्भर बनाने की पहल की, तो फिर कई जगहों पर युवाओं को इसका लाभ क्यों नहीं मिल पा रहा? क्या व्यवस्था में कहीं ऐसी कमियां हैं जो इस योजना की असली भावना को कमजोर कर रही हैं? या फिर बीच की प्रक्रियाओं में सुधार की जरूरत है? उन्होंने कहा कि यह मुद्दा राजनीति का नहीं बल्कि युवाओं के भविष्य और आत्मनिर्भर भारत के सपने का है। इसलिए आवश्यक है कि सरकार और प्रशासन दोनों इस योजना की जमीनी स्थिति की समीक्षा करें, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि लाभ वास्तव में जरूरतमंद युवाओं तक पहुंचे। जब योजनाएं पारदर्शिता और ईमानदारी से लागू होती हैं तभी जनता का भरोसा मजबूत होता है।

☞ **सवाल सीधा है :-** यदि रोजगार बढ़ाना है तो योजनाओं को जमीन तक प्रभावी बनाना होगा। डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने भाजपा के बड़े बड़े नेताओं, प्रदेश अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष, प्रखण्ड अध्यक्ष से कहा कि बड़े बड़े नेताओं को नारा, माला, से स्वागत के बदले वेरोजगारो को मुंद्रा योजना का लाभ दिलाएँ अन्यथा इस योजना के लिए सभी कार्यकर्ताओं को जनता को जगाना होगा कि बड़े बड़े नेता मुह में लगाम क्यों लगा लिया। लोकतंत्र में सत्ता की असली ताकत वही जनता होती है जिसने नेताओं को कुर्सी तक पहुंचाया है और वही जनता समय आने पर सत्ता से बाहर कर देगी।●

बच्चों की असमान्य आदतों का उपचार है होमियोपैथी

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

बच्चे पृथ्वी पर भगवान की सबसे अनुपम कृति है। स्वस्थ, शांत, सरल बच्चे सब का मन मोह लेते हैं। वहीं पर गुस्सैल चिड़चिड़ा बच्चों से हर व्यक्ति दूर ही रहना पसंद करता है। यदि आपका बच्चा चिड़चिड़ा है, होमवर्क में रुचि नहीं लेता है, आत्मविश्वास की कमी का शिकार है, बात-बात में लड़ता, झगड़ता है, अन्य बच्चों से ईष्या रखता है, झूठ बोलना, बिस्तर पर पेशाब करना और यदि आप लगता है कि आपका बच्चा असामान्य आदतों का शिकार है और स्वाभाविक व्यवहार करता है तो निराश होने कर सकता नहीं होम्योपैथी में ऐसे अनेक औषधीया है जो आपके बच्चों की आसामान्य आदत, व्यवहार को सामान्य बनाकर उसे आपका लाडला बना सकती हैं।

☞ बच्चा गुस्सैल दूसरे बच्चों के साथ मारपीट करें। बच्चे को संभालना मुश्किल हो ऐसी स्थिति में सिफलिनम 200 या 1000 शक्ति की कुछ खुराक ही कारगर हो सकती है।

☞ बच्चा हठी, चुप कराना मुश्किल ऐसे स्थिति में टियुबरकुलीनम, 200 एक बार रोज।

☞ बच्चा का हीन भावना आत्मविश्वास की कमी रहने रहने पर दवा लाइकोपोडियम प्रयोग किया जा सकता है।

☞ बच्चा बहुत जिद्दी, गुसैलला, किसी से न डरे लात घुसा चलाए दवा टियुबरकयुलिनम 200 एक बार रोज।

☞ बच्चा को झूठ बोलने का आदत, चोरी करने की आदत दवा ओपियम 200 दी जा सकती है।

☞ बच्चा को होमवर्क मे रुचि नहीं रहने पर दवा नेट्रमम्योर 200 ।

☞ जरा सी बात पर गुस्से से तोड़-फोड़ करे पर दवा स्टैफिसग्रिया 200 ।

☞ बच्चा जिद्दी, झगड़ालू, प्यार में भी बोलने पर चिल्लाए दवा साइलीसिया 200 ।

☞ बच्चा किसी का प्रवाह न करें जो मन आए वह करे दवा सल्फर सीएम महीना में एक बार।

☞ बच्चा कभी स्नान नहीं करना चाहता है तो सल्फर महीना में एक बार।

कोई भी दवा चिकित्सक के सलाह से ही इस्तेमाल करे।●

मिलावट के जहर और अस्पताल

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

बाजार में शुद्ध भोजन मिलना सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है। तेल, मसाले, दूध, घी, दाल और सब्जियों तक में मिलावट की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। आम आदमी रोज जो खाना खा रहा है, वही धीरे-धीरे उसके शरीर में बीमारी का जहर घोल रहा है। दुर्भाग्य यह है कि जिस देश में भोजन को "अन्नपूर्णा" और "प्रसाद" की तरह पवित्र माना जाता था, वहां आज नकली और मिलावटी खाद्य पदार्थ खुलेआम बिक रहे हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की थाली में अब पौष्टिक भोजन की जगह पैकेटबंद और तले-भुने खाद्य पदार्थों ने ले ली है। कुरकुरे, चिप्स, रंगीन पेय पदार्थ और अत्यधिक मसालेदार फास्ट फूड आज की पीढ़ी का रोज का भोजन बन गया है। इन उत्पादों में अत्यधिक नमक, तेल, कृत्रिम रंग और रसायन होते हैं, जो धीरे-धीरे शरीर को अंदर से बीमार बना देते हैं। परिणाम यह है कि आज मधुमेह, उच्च रक्तचाप, किडनी रोग और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं।

सबसे दुखद पहलू यह है कि इन बीमारियों को रोकने के लिए समाज में व्यापक जागरूकता और कठोर कानून बनाने की बजाय अस्पतालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। हर शहर में कैंसर अस्पताल, किडनी अस्पताल और डायलिसिस सेंटर खुल रहे हैं। यह स्थिति एक गंभीर प्रश्न खड़ा करती हैक्या हमारा लक्ष्य बीमारी को रोकना है या बीमारी के इलाज का बाजार खड़ा करना? सरकार और समाज दोनों की जिम्मेदारी है कि खाद्य पदार्थों में मिलावट पर कठोर नियंत्रण लगाया जाए। नकली तेल, मिलावटी दूध और जहरीले मसालों के कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही स्कूलों, गांवों और शहरों में लोगों को स्वस्थ खान-पान के प्रति जागरूक करना भी उतना ही जरूरी है।

स्वस्थ समाज का निर्माण अस्पतालों से नहीं, बल्कि शुद्ध भोजन और संतुलित जीवनशैली से होता है। यदि आज भी हम नहीं जागे तो आने वाली पीढ़ियां दवाओं और अस्पतालों के सहारे जीवन जीने को मजबूर होंगी। इसलिए समय की मांग है कि मिलावट के खिलाफ सख्त कानून बने, जागरूकता बढ़े और हर नागरिक अपने भोजन की शुद्धता के प्रति सजग हो। यही स्वस्थ और समृद्ध भारत की असली नींव है।●

''नारी शक्ति संवाद-2026''

हमें खुद से प्यार करना आना चाहिए : मिस यूनिवर्य इंडिया 2025

● **सोनू यादव**

बीते 13 अप्रैल सगुना मोड़ स्थित एक होटल में पैम्पर एन्ड केयर फाउंडेशन द्वारा "नारी शक्ति संवाद 2026" कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारी संख्या में महिला व युवा लड़कियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में शामिल लोगों से इसे महिलाओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता और सामाजिक जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित एक प्रेरणादायक पहल बताया।

कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार सरकार के आपदा प्रबंधन मंत्री माननीय नारायण प्रसाद द्वारा किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण और स्वास्थ्य जागरूकता को समाज के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक बताया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि एवं वक्ता के रूप में मणिका विश्वकर्मा (Miss Universe India 2025) की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। रोज मर्रा की जिंदगी में महिलाओं को काफी समस्याएं हैं उनपर खुल कर बात करना चाहिए। मणिका ने कहा सबसे पहले हमे खुद से प्यार करना आना चाहिए। एक महिला चाहें तो दुनिया बदल सकती है। पहली बार बिहार आने पर उन्होंने बिहार को एतिहासिक रूप से समृद्ध बताया। उन्होंने आगे कहा बिहार में अपार प्रतिभाएं हैं बस जरूरत हैं उन्हें संभालने की। एक महिला चाहे तो दुनिया बदल सकती हैं। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33% सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित के मुद्दे को सरकार द्वारा महत्वपूर्ण कदम बताया।

कार्यक्रम के आयोजक व पैम्पर केयर एन्ड फाउंडेशन के निदेशक ज्ञान रंजन ने बताया कि "नारी शक्ति संवाद 2026" का उद्देश्य समाज में जागरूकता फैलाना और महिलाओं को उनके अधिकारों एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना है। संस्था द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास जारी रहेगा। मिस यूनिवर्स इंडिया के नेशनल पीआर डायरेक्टर सर्वेश कश्यप ने इस कार्यक्रम को महिला सशक्तिकरण व जागरूकता के उद्देश्य से सबसे बेहतर बताया उन्होंने आगे कहा ऐसी आयोजन कइयों को प्रेरणा देती है।

❖ **कार्यक्रम में अन्य प्रमुख वक्ताओं में शामिल रहीं :-**

☞ कल्पना सिंह (स्त्री रोग विशेषज्ञ, IGIMS, पटना)।

☞ अंकिता (मनोवैज्ञानिक एवं मोटिवेशनल स्पीकर)।

☞ टिंकी गिरी (प्रधानाचार्य, माउंट लिट्रा जी स्कूल, खगौल)।

इन सभी वक्ताओं ने अपने-अपने अनुभव और विशेषज्ञता के माध्यम से महिलाओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता, मानसिक सशक्तिकरण और सामाजिक भागीदारी पर महत्वपूर्ण विचार साझा किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की सहभागिता देखने को मिली, जिससे यह पहल एक प्रभावशाली संवाद मंच के रूप में उभरी। ●

मसौढ़ी जेल में औचक छापेमारी से हड़कंप

● श्रीकांत कुमार श्रीवास्तव

मसौढ़ी जेल में जेल प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने मसौढ़ी उपकारा में औचक छापेमारी की। सभी कैदी वार्डो में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। इस अभियान में मसौढ़ी एस.डी.एम. अभिषेक कुमार, ए.एस.पी. कोमल मीणा, डी.एस.पी.-2 कन्हैया कुमार, जेल अधीक्षक विपीन कुमार और सभी थानों के पुलिस पदाधिकारी एवं भारी संख्या में पुलिस बल के साथ जेल परिसर में प्रवेश किए। कैदियों के सामान, बिस्तर और शौचालय तक की तालाशी ली गई। एस.डी.एम. अभिषेक कुमार ने बताया कि यह रूटीन चेकिंग का हिस्सा है। जेल में किसी भी तरह की आपत्तिजनक सामग्री न हो इसे सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर औचक छापेमारी की जाती है। सभी वार्डो की समय पर औचक सघन तालाशी ली गई है। छापेमारी के दौरान सुरक्षा मानकों की जांच किया गया। मसौढ़ी ए.एस.पी.

कोमल मीणा ने बताया कि जेल की सुरक्षा सर्वोपरी है। कैदियों और बंदियों के बीच अनुशासन बनाए रखने के लिए ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। इस छापेमारी के दौरान पूरे जेल परिसर को सील कर दिया गया था और बाहरी लोगों का प्रवेश पूरी तरह बंद रहा। यह छापेमारी अभियान लगभग दो घंटे चला। जेल में अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए ऐसी छापेमारी समय-समय पर पर होते रहती है। इससे जेल की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होती है। मसौढ़ी जेल में स्थिति सामान्य है। कोई भी आपत्तिजनक वस्तु बरामद होने की सूचना नहीं है।●

जहानाबाद एस.पी. ने किया पाली थाने का इंस्पेक्शन

● श्रीकांत कुमार श्रीवास्तव

जहानाबाद के पुलिस अधीक्षक अपराजित लोहान ने कानून-व्यवस्था मजबूत करने के उद्देश्य से पाली थाना का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने थाना परिसर, रिकॉर्ड रूम, मालखाना और हाजत का बारीकी से जायजा लिया। एस.पी. ने लंबित मामलों की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एस.पी. अपराजित लोहान ने लंबित मामलों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अनुसंधान अधिकारियों को मामलों के निपटारे में तेजी लाने और पीड़ितों को समय पर न्याय दिलाने के लिए गंभीरता से काम करने को कहा गया। इसके अतिरिक्त, वारंटी और फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी अभियान चलाने के सख्त निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान, एसपी ने पुलिस अधिकारियों और जवानों से संवाद किया। उन्होंने कार्यों की सराहना की और उन्हें अधिक सतर्क और सक्रिय रहने की

सलाह दी। एस.पी. ने इस बात पर जोर दिया कि अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस को जनता के साथ बेहतर तालमेल और संवाद करके काम करना होगा। इससे सूचना तंत्र मजबूत होगा और अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई की जा सकेगी। एस.पी. ने विशेष नजर रखने और रात्रि गश्त को नियमित और प्रभावी बनाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी आपराधिक घटना की सूचना मिलने पर त्वरित कार्रवाई होनी चाहिए और जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाना चाहिए। निरीक्षण के अंत में जहानाबाद एस.पी. ने साफ-सफाई, अभिलेखों के उचित रख-रखान और अनुशासन बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद थे। हाल ही में जहानाबाद UKG छात्र की हत्या के मामले का उद्भेदन किया है। एस.पी. ने कहा है कि शक के आधार पर गार्ड सुदामा को पकड़ा गया था। शुरुआत में वह पुलिस को गुमराह कर रहा था, लेकिन जब तकनीकी साक्ष्य मिले तो फिर उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। हॉस्टल के गार्ड ने कहा कि कि वह इसी हॉस्टल में 5 साल से काम कर रहा था। 10 साल पहले उसकी पत्नी छोड़कर किसी और के पास चली गई। इस वजह से बच्चे हमेशा उसे नपुंसक कहकर चिढ़ाते थे। जिससे परेशान होकर उसने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया।●

सबसे प्यारा अपना बिहार

● **प्रो० रामजीवन साहु**

अपना बिहार प्रांत पूर्व में भारत के बंगाल प्रेसिडेंसी अन्तर्गत था। 22 मार्च 1912 में बंगाल प्रेसिडेंसी से अलग होकर बिहार प्रांत बना। इस प्रांत का नाम बिहार दिया गया। इस नामाकरण के दो मुख्य कारण हैं-प्रथम कारण यह है कि प्राचीन काल में यह मगध नाम से प्रसिद्द था। इस भूभाग में बौद्ध भिक्षुक बड़ी संख्या में रहा करते थे। रहने के स्थान या मठ को विहार कहा जाता है। विहार संस्कृत और पालि भाषा है। उच्चारण के क्रम में विहार से बिहार हो गया। द्वितीय कारण इतिहास आधारित है। बिहार शब्द में तीन अक्षर और दो मात्राएं है-इ+ब+ह+आ+र=बिहार। इ से इच्छा-शक्ति (नागरिकों की प्रकृति), ब से बक्सर (शिक्षा केंद्र), ह से हरि हरनाथ (आध्यात्मिक क्षेत्र), आ से आर्यभट्ट (खोज केन्द्र) और र से राजगीर (ऐतिहासिक केन्द्र)।

☞ **इच्छा-शक्ति :-** बिहार के जन- जन का नारा, अपना बिहार सबसे प्यारा। जय बिहार, जय जय बिहार। उन्नत बिहार, उज्जवल बिहार। ज्ञान की भूमि बिहार, भारत के कंठहार। सबका एक ही सपना, पूर्ण साक्षर बने बिहार अपना।

☞ **बक्सर :-** यह मोक्षदायनी गंगा के तीर पर अवस्थित है। यह ऋषि विश्वामित्री की तपस्थली, श्रीराम-लक्ष्मण की शिक्षास्थली और ताड़का वद्ध की पुण्यस्थली है। यहीं गौतम मुनि की श्रापित पत्नी अहिल्या जो पत्थर बन गई थी, श्रीराम के चरण स्पर्श से पुनः नारि बन गई।

☞ **हरिहरनाथ :-** यह पवित्र स्थल सारण जिला में है। यहां विश्वविख्यात एक मंदिर है। इस मंदिर में एक शिव लिंग है। इस शिव लिंग की विशेषता है कि इसके आधे भाग में हरि (विष्णु) की मूर्ति है, तो आधे भाग में हर (शिव) की मूर्ति है। यह मंदिर सामाजिक समरसता का एक बेमिशाल उदाहरण है, क्योंकि विष्णु के भक्तजन और शिव के भक्तजन दोनों प्रेम पूर्वक पूजा-पाठ करते हैं। यहां प्रतिवर्ष कार्तिक पूर्णिमा को विश्व प्रसिद्द पशु मेला लगता है।

☞ **आर्यभट्ट :-** इनका जन्म पटना (कुसुमपुर) में हुआ है। ये मात्र 23 वर्ष के आयु में ही एक प्रसिद्द ग्रंथ 'आर्यभटीय' लिखे हैं। ये महान गणितज्ञ और प्रसिद्द खगोलशास्त्री थे। इन्होने शून्य जैसे अंक को उच्चारण के लिए नयी पद्धति का आविष्कार किए।

☞ **राजगीर :-** राजगीर भारत का एक ऐसा स्थल है, जहां प्राचीन इतिहास, आध्यात्मिक संगम और प्राकृतिक सम्पदा का प्रचुर भंडार है। यह सनातन धर्म, बौद्ध धर्म और जैन धर्म तीनों का पवित्र स्थल है। साथ ही भगवान बुद्ध, भगवान महावीर, सम्राट जरासंध, बिम्बिसार और आजातशत्रु का कर्मभूमि रहा है।

इस प्रकार लेखक के दृष्टिकोण से बिहार प्रांत का नामाकरण हुआ है। 24 नवम्बर 2005 में प्रथम बार विकास पुरुष और राष्ट्रचिन्तक श्री नितिश कुमार बिहार के तेइसवां मुख्यमंत्री बने। पांच वर्ष बिहार के विकास के अतिरिक्त बिहार वासियों के स्वाभिमान का चिंतन के पश्चात 2010 में उन्होंने 22 मार्च को प्रतिवर्ष 'बिहार दिवस' मनाने का निर्णय लिया। 22 मार्च को ही बिहार अलग प्रांत बना था, इसलिए इसी तिथि को बिहार दिवस मनाने का निश्चय किया गया. तब से सम्पूर्ण बिहार में प्रखंड स्तर और जिला स्तर पर बिहार दिवस धूमधाम, उत्साहपूर्वक, भव्यतापूर्ण और हर्षोल्लास के मनाया जाता है और जैन धर्म के नौवें तीर्थंकर भगवान सुविधि नाथ और चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर के जन्मस्थली जमुई में भी 2010 से प्रतिवर्ष 22 मार्च को 'विहार दिवस' मनाते आ रहा है।

2026 में भी 22 मार्च को जमुई के जनप्रिय जिलाधिकारी श्री नवीन जी (भा.प्र.से.) के नेतृत्व में अत्यंत हर्षोल्लास और प्रसन्नचित वातावरण में 'बिहार दिवस' मनाया गया। 'बिहार दिवस' का श्रीगणेश प्रभातफेरी से हुआ। प्रभातफेरी जिलाधिकारी श्री नवीन जी (भा.प्र.से.) के निर्देशानुसार अपर समाहर्ता रविकान्त सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी श्री सौरव कुमार और काबिले तारीफ जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री दयाशंकर सिंह ने संयुक्त रूप से हरि झंडी दिखाकर रवाना किये। पूर्वाह्न सात बजे जमुई का ऐतिहासिक स्टेडियम श्रीकृष्ण सिंह मेमोरियल

स्टेडियम से आकर्षक और भव्य प्रभातफेरी निकाला गया, जो जमुई व्यवहार न्यायालय चौक, के. के. एम. कॉलेज, चिल्ड्रेन पार्क और झाझा बस स्टेन्ड होते हुए पुनः स्टेडियम में गरिमापूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। प्रभातफेरी में सम्मिलित सभी छात्र-छात्राओं के हाथों में बिहार की अस्मिता, प्रगति एवं विकास के संकल्पों वाली तख्तियां थीं और सभी गर्व से बिहार का जय घोष कर रहे थे। अपराह्न चार बजे रंगारंग और ज्ञानवर्धक सांस्कृतिक कार्यक्रम आरम्भ हुआ। कार्यक्रम के बीच जमुई जिले की सतरंगी सांस्कृतिक झलकियां देखने को मिली। यहां स्थानीय कलाकारों के साथ-साथ विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने अपनी अद्वतीय प्रतिभा का प्रदर्शन कर समां बांध दिया। इन छात्र-छात्राओं के उत्साहवर्धन के लिए माननीय जिलाधिकारी महोदय ने उनकी मुक्त कंठ से भूरि-भूरि प्रसंशा किए और उन्हें बिहार के सांस्कृतिक गौरव का वास्तविक अग्रदूत बताते हुए कहा कि जमुई के ये प्रतिभावान विद्यार्थी न सिर्फ बिहार बल्कि सम्पूर्ण भारत के अमोल ध रोहर हैं। इस उत्साहवर्धक कार्यक्रम में +2 उ.वि. जमुई बाजार, उ.म.वि. कोनन, आवासीय राजकमल कॉन्सेप्ट स्कूल, सिमुलतला आवासीय विद्यालय, म.वि. महादेव समरसता, बिनोवा भावे पब्लिक स्कूल, टैलेंट सोर्स इन्टरनेशनल स्कूल, राम कृष्ण आवासीय उ.वि., ललिता कला एकेडमी, आर.

के. इंटरनेशनल स्कूल और मणिदीप एकेडमी के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। अंत में डाक्टर नूतन कुमारी सिंह के नेतृत्व में एक मनमोहक कवि सम्मेलन हुआ। डॉक्टर ललित कुमार सिंह, डॉक्टर एस.एन. झा, डॉक्टर नूतन कुमारी, डाक्टर रिंकी कुमारी, सोनी कुमारी, विकास मिश्रा, प्रीतम कुमार, भावानंदजी और अजय सिंह आदि कवि-कवियित्री उपस्थित हुए।

समारोह स्थल पर सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और जिले की महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाले विभिन्न विभागीय स्टॉलों का भी जिलाधिकारी द्वारा सुक्ष्मता से निरीक्षण किया गया। इस गरिमामयी कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त श्री सुभाष चन्द्र मंडल, जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री दया शंकर सिंह, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी डॉक्टर मेनका कुमारी, जिला शिक्षा कार्यक्रम पदाधिकारी सुश्री सीमा कुमारी और अन्य वरीय एवं कनीय पदाधिकारीगण, प्रबुद्ध नागरिक और भारी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे, जिन्होंने एक स्वर में बिहार की निरंतर प्रगति एवं जमुई के गौरव को अक्षुण्ण रखने का सामूहिक संकल्प लिये।●

नगर के वार्डों में पंचायतों जैसी सुविधा नही

● **मनीष कमलिया**

वा नगर परिषद के कुछ वार्ड विकास में काफी पीछे चल रहा है। नई बसाबट को छोड़ अन्य स्थानों पर नल जल की स्थिति लगभग ठीक ठाक देखी गई। परंतु नई बसाबट वार्ड 22 का न्यू पटेल नगर मोहल्ले के लोगों के घरो तक बिजली बांस बल्ले के सहारे पहुंची है। जिससे करंट लगने का खतरा बनी रहती है। दूसरी ओर इस मोहल्ले का मुख्य रास्ता जल्द बन्द होने की संभावना है। मोहल्लेवासियों को आशंका है कि अदाणी ग्रुप की निर्माणाधीन सीमेंट यूनिट के लिए रेलवे पटरी बिछाने का कार्य कर रही है। पटरी बिछने के बाद मोहल्ले के मुख्य रास्ता पूरी तरह से बन्द हो जाएगी। फलस्वरूप मोहल्लेवासियों ने जिला प्रशासन से नई बसाबट न्यू पटेल नगर के लिए रास्ता बनवाने की मांग किया है। उक्त वार्ड के प्रभु नगर मुसहरी में कहने को ढलाई का रास्ता है लेकिन काफी संकीर्ण और टूटा फूटा है। जिसमे पैदल यात्रियों को भीं परेशानी का सामना करना पड़ता है।

वार्ड 23 के खानापुर मोहल्ले के धानुक टोली में अभी तक नलजल की उपलब्ध

ता नहीं है। जबकि खानापुर देवी स्थान को जोड़ने वाली सम्पर्क पथ में निर्माणाधीन नाला का निर्माण अधूरा पड़ा है। फलस्वरूप नाला एवं रास्ता, दोनो की स्थिति बदतर है। पूजा करने देवी मंदिर आने जाने वाले लोगो को परेशानी होती है। नप के अपग्रेडेशन के समय चार वर्ष पहले मोसमा पंचायत से खानापुर को हटा कर वार्ड 23 बनाया गया है। मोहल्ले में अभी तक कोई शहरी व्यवस्था देखने को नहीं मिलती है। सम्पूर्ण वार्ड में नप द्वारा रोशनी की व्यवस्था नहीं करवाई गई है।

नप के वार्ड 24 में मूल रुप से मोसमा पंचायत से कटा मालीचक तथा पूर्व के वार्ड 18 के विशनपुर को मिलाकर बनाया गया है। दो दशक से नप में शामिल विशनपुर मोहल्ला में आज भी देहातो जैसी व्यवस्था है। नाली ढक्कन विहीन, रोशनी की मुक्कमल व्यवस्था नहीं, मोहल्ले के दो मुख्य गली की हालत ठीक ठाक नहीं है। रास्ते के बीच मे बना नाला का ढक्कन टूटे होने से जाने आने में परेशानी होती है। वार्ड 24 का विशनपुर एवं वार्ड 22 का प्रभुनगर मुसहरी में लाखों रुपया खर्च कर बनाया गया सामुदायिक शौचालय बर्षो से अधूरा पड़ा है। जबकि गरीब आज भी खुले में शौच करने को विवश हैं। नलजल से पानीजाने वाले टैंक को हवा उड़ा ले गया है। वाटर टावर सिर्फ दिखावा बन गया है।●

नवादा का धर्मशीला हॉस्पिटल जहां लिखा जाता है मौत का फरमान

● **मिथिलेश कुमार/मनीष कमलिया/ रजनीशकांत झा**

शहर का चर्चित धर्मशीला हॉस्पिटल इन दिनो कई आरोपों से घिरा है, विधायक पुत्र अखिलेश कुमार की मौत के बाद यह मामला स्थानीय घटना से निकलकर जिले के स्वास्थ्य तंत्र पर बड़े सवाल खड़े करने लगा है। घटना के बाद जहां परिजनों में शोक और आक्रोश है, वहीं राजनीतिक गलियारों में भी हलचल तेज हो गई है। इस पूरे मामले को लेकर पूर्व विधायक राजबल्लभ यादव ने खुलकर अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा संभाल लिया है। उन्होंने न सिर्फ इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है, बल्कि अस्पताल को "मौत का परवाना लिखने वाला केंद्र" तक करार देते हुए कई गंभीर और चौंकाने वाले आरोप लगाए हैं।

☞ **घटना की पृष्ठभूमि: इलाज या इंतजार मौत का?'** :- जानकारी के अनुसार, विधायक पुत्र की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें धर्मशीला हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। शुरुआती जांच और उपचार के बाद भी उनकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन लगातार "सब कुछ नियंत्रण में है" कहकर उन्हें आश्वस्त करता रहा, जबकि अंदरखाने स्थिति बिगड़ती जा रही थी। परिवार का कहना है कि जब मरीज की हालत गंभीर होने लगी, तब भी अस्पताल ने समय रहते किसी बड़े संस्थान में रेफर नहीं किया। इलाज के नाम पर लगातार जांच, दवाइयों और बिलिंग का सिलसिला चलता रहा। अंततः हालत इतनी बिगड़ गई कि युवक की मौत हो गई। इस घटना ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया और अस्पताल के प्रति लोगों का गुस्सा फूट पड़ा।

☞ **राजबल्लभ यादव का हमला: "यह अस्पताल नहीं, गोरखधंधे का अड्डा"'** :- घटना के बाद पूर्व विधायक राजबल्लभ यादव ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा की "धर्मशीला हॉस्पिटल में इलाज नहीं, बल्कि लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ हो रहा है। यह अस्पताल नहीं, बल्कि गोरखधंधे का अड्डा बन चुका है, जहां गरीब और मध्यमवर्गीय मरीजों को योजनाओं के नाम पर लूटा जा रहा है।" उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पताल

में कई स्तरों पर अनियमितताएं और अवैध गतिविधियां चल रही हैं, जिनकी निष्पक्ष जांच बेहद जरूरी है।

☞ **7 घंटे का खेल": इलाज या इंतजार?** :- परिजनों के अनुसार, सड़क दुर्घटना के बाद घायल अखिलेश कुमार को तुरंत धर्मशीला हॉस्पिटल लाया गया। उस समय वह होश में थे और बातचीत कर रहे थे, लेकिन यहीं से शुरू हुआ कथित खेल। अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टर मौजूद नहीं थे, फिर भी मरीज को भर्ती कर लिया गया। करीब 7 घंटे तक अस्पताल में ही रखा गया। हालत बिगड़ने पर पटना रेफर किया गया। सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर अस्पताल के पास पर्याप्त संसाधन और विशेषज्ञ नहीं थे, तो मरीज को तुरंत बड़े अस्पताल क्यों नहीं भेजा गया।

☞ **रास्ते में मौत : जिम्मेदार कौन?** :- जब अखिलेश कुमार को पटना रेफर किया गया, तब तक काफी देर हो चुकी थी। परिजनों का आरोप है कि वेंटिलेटर एम्बुलेंस की व्यवस्था नहीं की गई, प्राथमिक इलाज भी पर्याप्त नहीं दिया गया, रेफरल में जानबूझकर देरी की गई।

☞ **आयुष्मान योजना में कथित घोटाला की आशंका** :- राजबल्लभ यादव ने सबसे गंभीर आरोप आयुष्मान भारत योजना के दुरुपयोग को लेकर लगाया। उनका कहना है कि मरीजों के आयुष्मान कार्ड का उपयोग कर अस्पताल सरकार से मोटी रकम क्लेम करता है, इसके बावजूद मरीजों और उनके परिजनों से नकद वसूली की जाती है। कई मामलों में बिना पूर्ण इलाज के ही क्लेम दिखा दिया जाता है। यदि ये आरोप सही साबित होते हैं, तो यह न सिर्फ एक अस्पताल की बात होगी, बल्कि सरकारी स्वास्थ्य योजना की विश्वसनीयता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करेगा।

पूर्व विधायक ने यह भी दावा किया कि अस्पताल में डिजिटल भुगतान और मरीजों के डाटा का दुरुपयोग हो रहा है। उन्होंने इसे संभावित "साइबर क्राइम" से जोड़ते हुए कहा कि:' मरीजों की निजी जानकारी का दुरुपयोग किया जा सकता है' ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम के जरिए संदिग्ध ट्रांजेक्शन किए जा रहे हैं' फर्जी बिलिंग और क्लेम के लिए डिजिटल नेटवर्क का इस्तेमाल हो सकता है उन्होंने इस पूरे मामले की जांच साइबर क्राइम विशेषज्ञों से कराने की मांग की है।

☞ **लूट का सिस्टम": मरीजों के परिजनों के आरोप''** :- मृतक के परिजनों के अलावा अन्य कई लोगों ने भी अस्पताल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि:' बिना जरूरत के महंगे टेस्ट कराए जाते हैं' डॉक्टरों की सलाह के बिना दवाइयों की लंबी सूची थमा दी जाती है'

मरीज की गंभीर स्थिति को छिपाकर बिल बढ़ाया जाता है' रेफर करने में देरी कर जान जोखिम में डाली जाती है। कुछ लोगों ने तो यहां तक कहा कि "एक बार मरीज अंदर चला गया, तो फिर वह अस्पताल के सिस्टम का हिस्सा बन जाता है, जहां हर दिन बिल बढ़ता है और उम्मीद घटती जाती है।"

☞ **अवैध तरीके से अर्जित अकूत संपत्ति जांच की मांग: आखिर कहां से आया इतना पैसा?''** :- राजबल्लभ यादव ने अस्पताल संचालक की संपत्ति की जांच की भी मांग की है। उनका कहना है कि:झ "कम समय में इतनी बड़ी संपत्ति खड़ी होना अपने आप में सवाल खड़ा करता है। इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए कि यह पैसा कहां से आया और किन माध्यमों से अर्जित किया गया।" उन्होंने कहा की अस्पताल के पाँचवी मंजिल पर 50से अधिक कम्प्यूटर और ऑपरेटर कौन काम से जुड़े हैं इसकी भी जाँच होनी चाहिए उन्होंने कहा की इतनी बड़ी संख्या में हॉस्पिटल में कम्प्यूटर का कौन कार्य है।उन्होंने हॉस्पिटल में पूर्व की कई घटनाओं का भी जिक्र किया है जिसमें एक मरीज की किडनी निकालने का भी आरोप है। यह मांग प्रशासन के लिए एक नई चुनौती बन सकती है, क्योंकि इसमें आर्थिक अनियमितताओं और संभावित भ्रष्टाचार की जांच शामिल हो सकती है।

☞ **जनता में आक्रोश, प्रशासन पर दबाव''** :- घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। अस्पताल के बाहर भीड़ जुटी और न्याय की मांग को लेकर नारेबाजी हुई। लोगों का कहना है कि जिले में निजी अस्पतालों की मनमानी बढ़ती जा रही है' सरकारी निगरानी पूरी तरह कमजोर हो चुकी है' गरीब मरीज सबसे ज्यादा शोषण का शिकार हो रहे हैं। लोगों ने स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

☞ **प्रशासन की भूमिका पर उठते सवाल** :- इतने गंभीर आरोपों के बावजूद अब तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। न तो अस्पताल प्रबंधन का आधिकारिक पक्ष सामने आया है और न ही किसी जांच की स्पष्ट घोषणा हुई है।सिर्फ जाँच हुई है लेकिन हॉस्पिटल में इलाज के दौरान हुई लापरवाही की बात सामने आई है लेकिन जब तक जिला प्रशासन मामले में आधिकारिक पुष्टि नही करती है तब तक कुछ भी कहना उचित हो होगा। हालांकि मामले को लेकर मुफसील थाने में प्राथमिकी भी दर्ज कर ली गयी है। क्या प्रशासन किसी दबाव में है? क्या पहले भी ऐसी शिकायतें आई थीं? अगर हां, तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? स्वास्थ्य व्यवस्था पर व्यापक सवाल खड़े होते हैं।

यह मामला सिर्फ एक अस्पताल तक सीमित नहीं है। यह पूरे जिले, और कहीं न कहीं राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था की वास्तविक स्थिति को उजागर करता है। विशेषज्ञों का मानना है कि निजी अस्पतालों पर निगरानी तंत्र को मजबूत करने की जरूरत है। आयुष्मान योजना के क्रियान्वयन की नियमित ऑडिट होनी चाहिए। मरीजों के अधिकारों को लेकर जागरूकता बढ़ानी होगी। मेडिकल लापरवाही के मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी। हॉस्पिटल के तरफ से किये गए प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोपों को गलत बताया गया है।

बहरहाल विधायक परिवार मामले को लेकर गंभीर है। घटना के बाद कई मंत्री, विधायक एवं विधानसभा अध्यक्ष तक का दौरा हो चूका है। अब हाइटेक हो चुके मामले पर सरकार की सख्ती हॉस्पिटल के भविष्य को किस प्रकार देखती है यह तो गर्त की बात है।●

वारिसलीगंज रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का टोंटा

● **मनीष कमलिया**

7 वर्ष पूर्व निर्मित बाघी बरडीहा मोड़-बरबीघा एसएच 83 सड़क में यात्री सुविधाओं का घोर अभाव है। सड़क में अवैध रूप से दर्जनभर ब्रेकर बना दिया गया है, जो छोटे पहिया वाले वाहनों को तो परेशानी बढ़ती ही है, साथ में सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण भी बनता है। हपलांकि तीन वर्ष पूर्व तत्कालीन जिलाधिकारी के आदेश बाद स्थानीय अंचल कार्यालय द्वारा कई अवैध ब्रेकरों को तुड़वा दिया गया है। बाबजूद कुछेक गांव के लोग पुन: सड़क मानक के विपरीत ऊंचे ऊंचे ब्रेकर बनवा दिया है। वारिसलीगंज में यातायात का सुगम एवं सस्ता साधन रेल की सवारी है, जो अपने बिलम्बित पैसेंजर ट्रेनों के परिचालन को लेकर जानी जाती है।

रेल पथ दोहरीकरण का विधुतीकरण व दोहरीकरण कार्य पूर्ण हो चुका है। दिल्ली समेत कई स्थानों को एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन इस पथ से हो रहा है। परंतु गया हावड़ा गया (डेली) अमृत भारत तथा कामख्या एक्सप्रेस (साप्ताहिक) को छोड़ अन्य कोई सिर्फ सप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव वारिसलीगंज रेलवे स्टेशन पर नहीं होने से दिल्ली यदि स्थानों को जाने वाले यात्रियो को परेशानी होती है। केजी रेलखंड में नवादा से पटना वाया शेखपुरा, अस्थावा पैसेंजर ट्रेन यात्रियों के लिए काफी हितकारी सावित हो रही है। उक्त रेलखंड में एक और पैसेंजर ट्रेन चलवाने की मांग क्षेत्रवासियों द्वारा की जा रही है।

☞ **सुविधाओं का टोंटा** :- केजी रेलखंड का अति व्यस्त वारिसलीगंज रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का टोंटा है। रात में

स्टेशन पर यात्रियों के ठहरने की कोई व्यवस्था नहीं है। रात्रि में उतरने वाले यात्री भगवान भरोसे स्टेशन पर रुकते हैं। सुरक्षा नाम पर रेल पुलिस स्टेशन पर उपलब्ध नहीं है। पेयजल एवं शौचालय की मुकम्मल व्यवस्था अभी तक नहीं हुई है।

☞ **सड़क यातायात की स्थिति** :- वारिसलीगंज में बाघी बरडीहा मोड़ से बरबीघा तक 37.8 किलोमीटर की टू लेन एसएच 83 सड़क है, जिसका 2025 के नबंवर माह में सुदृढ़ीकरण किया गया है। सड़क में नवादा जिले की सीमा तक दर्जनभर ब्रेकर बना दिया गया था। जो छोटे वाहनों के दुर्घटना का कारण बनती है। एसएच 83 सम्पूर्ण सड़क में यात्री सुविधाओं का अभाव है। यात्री पड़ाव तो बना दिया गया है। परंतु आस पास में पेयजल और शौचालय की व्यवस्था नहीं है। सड़क किनारे कोई आपातकालीन अस्पताल भी नहीं है। जहां सडक दुर्घटना होने पर जल्द इलाज संभव हो सके।

कुछ वर्ष पहले तक रेल सेवा के मामले में केजी रेलखंड को फिसड्डी माना जाता था। हाल के वर्षो में वन्दे भारत सहित तीन एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन इस रेलखंड से होकर की गई है। जिसमें हमसफर एक्सप्रेस जो बरहट से चलकर नई दिल्ली तथा गोड्डा नई दिल्ली वाया कियूल गया सप्ताहिक चलती है। जबकि वन्दे भारत नियमित है। उक्त तीनो ट्रेन का ठहराव वारिसलीगंज में नहीं है। क्षेत्र के लोगो को आने वाला साल 2026 में दिल्ली जाने वाली ट्रेन के वारिसलीगंज रेलवे स्टेशन पर ठहराव की उम्मीदें हैं। साथ ही वारिसलीगंज रेलवे स्टेशन पर रेल पुलिस की नियमित ड्यूटी लगने की उम्मीदें नया वर्ष में क्षेत्रवासियों को है।●

प्रेम प्रसंग में उजड़ गया अति पिछड़ो का आशियाना

● अमित कुमार/अनिता सिंह/रजनीशकांत झा

नवादा के नरहट थाना अंतर्गत हमीदपुर बारा गांव में दबंग जातियों के समुह द्वारा अत्यंत पिछड़ी जाति और कमजोर वर्ग से आने वाले परिवार को अगवा करते हुए उनके साथ मारपीट, शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना के बाद लड़का पक्ष के नवनिर्मित पक्का मकान को बुल्डोजर द्वारा पूरे तरह से ध्वस्त कर देने एवं घर के बहुमूल्य समान, गहना, कपड़ा, बर्तन,बक्सा सहित अनाज सहित मवेशी जिसमें दो गाय भी शामिल हैं को लड़की पक्ष की ओर से दबंग परिवार के द्वारा लूट-पाट कर लें गया और बाकी घर के बहुत सारे समानों को तोड़ फोड़ कर तहस-नहस कर दिया।

गौरतलब हो कि एक ही गांव हमिदपुर सारा के रहने वाले राजा कुमार पिता गणेश सिंह जो अतिपिछड़ी जाति से हैं ने अंशु कुमारी पिता राजेश कुमार ग्राम हमीदपुर बारा, थाना नरहट, जिला नवादा के रहने वाली हैं, जो सामाजिक रूप से दबंग जाति यादव समुदाय से संबंध रखतीं हैं के साथ प्रेम प्रसंग था और दोनों आपस में शादी कर ली। घटना का महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि लड़की पढ़ी-लिखी और पूर्णत: बालिग भी है ने अपने गांव के ही राजा कुमार पर शादी करने का दबाव बनाया और राजा कुमार के इंकार करने पर उसने आत्मघाती कदम उठाते हुए सब को फंसाने की धमकी दे डाली। लड़की के द्वारा अपनी इच्छा के अनुसार शादी करने की बात अपने परिवार के समक्ष रखी थी, लेकिन सामाजिक रूप से जातिय श्रेष्ठता की भावना से लड़की के बातों के बाद परिवार ने काफी विरोध करते हुए शादी करवाने से इंकार कर दिया। लड़की किसी भी हाल में उसी लड़के राजा कुमार से शादी करने के जिद्द पर अड़ी रही। अन्त में लड़की ने अपने घर से भाग कर शादी करने का निर्णय लिया और इसके लिए उसने अपने प्रेमी राजा कुमार पर भी दबाव बनाया। इसी क्रम में दिनांक 17 फरवरी 2026 को सुबह 9 बजे सुनियोजित ढंग से अपने घर से निकल गई और स्थानीय हिसुआ बाजार पहुंच कर ननिहाल गांव गोयठा डीह (थाना रोह, जिला नवादा) में रह रहे राजा कुमार को मोबाइल से सूचित करके उसे अपने साथ हिसुआ बाजार बुला लिया और वहां से वे दोनों लोग कहीं अन्यत्र चले गए। दोनों के भागने की जानकारी लड़का-लड़की दोनों पक्षों को नहीं थी।

दिनांक 17 फरवरी 2026 को जब लड़की शाम तक अपने घर वापस नहीं लौटी, तो उनके घर वाले को समझ में आया कि लड़की राजा कुमार के साथ अपने मर्जी से शादी करने के लिए फरार हो गया है। उसके बाद लड़की पक्ष के साथ साथ उस गांव के उस जाति से

संबंधित सभी लोग सामूहिक रूप से काफी उग्र हो गए और दर्जनों की संख्या में लड़का पक्ष के घर पर आक्रमण कर दिया। उस समय लड़का पक्ष के परिवार लडका की मां, पिता जी और दो विवाहित बहनें और एक छोटा भाई के साथ साथ विवाहित दोनों बहनें के पुत्र और पुत्री भी घर में मोजूद थे। उग्र और आक्रमक भीड़ ने उपस्थित परिवार के सभी सदस्यों से कड़ाई से पूछताछ की और अनभिज्ञता जाहिर करने पड़ सभी परिवार के साथ बुरी तरह मारपीट की गई और लड़का के मां लालो देवी और उसके छोटे भाई को जबरन घसीटते हुए गाड़ी में बैठाकर ले कर चले गए। लडके की मां और छोटे भाई को अगवा करने के बाद लड़का पक्ष के सभी नजदिकी संबंधियों के घर पर रातभर छापामारी और तलासी लेते रहा, लेकिन दोनों लड़का लड़की नहीं मिल सका। उसके बाद लड़की पक्ष

के द्वारा अगवा किए गए लड़के की मां एवं छोटे भाई को वापस हमीदपुर बारा गांव में घर पर लाया गया और बंधक परपीड़न बुरी तरह से मारपीट करते हुए घायल कर दिया। बुरी तरह मारपीट के बाद लड़के की मां जब बेहोश हो गई तो वे लोग मरने की डर से उसके घर पर टांग कर पहुंचा दिया।जब लड़के की मां को होश आया तो उन्होंने बचे हुए छोटे मोबाइल से 112 पर पुलिस को फोन किया और सूचना के बाद पुलिस मौके पर आयी और घटना की जानकारी प्राप्त करते हुए लड़की पक्ष के घर पर जाकर औपचारिक रूप से पूछताछ की और लड़के की मां से छीने हुए दो मोबाइल जिसमें एक बड़ा और एक छोटा मोबाइल लौटने को कहा। पुलिस ने घटना के गंभीरता से नहीं लिया और औपचारिकता पूरी करते हुए वापस चली गई। पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने के कारण लड़का पक्ष के परिवार को मजबूरन घर छोड़कर भागना पड़ा। लड़का पक्ष डर के कारण पुनः पुलिस में जाकर अपनी सुरक्षा के लिए आवेदन देने का मौका नहीं मिला और लडके पक्ष के लोग डर से दोनों को खोजने में अपना समय देते रहे।

इसी क्रम में लड़की पक्ष के लोगों ने सामूहिक रूप से लड़के पक्ष के नवनिर्मित पक्का मकान को बुल्डोजर मंगवाकर दिनांक 13 मार्च 2026 को सुबह 9 बजे के लगभग उसके घर को बुरी तरह से ध्वस्त और जमींदोज कर दिया ।घ्घर में रखे किमती और बहुमूल्य समान जिसमें गहने कपड़े, बर्तन, बक्सा अनाज सहित दो मबेशी जिसमें दो गाय भी शामिल है को उग्र भीड़ द्वारा लूट लिया गया और बाकी घर के फर्नीचर सहित अन्य समानों को तोड़ फोड़ कर नष्ट कर दिया गया।घ इसी बीच लड़की पक्ष के द्वारा जबरन शादी के लिए लड़की को ले जाने के मामले में दिनांक 18 फरवरी 2026 को प्राथमिकी दर्ज कराई थी उसी आलोक में पुलिस ने केवल लड़की को हरियाणा के मानेसर से बरामद कर ली और आगे की कारवाई हेतु नवादा ले गयी। टीम के सदस्य हमीदपुर बारा गांव से लौट कर स्थानीय नरहट थाना पहुंच कर थानाध्यक्ष गौतम कुमार से मिलाकर उक्त मामले से संबंधित नरहट थाना कांड संख्या 109 /202 में नामजद अभियुक्त रामप्रवेश यादव, अमोद यादव, रौशन कुमार और सीता राम यादव की गिरफ्तारी हुई है। आगे की कार्रवाई चला रहीं हैं। घटना की वस्तु स्थिति की जांच हेतु लोकतांत्रिक जन राम यादव ररपहल की एक टीम आज सुधा वर्गीज के नेतृत्व में नरहट थाना क्षेत्र के घटना स्थल का दौरा किया। टीम में अत्यंत पिछड़ा उत्थान एवं कल्याण समितिके रवि वात्स्यायन सहित लोकतांत्रिक जन पहल से अशोक कुमार अधिवक्ता,मणी लाल अधिवक्ता एवं संजय

कुमार भी शामिल थे। यह जानकारी टीम के सदस्य अशोक कुमार अधिवक्ता ने प्रेस बयान जारी करते हुए दिया है।

बहरहाल, जिले के नरहट प्रखंड के हमीदपुर बारा गांव में प्रेम प्रसंग मामले में किसी का आशियाना उजाला उजाड़ देना यह कहां का न्याय है एक और सरकार अंतर जातीय विवाह को बढ़ावा देने के लिए लाखों रुपए पुरस्कार देती है तो दूसरी और दबंगों के द्वारा प्रेमी अति पिछड़ा चंद्रवंशी परिवार से तथा यादव सामुदायिक से शादी का मामला है इस प्रसंग पर पूर्व एमएलसी डॉक्टर रामबली सिंह चंद्रवंशी ने कहा कि बिहार में सरकार नाम की कोई चीज नहीं है हमें तो लगता है यह महा जंगल राज है उन्होंने कहा कि इस घटना की उच्च स्तरीय जांच की जाएगी उन्होंने डीजीपी से बात कर शीघ्र स्पीड ट्रायल की मांग की उनके पहल से चार अपराधि यों को पुलिस गिरफ्तार किया और अन्य अपराधियों की धर पकड़ के लिए गहन छापेमारी की जा रही है और पुलिस महकमे में हलचल हुआ जिला प्रशासन जागा और कार्रवाई की गई अति पिछड़ों की कदावर नेता जो पूरे बिहार में कहीं भी अति पिछड़ाओं के साथ कुछ अप्रिय घटना घटती है तो सबसे पहले ढाल बनकर खड़े हो जाते हैं और तुरंत आंदोलन का रूप देते हैं उन्होंने अति पिछड़ों की रक्षा के लिए आंदोलन में अपनी एमएलसी कुर्सी का बलिदान दे दिया डॉक्टर सिंह ने कहा कि इस घटना पर डॉक्टर प्रेम कुमार विधानसभा अध्यक्ष मंत्री डॉ प्रमोद कुमार एवं अन्य लोग जो सत्ता पक्ष में बैठे हैं उन लोगों को संज्ञान लेकर इस पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए डाक्टर रामबली सिंह ने कहा कि यह घटना सरकार को सर्मसार करती इस घटना में एसआईटी गठन स्पीडी ट्रायल कर इन लोगों को कड़ी सजा दिलाये सरकार हम पिछले 20 वर्षों से बिहार में दलित को एससी एसटी अत्याचार अधिनियम के तर्ज पर अति पिछड़ों को भी ईवीसी अत्याचार अधिनियम का कानून सरकार लागू करें ताकि इस तरह की घटना के पुनरावृत्ति नहीं हो और ऐसी घटना पर। अंकुश लग सके सरकार वोट लेने समय 40 से 45 फीसदी याद आता है फिर अति पिछड़ा पर हो रहे अत्याचार पर मुख्य मंत्री का ध्यान आकर्षित नहीं होता है सरकार संवेदनशील नहीं है इस तरह की घटना कई बार बिहार में अलग-अलग क्षेत्र में हत्या लूट बलात्कार छेड़छाड़ अपहरण हो रही और नीतीश कुमार मुख्यमंत्री धृतराष्ट्र बनकर सब कुछ देख रहे हैं खास करते पिछड़ों को टारगेट कर इस तरह की घटना को अंजाम दिया जा रहा है इतनी बड़ी घटना नवादा जिले में हुई और इस समय मुख्यमंत्री का कार्यक्रम जिला में होता है लेकिन मुख्यमंत्री के इस घटना पर चुप रहते हैं अगर मुख्यमंत्री संवेदनशील होते तो इस तरह की घटना पर कठोर कार्रवाई कर स्पीडी ट्रायल कर सजा दिलवाते। इधर विधानसभा अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार ने हबीमपुर घटना पर गहरा रॉस प्रकट किया करते हुए कड़ी निंदा की उन्होंने इस घटना को अमानवीय बताते हुए उन्होंने पीड़ित परिवार को सांत्वना देते हुए भरोसा दिलाया कि सरकार उनके साथ खड़ी है अध्यक्ष ने प्रशासनिक अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि इस जघन्य घटना में संलिप्त दोषियों को पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटना की पूर्णआवृत्ति नहीं हो। इधर राज्यसभा सांसद डॉ भीम सिंह घर तोड़ने तथा उत्पीड़न करने वाले के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के साथ मुआवजे की मांग की हमीदपुर बारा ग्राम दबंगों ने केवल एक चंद्रवंशी परिवार का आशियाना उजाड़ दिया बल्कि छात्र का भविष्य को भी अंधकार में धकेल दिया गांव के ही दबंगों द्वारा प्रेम प्रसंग में एक मामले को लेकर पूरे चंद्रवंशी समाज को निशाना बाजी से इलाके इलाके मे भारी तनाव का माहौल उन्होंने इस संबंध में जिला के डीएम और एसपी से बात की दबंग के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए पीढ़िता को मुआवजा देकर घर बनाने की मांग की पंचायत समिति सदस्य के नेतृत्व में जेसीबी से दबंग कहर बरपाया गणेश गणेश चंद्रवंशी के घर पर टूटा पंचायत समिति ने भारी संख्या में लोगों के साथ उनके घर को गिराया पांच गाय बछिया खोली साथ मेरा की टोंटों गाड़ी जेरात गेहूं चावल लूट ली घर की महिलाओं के साथ छेड़छाड़ की गई सांसद डॉक्टर सिंह ने जिला प्रशासन को जांच कर कार्रवाई करें ताकि गरीबों का इज्जत बच्चे

उन्होंने कहा इस घटना की सूचना मुख्यमंत्री को दी जाएगी। इधर भारतीय जनता पार्टी अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के संयोजक प्रमोद सिंह चंद्रवंशी ने इस घटना का गहरा दुख व्यक्त करते हुए मानवता को सर्मसार बताया उन्होंने राज सरकार के मांग की की सभी दोषियों के विरुद्ध कई से कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और पीड़ित को न्याय मिले उन्होंने पुलिस महानिदेशक विनय कुमार से दूरभास पर बात कर मामले को शीघ्र सुनवाई के लिए स्पीड ट्रायल सुनिश्चित करने का आग्रह किया उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र स्पीति ट्रायल के माध्यम से सजा नहीं हुई तो चंद्रवंशी चेतना परिषद मुद्दे को लेकर व्यापक आंदोलन करके दोषियों को सजा दी जाएगी। पूर्व आईपीएस अमिताभ दास ने कहा कि यहां यादव लोग आरजेडी को वोट देते हैं एवं चंद्रवंशी लोग बीजेपी को वोट करते हैं चंद्रवंशी लोग आरजेडी को वोट नहीं दिया तो गांव में जातीय तनाव व्याप्त है। विधानसभा चुनाव 2025 में वोट नहीं देने के कारण यादवों ने इस घटना को अंजाम दिया, प्रेम प्रसंग एक बहाना था।●

सीसीटीवी कैमरे की जद में वारिसलीगंज

● मिथिलेश कुमार

वारिसलीगंज नगर परिषद क्षेत्र अब पूरी तरह तकनीक की निगरानी में आ चुका है। शहर की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए नगर परिषद द्वारा 40 महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए हैं। इसके साथ ही स्थानीय थाना में एक आधुनिक कंट्रोल रूम भी बनाया गया है, जहां से इन कैमरों के जरिए शहर की हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। इस नई व्यवस्था के लागू होने से बाजार, चौक-चौराहे, मुख्य सड़कों और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में अब हर गतिविधि रिकॉर्ड हो रही है। इससे जहां एक ओर असामाजिक तत्वों में भय का माहौल बना है, वहीं आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा भी बढ़ा है। थाना परिसर में स्थापित कंट्रोल रूम में पुलिसकर्मी 24 घंटे निगरानी कर रहे हैं। इसकी कमान थानाध्यक्ष के पास है किसी भी संदिग्ध गतिविधि या घटना की जानकारी तुरंत मिल जाती है, जिससे पुलिस त्वरित कार्रवाई करने में सक्षम हो रही है। इससे चोरी, छिनतई, सड़क हादसे और अन्य आपराधिक घटनाओं पर काफी हद तक अंकुश लगने की उम्मीद जताई जा रही है।नगर परिषद के इस कदम की स्थानीय लोगों ने भी सराहना की है। लोगों का कहना है कि यह पहल न सिर्फ अपराध नियंत्रण में मददगार साबित होगी, बल्कि शहर को स्मार्ट और सुरक्षित बनाने की दिशा में भी एक बड़ा कदम है। प्रशासन का मानना है कि आने वाले समय में और भी स्थानों पर कैमरे लगाए जाएंगे, जिससे पूरे नगर क्षेत्र को पूर्ण रूप से निगरानी में लाया जा सके। यह पहल निश्चित रूप से एक सकारात्मक बदलाव की ओर इशारा करती है, जहां तकनीक के माध्यम से आम जनजीवन को सुरक्षित और बेहतर बनाया जा रहा है। थाना परिसर में स्थापित कंट्रोल रूम में पुलिसकर्मी 24 घंटे निगरानी कर रहे हैं। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या घटना की जानकारी तुरंत मिल जाती है, जिससे पुलिस त्वरित कार्रवाई करने में सक्षम हो रही है। इससे चोरी, छिनतई, सड़क हादसे और अन्य आपराधिक घटनाओं पर काफी हद तक अंकुश लगने की उम्मीद जताई जा रही है। थानाध्यक्ष पंकज कुमार सैनी ने बताया कि "सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से पूरे शहर की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। इससे अपराधियों की पहचान आसान होगी और घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई संभव हो सकेगी। यह व्यवस्था कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने में सहायक साबित होगी।" वहीं नगर परिषद कार्यपालक अधिकारी समीर चौधरी ने कहा की "शहरवासियों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। आने वाले समय में और भी जगहों को इस व्यवस्था से जोड़ा जाएगा, ताकि वारिसलीगंज को एक सुरक्षित और स्मार्ट नगर बनाया जा सके।" नगर परिषद के इस कदम की स्थानीय लोगों ने भी सराहना की है। लोगों का कहना है कि यह पहल न सिर्फ अपराध नियंत्रण में मददगार साबित होगी, बल्कि शहर को आधुनिक और सुरक्षित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।●

दीक्षांत समारोह में शामिल होने पहुंची राष्ट्रपति

● मो० सईद

नालंदा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भाग लेने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मंगलवार को विशेष विमान से गया एयरपोर्ट पहुंचीं। निर्धारित समय के अनुसार उनके आगमन पर एयरपोर्ट परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। राष्ट्रपति के स्वागत के लिए राज्यपाल सय्यद अता हसनैन, भारत सरकार के विदेश मंत्री एस जयशंकर ,केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी, तथा जिला प्रभारी सह बिहार सरकार के मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल एवं बिहार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, मगध प्रमंडल की आयुक्त डॉ सफीना, एएन आईजी क्षत्रनिल सिंह,जिला पदाधिकारी शशांक शुभंकर, वरीय पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार पहले से मौजूद थे। एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर पूरे एयरपोर्ट क्षेत्र को अस्थायी रूप से सुरक्षित जोन घोषित किया गया था, जहां आम लोगों की आवाजाही पर नियंत्रण रखा गया। राष्ट्रपति लगभग कुछ समय तक एयरपोर्ट पर रहीं, जिसके बाद वे हेलीकॉप्टर के माध्यम से कार्यक्रम स्थल के लिए रवाना हो गईं। उनके साथ कई गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस बल की विशेष तैनाती की गई थी और हर गतिविधि पर कड़ी निगरानी रखी जा रही थी। कार्यक्रम में शामिल होने के बाद राष्ट्रपति के पुनः गया लौटने का कार्यक्रम निर्धारित था, जहां से वे वापस अपने गंतव्य के लिए प्रस्थान करेंगी। इस पूरे दौरे को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया और सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित की गईं।

☞ **कड़ी सुरक्षा के घेरे में राष्ट्रपति का गया दौरा, मिनट-टू-मिनट प्लान पर चला प्रशासन :-** नालंदा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के गया आगमन को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा और प्रबंधन का ऐसा खाका तैयार किया, जिसमें हर पल की गतिविधि तय समय के अनुसार संचालित हुई। मंगलवार को राष्ट्रपति के विशेष विमान के उतरते ही गया एयरपोर्ट हाई अलर्ट जोन में तब्दील हो गया था। राष्ट्रपति के स्वागत के लिए राज्यपाल सय्यद अता हसनैन, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी, विधानसभा अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार, बिहार सरकार के मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल समेत कई वरिष्ठ अधिकारी पहले से मौजूद थे। एयरपोर्ट परिसर को पूरी तरह सुरक्षित क्षेत्र घोषित करते हुए आम लोगों की आवाजाही पर सख्त नियंत्रण रखा गया था। सुरक्षा एजेंसियों ने मल्टी-लेयर सिक्योरिटी सिस्टम लागू किया, जिसमें हर एंट्री प्वाइंट पर सघन जांच की व्यवस्था रही।

प्रशासन की ओर से राष्ट्रपति के आगमन से लेकर उनके प्रस्थान तक का मिनट-टू-मिनट शेड्यूल तैयार किया गया था। विमान से उतरने के बाद उनका पारंपरिक स्वागत हुआ और निर्धारित समय के भीतर ही उन्हें हेलीकॉप्टर के जरिए कार्यक्रम स्थल के लिए रवाना कर दिया गया। इस दौरान एयरपोर्ट से लेकर हेलीपैड तक सुरक्षा बलों की विशेष तैनाती रही और हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी गई। जिला प्रशासन, पुलिस विभाग और खुफिया एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय देखने को मिला। गया के जिला पदाधिकारी शशांक शुभंकर और वरीय पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार लगातार पूरे ऑपरेशन की मॉनिटरिंग करते नजर आए। अधिकारियों के अनुसार, राष्ट्रपति की सुरक्षा में किसी भी तरह की चूक न हो, इसके लिए पूर्वाभ्यास भी किया गया था। कार्यक्रम के बाद राष्ट्रपति के पुनः गया लौटने और वहां से प्रस्थान करने का भी निर्धारित कार्यक्रम है। पूरे दौरे के दौरान प्रशासनिक मशीनरी पूरी तरह अलर्ट मोड में रही, जिससे आयोजन बिना किसी व्यवधान के सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। ●

32 साल की नौकरी, 100 करोड़ की संपत्ति

SDPO गौतम कुमार पर EOU का शिकंजा

● धर्मेन्द्र सिंह

बिहार पुलिस में 1994 में सब इंस्पेक्टर के रूप में नौकरी शुरू करने वाले निलंबित SDPO गौतम कुमार पर आर्थिक अपराध इकाई (EOU) का शिकंजा कसता जा रहा है। जांच में अब तक करीब 100 करोड़ रुपये की कथित बेनामी संपत्ति का खुलासा हुआ है। छापेमारी में 80 करोड़ रुपये की संपत्ति के दस्तावेज मिले थे, जो जांच आगे बढ़ने के साथ 100 करोड़ रुपये तक पहुंचने का दावा किया जा रहा है। गौर करे कि EOU ने 29 मार्च को पटना में गौतम कुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया था। इसके बाद 31 मार्च को छह ठिकानों पर छापेमारी की गई। कार्रवाई के

बाद पुलिस मुख्यालय ने उन्हें किशनगंज SDPO-1 पद से हटाते हुए लाइन क्लोज कर दिया है।

☞ **पत्नी से ज्यादा प्रेमिका के नाम संपत्ति** :- EOU जांच में सामने आया है कि गौतम कुमार ने पत्नी रूबी कश्यप के नाम चार संपत्तियां खरीदीं, जबकि प्रेमिका शगुफ्ता शमीम के नाम सात संपत्तियां खरीदी गईं। इसके अलावा सास पूनम देवी के नाम तीन और बेटे सिद्धार्थ गौतम के नाम एक संपत्ति खरीदने के दस्तावेज भी मिले हैं। जांच एजेंसी के अनुसार शगुफ्ता शमीम के नाम से खरीदी गई जमीनें नेशनल हाईवे के किनारे स्थित हैं और उनकी कीमत करोड़ों में बताई जा रही है। इन जमीनों की रजिस्ट्री कथित तौर पर कम कीमत पर कराई गई है।

☞ **नौकरानी की लग्जरी लाइफ भी जांच के दायरे में** :- जांच के दौरान गौतम कुमार की नौकरानी पारो भी चर्चा में आ गई है। पारो किशनगंज के धरमगंज केला बागान में भाड़े की मकान में रहती है। सोशल मीडिया पर उसके कई वीडियो और तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें वह थार कार और बुलेट बाइक के साथ नजर आ रही है। कुछ तस्वीरों में वह नोटों की गड्डियों के साथ भी दिखाई दी है। जांच एजेंसी इन तस्वीरों और सोशल मीडिया पोस्ट की भी जांच कर रही है।

☞ **माफियाओं से सांठगांठ का आरोप** :-

जांच एजेंसी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक गौतम कुमार का सीमावर्ती इलाकों के शराब माफिया, कोल माफिया और स्मगलिंग गिरोह से संपर्क था। आरोप है कि किशनगंज में SDPO रहते हुए सीमा पार स्मगलिंग कराने के बदले मोटी रकम ली जाती थी। गौतम कुमार की पोस्टिंग लंबे समय तक सीमांचल इलाके में रही है, जिसमें पूर्णिया, अररिया, किशनगंज और बगहा शामिल हैं।

☞ **चार मोबाइल जब्त, फर्जी सिम का खुलासा** :- छापेमारी के दौरान EOU की टीम ने चार मोबाइल फोन जब्त किए हैं। इनमें दो मोबाइल नंबर फर्जी नाम-पते पर लिए गए थे। अब इन मोबाइल फोन को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। कॉल डिटेल के जरिए माफिया नेटवर्क और लेन-देन का पता लगाया जाएगा।

☞ **देशभर में खरीदी संपत्तियां** :- जांच में सामने आया है कि गौतम कुमार ने बिहार के अलावा पश्चिम बंगाल, दिल्ली-एनसीआर, गुरुग्राम, नोएडा, पुणे, सिलीगुड़ी और गंगटोक में संपत्ति खरीदी है। सिलीगुड़ी में एक विधायक के साथ चाय बागान खरीदने की भी बात सामने आई है। इसके अलावा नेपाल में भी कमर्शियल प्रॉपर्टी खरीदने की जानकारी मिली है। इस मामले में जांच एजेंसी इंटरपोल की मदद लेने की तैयारी में है।

☞ **पूर्णिया में 2 करोड़ का मकान** :- जांच में यह भी सामने आया है कि पूर्णिया के मधुबनी मोहल्ला में गौतम कुमार ने करीब 4000 वर्ग फीट में चार मंजिला मकान बनवाया है, जिसकी कीमत दो करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है।

☞ **गाड़ियों का भी शौक** :- जांच के दौरान यह भी सामने आया कि गौतम कुमार ने करीब 55 लाख रुपये की लग्जरी गाड़ियां खरीदी हैं। इनमें थार, क्रेटा समेत अन्य वाहन शामिल हैं।

☞ **सैलरी से ज्यादा संपत्ति** :- EOU के अनुसार गौतम कुमार की नौकरी के दौरान कुल सैलरी करीब 3.22 करोड़ रुपये रही, जबकि घोषित संपत्ति 3.64 करोड़ रुपये पाई गई। इस आधार पर 1.94 करोड़ रुपये आय से अधिक संपत्ति का केस दर्ज किया गया है। हालांकि जांच में अब संपत्ति का आंकड़ा 100 करोड़ रुपये तक पहुंचने का दावा किया जा रहा है।

☞ **पत्नी, सास और महिला मित्र भी नामजद** :- जांच एजेंसी के अनुसार काली कमाई को सफेद बनाने में पत्नी, सास और महिला मित्र ने सहयोग किया। इनके बैंक खातों में नकद जमा कर जमीन खरीदने के सबूत मिले हैं। इस

आधार पर इन सभी को मामले में नामजद किया गया है। EOU के अधिकारियों के अनुसार मामले की जांच जारी है। टीम किशनगंज और पूर्णिया में कैंप कर रही है और जल्द ही और बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

☞ **पूर्व एसडीपीओ गौतम कुमार मामले में नया मोड़, घरेलू कामगार महिला के किराये के आवास पर पहुंची ईओयू टीम** :- किशनगंज के पूर्व एसडीपीओ गौतम कुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) की जांच के दौरान एक नया मोड़ सामने आया है। जांच के क्रम में पूर्व एसडीपीओ के आवास पर घरेलू काम करने वाली एक महिला के पास संपत्ति होने की जानकारी मिलने के बाद ईओयू टीम ने जांच तेज कर दी है। 04 अप्रैल को ईओयू की टीम धर्मगंज स्थित उक्त महिला के किराये के आवास पर पहुंची और मामले से जुड़े तथ्यों की पड़ताल की। हालांकि टीम के पहुंचने के दौरान महिला अपने किराये के आवास पर मौजूद नहीं थी। इसके बावजूद टीम ने आसपास के लोगों से जानकारी जुटाने का प्रयास किया। सूत्रों के अनुसार, पूर्व एसडीपीओ गौतम कुमार के आवास पर घरेलू कार्य करने वाली महिला के नाम पर कुछ संपत्ति होने की जानकारी ईओयू को मिली है। इसी आधार पर टीम महिला की भूमिका और संपत्ति के स्रोत की जांच कर रही है। मामले में यह भी संभावना जताई जा रही है कि महिला से जल्द ही पूछताछ की जा सकती है। वहीं, ईओयू टीम से संपर्क करने पर अधिकारियों ने जांच का हवाला देते हुए किसी भी प्रकार की जानकारी देने से परहेज किया। बताया जा रहा है कि जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। गौरतलब है कि आय से अधिक संपत्ति के मामले में पूर्व एसडीपीओ गौतम कुमार के खिलाफ ईओयू की जांच जारी है। जांच के दौरान घरेलू कामगार महिला का नाम सामने आने के बाद अब इस मामले में नए तथ्य उजागर होने की संभावना है, जिससे पूर्व एसडीपीओ की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

☞ **किशनगंज में EOU की जांच तेज, एसडीपीओ गौतम कुमार की संपत्ति खंगालने डीटीओ कार्यालय पहुंची टीम** :- किशनगंज। आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) की तीन सदस्यीय टीम 04 अप्रैल को किशनगंज पहुंचकर पूर्व एसडीपीओ (वन) गौतम कुमार की संपत्ति की जांच में जुट गई। टीम ने सबसे पहले जिला परिवहन कार्यालय (डीटीओ) का दौरा किया, जहां गौतम कुमार एवं उनके परिजनों के नाम पर पंजीकृत वाहनों से संबंधित रिकॉर्ड खंगाले गए। जांच के दौरान टीम ने वाहनों की खरीद-बिक्री, स्वामित्व, पंजीकरण तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों की विस्तृत जानकारी जुटाई। अधिकारियों से भी पूछताछ कर संबंधित अभिलेखों की जांच की गई। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति मामले में चल रही ईओयू की जांच का हिस्सा है। गौरतलब है कि गौतम कुमार, जो पहले किशनगंज में एसडीपीओ (वन) के पद पर तैनात थे, उन्हें हाल ही में पद से हटा दिया गया है। उनकी संपत्ति को लेकर विजिलेंस और आर्थिक अपराध इकाई दोनों स्तरों पर जांच चल रही है। ईओयू की पूर्व छापेमारी में गौतम कुमार के विभिन्न ठिकानों से करोड़ों रुपये की आय से अधिक संपत्ति से जुड़े दस्तावेज बरामद किए गए थे। छापेमारी के दौरान नकदी, सोने-चांदी के आभूषण, महंगी गाड़ियां तथा कई भूखंडों के कागजात मिलने की बात सामने आई थी। प्रारंभिक जांच में उनकी ज्ञात आय से करीब 60 प्रतिशत अधिक संपत्ति का खुलासा हुआ था। डीटीओ कार्यालय के बाद टीम ने जिले के अन्य स्थानों का भी दौरा किया तथा संबंधित अधिकारियों से पूछताछ की। जांच के दौरान गौतम कुमार की पत्नी, सास और अन्य परिजनों के नाम पर भी संपत्तियां होने की बात सामने आई है। सूत्रों के अनुसार, ईओयू टीम ने अपनी जांच से संबंधित रिपोर्ट पटना मुख्यालय को सौंप दी है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई किए जाने की संभावना जताई जा रही है।●

सीमांचल में फर्जी आधार कार्ड का जाल

● धर्मेन्द्र सिंह

सीमांचल क्षेत्र में फर्जी आधार कार्ड बनाने का संगठित नेटवर्क लगातार गहराता जा रहा है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के अधिकृत आधार केंद्रों से मिले एक्सेस, क्लोन फिंगरप्रिंट और रिमोट सॉफ्टवेयर के जरिए सीमावर्ती जिलों में बड़े पैमाने पर फर्जी आधार कार्ड तैयार किए जा रहे हैं। इस नेटवर्क का इस्तेमाल बैंक खाते खोलने से लेकर सरकारी योजनाओं का लाभ लेने तक किया जा रहा है, जिससे सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था दोनों के लिए गंभीर चुनौती खड़ी हो गई है। इसी कड़ी में किशनगंज पुलिस ने हाल ही में एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश कर बड़ी सफलता हासिल की है। टेढ़ागाछ थाना क्षेत्र में की गई छापेमारी में गिरोह के सरगना को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में फर्जी दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए गए हैं।

❖ **गांव-गांव में फैल चुका है नेटवर्क :-** जांच में सामने आया कि सीमांचल के किशनगंज जिले के ग्रामीण इलाकों में किराना दुकान, साइबर कैफे, फोटोस्टेट दुकान और छोटे-छोटे केंद्रों से यह अवैध कारोबार संचालित किया जा रहा था। सूत्रों के अनुसार, बंगाल, नेपाल और बांग्लादेश से सटे इलाकों में सक्रिय गिरोह लोगों को 'सही आधार कार्ड' बनाने का झांसा देकर दो हजार से दस हजार रुपये तक वसूलते थे। इन कार्डों का इस्तेमाल बैंक खाता खोलने, सरकारी योजनाओं का लाभ लेने और पहचान प्रमाण के रूप में किया जा रहा था।

❖ **ऐसे तैयार होता था फर्जी आधार कार्ड:-**

☞ पुलिस अनुसंधान में कई चौंकाने वाले तरीके सामने आए।

☞ यूपी और पश्चिम बंगाल के अधिकृत आधार सेंटर से लॉगिन एक्सेस लिया जाता था।

☞ सेंटर संचालक फिंगरप्रिंट का क्लोन उपलब्ध कराते थे।

☞ एनीडेस्क जैसे रिमोट सॉफ्टवेयर के माध्यम से दूर बैठकर आधार बनाया जाता था।

☞ फर्जी निवास और जन्म प्रमाण पत्र तैयार किए जाते थे।

☞ स्कूल प्रधानाध्यापक, सरपंच और अन्य अधिकारियों की नकली मुहर का उपयोग होता था।

☞ आधार बनाने के लिए फिंगरप्रिंट लेकर उसे सिस्टम में दर्ज किया जाता था।

इस तरह तैयार आधार कार्ड पूरी तरह वास्तविक दिखाई देता था और सामान्य सत्यापन में पकड़ में नहीं आता था।

❖ **पुलिस की छापेमारी में बड़ा खुलासा :-** पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार को सूचना मिली थी कि टेढ़ागाछ क्षेत्र में फर्जी दस्तावेज तैयार किए जा रहे हैं। इसके बाद एसडीपीओ-2 मंगलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। 02 अप्रैल को ग्राम बुलजागिर वार्ड संख्या-5 स्थित एक किराना दुकान में छापेमारी कर मनोहर कुमार शर्मा को गिरफ्तार किया गया।

❖ **छापेमारी में बरामद सामग्री :-** लैपटॉप, मॉनिटर, प्रिंटर आईरिस स्कैनर और फिंगर स्कैनर, कैमरा और लैमिनेशन मशीन, आधार, पैन और एटीएम कार्ड, बैंक पासबुक और चेकबुक, पंचायत और स्कूल की नकली मुहर, फर्जी जन्म, जाति और निवास प्रमाण पत्र, 400 से अधिक लोगों के दस्तावेज। पुलिस ने सभी सामग्री जब्त कर टेढ़ागाछ थाना कांड संख्या 112/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता और आईटी एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया है।

❖ **पहले भी हो चुकी है कार्रवाई :-**

☞ 7 जून 2025 जियापोखर में अशराफुल गिरफ्तार।

☞ 22 अगस्त 2025-गर्बनडांगा में अजय कुमार साह गिरफ्तार।

☞ 14 जनवरी 2026-ठाकुरगंज में यूपी एटीएस ने अरमान को पकड़ा।

☞ 02 अप्रैल 2026-टेढ़ागाछ में अंतरराज्यीय गिरोह का खुलासा।

इन मामलों से साफ है कि गिरोह का नेटवर्क लगातार सक्रिय रहा है।

❖ **सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा :-** सीमांचल क्षेत्र बांग्लादेश और नेपाल सीमा से सटा हुआ है। ऐसे में फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल घुसपैठ और अन्य अवैध गतिविधियों में भी होने की आशंका बढ़ जाती है। कई मामलों में फर्जी आधार कार्ड के साथ संदिग्ध लोगों को पकड़ा भी जा चुका है।

❖ **पुलिस और प्रशासन अलर्ट :-** एसडीपीओ मंगलेश कुमार सिंह ने बताया कि यूपी और बंगाल से मिलने वाले एक्सेस के आधार पर फर्जी आधार कार्ड बनाए जा रहे थे। गिरोह में शामिल अन्य राज्यों के लोगों की पहचान की जा रही है। वहीं सदर एसडीओ अनिकेत कुमार ने कहा कि फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर आधार कार्ड बनाने के मामले गंभीर हैं और प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

❖ **विशेष टीम ने की कार्रवाई :-** गिरोह के उद्भेदन में प्रभारी एसपी जितेंद्र कुमार, डीएसपी अशोक कुमार, साइबर डीएसपी रविशंकर, टेढ़ागाछ थानाध्यक्ष इजहार आलम सहित कई पुलिस अधिकारी शामिल थे।

❖ **अभियान जारी :-** पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार ने कहा कि अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। उन्होंने लोगों से संदिग्ध गतिविधियों की सूचना डायल-112 पर देने की अपील की है। सीमांचल में फर्जी दस्तावेजों का यह नेटवर्क प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। हालांकि हालिया कार्रवाई से गिरोह में हड़कंप मचा है, लेकिन जांच एजेंसियों के सामने अब भी पूरे नेटवर्क को खत्म करना बड़ी चुनौती बना हुआ है।●

आय से अधिक संपत्ति में घिरे थानाध्यक्ष

● **धर्मेन्द्र सिंह**

किशनगंज सदर थाना के तत्कालीन थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार रंजन आय से अधिक संपत्ति के मामले में आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) की बड़ी कार्रवाई के घेरे में आ गए हैं। 14 अप्रैल की सुबह 8:30 बजे शुरू हुई छापेमारी देर शाम तक जारी रही, जिसमें बिहार और पश्चिम बंगाल के पांच ठिकानों पर एक साथ तलाशी ली गई। यह कार्रवाई आर्थिक अपराध इकाई थाना कांड संख्या 05/26, दिनांक 13 अप्रैल 2026 के तहत की गई है, जिसमें भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 13(2) सहपठित धारा 13(1)(बी) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

प्राथमिकी के अनुसार, अभिषेक कुमार रंजन पर अपनी ज्ञात आय से 115.66 प्रतिशत अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। जांच में अब तक 2 करोड़ 9 लाख 36 हजार 300 रुपये की परिसंपत्ति अर्जन के साक्ष्य मिले हैं, जबकि उनकी कुल आय 1 करोड़ 47 लाख 17 हजार रुपये बताई गई है। खर्च घटाने के बाद भी 1 करोड़ 70 लाख 22 हजार रुपये की अतिरिक्त संपत्ति अर्जन का आरोप सामने आया है।

☞ **पांच शहरों में फैला संपत्ति का जाल :-** ईओयू की छापेमारी में अभिषेक रंजन की संपत्ति कई शहरों

में फैली होने की जानकारी सामने आई है।

☞ **पटना में चार मंजिला आलीशान मकान :-** पटना के रामकृष्णा नगर स्थित लगभग 2200 वर्ग फीट जमीन पर बने G+3 चार मंजिला मकान की तलाशी ली गई। यह भवन 2023-24 में बनाया गया बताया गया है, जिसकी अनुमानित लागत 2 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है।

☞ **छपरा में दूसरा मकान :-** सारण जिले के प्रभुनाथ नगर में 1400 वर्ग फीट जमीन पर वर्ष 2019 में निर्मित मकान भी जांच के दायरे में आया। इस भवन के निर्माण में लगभग 30 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है।

☞ **पैतृक गांव में निर्माणाधीन भवन :-** सारण के पैगा सदर स्थित पैतृक गांव में दो मंजिला मकान का निर्माण जारी मिला, जिस पर लगभग 50 लाख रुपये खर्च होने की संभावना जताई गई है।

☞ **सिलिगुड़ी में महंगी जमीन, 84 लाख नकद भुगतान :-** छापेमारी के दौरान सिलिगुड़ी के दार्जिलिंग रोड पर छह कट्ठा जमीन खरीदने के साक्ष्य मिले। यह जमीन 17 लाख रुपये प्रति कट्ठा की दर से खरीदी गई। जांच में यह भी सामने आया कि जमीन खरीद में 84 लाख रुपये नकद भुगतान किया गया, जिसकी जांच जारी है।

☞ **मुजफ्फरपुर में कम मूल्य पर जमीन रजिस्ट्री** :- मुजफ्फरपुर के अहियापुर थाना क्षेत्र के चंदवारा में 2015 में तीन कट्ठा जमीन खरीदी गई थी। इस जमीन की वास्तविक कीमत लाखों में बताई गई, लेकिन निबंधन मूल्य केवल 4 लाख रुपये दर्शाया गया, जिससे जांच एजेंसी को संदेह हुआ है।

☞ **बैंक खातों, निवेश और खर्च की भी जांच** :- तलाशी के दौरान अभिषेक रंजन और उनकी पत्नी अंकिता कुमारी के बैंक खातों में 8.5 लाख रुपये नकद जमा मिले। इसके अलावा-जीवन बीमा में लगभग 1 लाख रुपये वार्षिक निवेश। म्यूचुअल फंड और शेयर में करीब 20 लाख रुपये निवेश सिलिगुड़ी के डीपीएस में पुत्र के नामांकन पर 2.5 लाख रुपये खर्च। जांच एजेंसी अब इन निवेशों के स्रोत की भी पड़ताल कर रही है।

☞ **विलासितापूर्ण जीवन शैली भी जांच के घेरे में** :- जांच में यह भी सामने आया कि अभिषेक रंजन महंगे मोबाइल फोन और आलीशान जीवनशैली के शौकीन हैं। जनवरी महीने में वे परिवार सहित बागडोगरा से मुंबई की हवाई यात्रा पर गए और पांच दिनों तक मुंबई के पांच सितारा होटल ष्द ताजष् में ठहरे। इस यात्रा में हुए खर्च की भी जांच की जा रही है।

☞ **20 करोड़ से अधिक निवेश की आशंका** :- सूत्रों के अनुसार जांच में यह भी जानकारी मिली है कि सिलिगुड़ी सेवक रोड पर फ्लैट 6 से 7 ट्रक खरीदने की सूचना मुजफ्फरपुर कांटी क्षेत्र में निवेश

☞ **जमीन सिंडिकेट में बड़ी रकम** :- बताया जा रहा है कि इन निवेशों की कुल राशि 20 करोड़ रुपये से अधिक हो सकती है, जिनमें कई संपत्तियां बेनामी होने की आशंका जताई जा रही है।

☞ **माफिया कनेक्शन की भी जांच** :- ईओयू को यह भी जानकारी मिली है कि किशनगंज में पदस्थापन के दौरान बालू माफिया, एंट्री माफिया, शराब तस्करों और अन्य अवैध कारोबार से जुड़े तत्वों से उनकी कथित साठगांठ थी। इन सभी पहलुओं की गहराई से जांच की जा रही है।

☞ **जांच जारी, और खुलासों की संभावना** :- आर्थिक अपराध इकाई की टीम अब दस्तावेजों, बैंक खातों और संपत्तियों से जुड़े साक्ष्यों का विश्लेषण कर रही है। तलाशी अभियान देर शाम तक जारी रहा और आने वाले दिनों में और बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, इस मामले में आगे भी नई जानकारी सामने आने पर विस्तृत रिपोर्ट जारी की जाएगी।●

अवैध मिट्टी खनन पर बड़ी कार्रवाई

● **धर्मेन्द्र सिंह**

किशनगंज में अवैध मिट्टी खनन के खिलाफ जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खनन माफियाओं को करारा झटका दिया है। जिलाधिकारी विशाल राज और पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत खनन विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर 17 ट्रैक्टर जब्त किए और 18 लाख 56 हजार 400 रुपये का भारी जुर्माना लगाया। यह कार्रवाई इस बात का संकेत है कि अब जिले में अवैध खनन करने वालों के लिए हालात आसान नहीं रहने वाले हैं। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाने और पर्यावरण को प्रभावित करने वाले ऐसे कारोबार पर सख्ती जारी रहेगी।

☞ **गुप्त सूचना पर हुई त्वरित कार्रवाई** :- खनन विभाग को सूचना मिली थी कि किशनगंज थाना क्षेत्र के जुलजुली गांव स्थित बाल सुधार गृह के समीप बड़े पैमाने पर अवैध मिट्टी खनन किया जा रहा है। सूचना मिलते ही खान निरीक्षक सुनील कुमार और सदर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने इलाके में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान मौके पर अफरा-तफरी मच गई। कई ट्रैक्टर चालक वाहन छोड़कर भागने लगे, लेकिन टीम ने कार्रवाई करते हुए 17 ट्रैक्टरों को जब्त कर लिया। इनमें 12 ट्रैक्टर मिट्टी लदे हुए थे, जबकि 5 ट्रैक्टर खाली अवस्था में मिले, जो अवैध खनन में शामिल होने की आशंका में जब्त किए गए।

☞ **थाना में दर्ज हुआ मामला, भारी जुर्माना** :- जब्त किए गए सभी ट्रैक्टरों को किशनगंज थाना लाकर सुरक्षित रखा गया है। प्रशासन ने ट्रैक्टर मालिकों और चालकों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली है। साथ ही सभी वाहनों पर कुल 18 लाख 56 हजार 400 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि

जुर्माना वसूली की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और आगे की कानूनी कार्रवाई भी जारी है।

☞ **प्रशासन की सख्त चेतावनी :-** प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन और मिट्टी के अवैध परिवहन को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संबंधित अधिकारियों ने बताया कि ऐसे मामलों में शामिल लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है और लगातार अभियान चलाकर अवैध खनन पर रोक लगाने की रणनीति बनाई गई है।

☞ **पर्यावरण और राजस्व पर पड़ता है असर :-** विशेषज्ञों के अनुसार, अवैध मिट्टी खनन से न केवल सरकारी राजस्व का नुकसान होता है बल्कि पर्यावरण को भी गंभीर खतरा पैदा होता है। नदियों और जमीन के प्राकृतिक स्वरूप में बदलाव से बाढ़, भूमि धंसाव और जल स्तर में गिरावट जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। ग्रामीण इलाकों में खेतों और सड़क किनारे मिट्टी कटाव से भविष्य में बड़ी परेशानी खड़ी हो सकती है।

☞ **एक्शन मोड में प्रशासन :-** जिला प्रशासन की इस कार्रवाई से अवैध खनन में शामिल लोगों में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में जिले के अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में भी विशेष अभियान चलाया जाएगा। किशनगंज में अवैध खनन के खिलाफ प्रशासन की यह कार्रवाई एक मजबूत संदेश है-अब अवैध कारोबार करने वालों पर सख्त निगरानी और त्वरित कार्रवाई दोनों जारी रहेंगी।●

पवना नदी में अवैध खनन से किसका फायदा?

● **फरीद अहमद**

किशनगंज जिले के पौआखाली थाना क्षेत्र के पवना से होकर बहने वाली बूढ़ी कनकई नदी से अवैध बालू खनन का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। लगातार मिल रही जानकारी के अनुसार यहां नियम-कानून को दरकिनार कर दिन-रात बालू का उत्खनन किया जा रहा है, जिससे सरकारी राजस्व को भारी नुकसान पहुंच रहा है।

स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि खनन के बाद बालू को खुलेआम पौआखाली नगर बाजार के रास्ते ढोया जा रहा है। परिवहन में ऐसे ट्रैक्टर-ट्रॉली का इस्तेमाल हो रहा है जिनमें अनिवार्य जीपीएस प्रणाली नहीं लगी है, जो स्पष्ट

रूप से नियमों का उल्लंघन है। गांव के एक निवासी ने पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि पहले भी इस तरह के मामलों में कार्रवाई हुई थी, लेकिन उसका असर ज्यादा दिन नहीं टिक पाया। अब स्थिति यह है कि अवैध खनन से जुड़े लोगों का मनोबल और बढ़ गया है और वे बिना किसी डर के खुलेआम काम कर रहे हैं। सूत्रों का यह भी दावा है कि इस धंधे से जुड़े कुछ लोग कम समय में आर्थिक रूप से काफी मजबूत हो गए हैं और उनके पास कई वाहन भी हो गए हैं। सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि इस अवैध खनन से आखिर किन-किन लोगों को फायदा मिल रहा है और किसके संरक्षण में यह कारोबार चल रहा है? इसे लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। उच्च स्तरीय जांच की आवश्यकता है ताकि पूरे नेटवर्क का खुलासा हो सके।●

बीच नाले में खड़ा छोड़ दिया बिजली का पोल

● **फरीद अहमद**

नगर पंचायत पौआखाली में चल रहे नाला निर्माण कार्य के दौरान एक गंभीर लापरवाही उजागर हुई है। निर्माण एजेंसी ने बिजली का पोल हटाए बिना ही नाले की ढलाई कर दी, जिससे अब पोल नाले के ठीक बीच में खड़ा रह गया है। मौके की स्थिति देखने पर साफ पता चलता है कि नाले के दोनों किनारों और तल में कंक्रीट डाला गया, लेकिन बीच में मौजूद बिजली के पोल को नजरअंदाज कर दिया गया। इस कारण न केवल नाले की संरचना प्रभावित हुई है, बल्कि भविष्य में जल निकासी भी बाधित हो सकती है। लोगों का कहना है कि इस तरह की लापरवाही से बरसात के समय पानी का बहाव रुक सकता है और पोल के आसपास जलजमाव की स्थिति बन सकती है। साथ ही, अगर आगे चलकर पोल को हटाने या मरम्मत की जरूरत पड़ी, तो पूरे नाले को नुकसान पहुंच सकता है। लोगों ने इस कार्य को जनता के पैसे की बर्बादी बताते हुए जिम्मेदारों पर कार्रवाई की

मांग की है। वहीं, उप मुख्य पार्षद प्रतिनिधि अबूनसर आलम ने भी नाराजगी जताते हुए कहा कि पहले पोल हटाया जाना चाहिए था, उसके बाद निर्माण कार्य होना चाहिए था। इससे ज्यादा भ्रष्ट और क्या होगा। अब देखना होगा कि संबंधित विभाग इस लापरवाही पर क्या कदम उठाता है और जिम्मेदारों के खिलाफ क्या कार्रवाई होती है।●

नगर पंचायत में विकास कार्यों पर उठे सवाल

● धर्मेंद्र सिंह/ फरीद अहमद

नगर पंचायत ठाकुरगंज में विकास कार्यों को लेकर एक बार फिर वित्तीय अनियमितता के गंभीर आरोप सामने आए हैं। वार्ड संख्या-9 में बिना सड़क निर्माण के ही करीब चार लाख रुपये से अधिक की राशि निकासी का मामला उजागर होने के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। इस मामले को लेकर आम लोगों से लेकर जनप्रतिनिधियों तक में नाराजगी देखी जा रही है और जांच की मांग तेज हो गई है। जानकारी के अनुसार, वार्ड संख्या-9 में सड़क निर्माण कार्य कागजों पर पूर्ण दिखाकर भुगतान कर दिया गया, जबकि जमीनी स्तर पर सड़क निर्माण नहीं होने का आरोप लगाया जा रहा है। इस कथित अनियमितता को लेकर संबंधित अधिकारियों और एजेंसी पर गबन के आरोप भी लगने लगे हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर एक कथित कॉल रिकॉर्डिंग वायरल होने के बाद मामला और तूल पकड़ गया है। वायरल ऑडियो में एक पत्रकार द्वारा सहायक अभियंता सह अभिकर्ता से सवाल पूछे जाने पर जवाब में "ऑन पेपर" कार्य होने की बात कही जा रही है। ऑडियो में अन्य लोगों की भूमिका का भी संकेत दिया गया है। हालांकि, इस वायरल रिकॉर्डिंग की अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। इस पूरे मामले को लेकर भाजपा जिला प्रवक्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता कौशल किशोर यादव ने 9 अप्रैल 2026 को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर नगर पंचायत ठाकुरगंज में बीते तीन वर्षों के सभी विकास कार्यों की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि सड़क निर्माण के अलावा जल-नल योजना, सफाई व्यवस्था और राजस्व हाट निर्माण जैसे कई कार्यों में भी अनियमितता हुई है। प्रेस विज्ञप्ति में आरोप लगाया गया है कि कई स्थानों पर बिना प्राक्कलन और सूचना पट्ट लगाए कार्य कराए गए, जो नियमों का उल्लंघन है। वहीं जल-नल योजना में नियमित पानी आपूर्ति नहीं होने के बावजूद हर महीने भुगतान होने की बात कही गई है। सफाई व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। आरोप है कि एजेंसी को भुगतान होने के बावजूद सफाई कार्य संतोषजनक नहीं है। नाला निर्माण से जुड़े करोड़ों रुपये के कार्यों की निविदा बार-बार रद्द होने पर भी सवाल उठाए गए हैं। इससे पारदर्शिता पर संदेह गहराने की बात कही जा रही है। गौर करे कि वार्ड नम्बर-09 सड़क निर्माण मामले के सामने आने के बाद स्थानीय लोगों ने पूरे नगर पंचायत में हुए विकास कार्यों की जांच कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते जांच नहीं हुई तो बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितता का खुलासा हो सकता है। फिलहाल, मामले को लेकर प्रशासन की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन बढ़ते विवाद के बीच उच्चस्तरीय जांच की मांग तेज होती जा रही है। ●

कार्यालय नगर पंचायत,ठाकुरगंज।

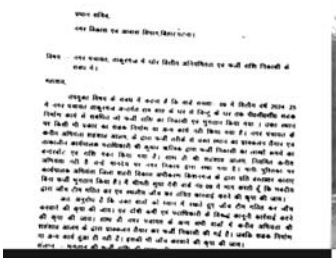

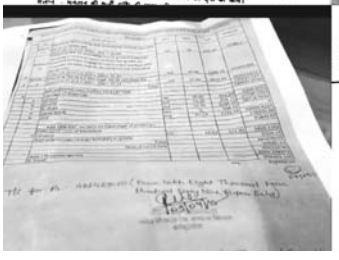

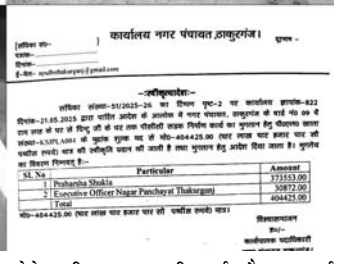

SL No	Particular	Amount
1	Praharsha Shukla	373553.00
2	Executive Officer Nagar Panchayat Thakurganj	30872.00
	Total	404425.00

● फरीद अहमद

ट्रक सहित मवेशी जब्त

किशनगंज जिला के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत पौआखाली थाना क्षेत्र में 1 अप्रैल को पौआखाली थानाध्यक्ष अंकित सिंह से दल-बल के साथ कार्रवाई में बड़ी सफलता हासिल करते हुए मवेशियों की अवैध तस्करी के प्रयास को विफल कर दिया है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में एक क्ब्ड वाहन से क्रूरतापूर्वक लादे गए 28 मवेशियों को बरामद किया गया है। जब्त मवेशियों में 13 गाय और 15 गाय के बच्चे बतायें जा रहे हैं।

☞ **क्या है पूरा मामला? :-** मिली जानकारी के अनुसार, पौआखाली पुलिस को सूचना मिली थी कि एक DCM वाहन के जरिए मवेशियों को अवैध रूप से ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम द्वारा वाहन में तलाशी लेने पर वाहन के अंदर 28 मवेशियों को अत्यंत ही दयनीय और क्रूर परिस्थितियों में ठूंस-ठूंस कर भरा पाया गया। पुलिस ने मौके से ही वाहन को जब्त कर लिया है और दो लोगों को हिरासत में ले लिया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान चालक सुरेश महतो और उपचालक मो. सोहेल के रूप में हुई है। पूछताछ में पता चला है कि दोनों आरोपी सिलीगुड़ी (पश्चिम बंगाल) के रहने वाले हैं। थानाध्यक्ष अंकित सिंह ने बताया कि कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज कर ली गई। जिसका कांड संख्या 47/26 है। ●

ठाकुरगंज सीएचसी विवाद

साजिश या सिस्टम की खामियां?

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज जिले के ठाकुरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का विवाद अब एक प्रशासनिक कार्रवाई के नए मोड़ पर पहुंच गया है। लंबे समय से आरोपों और विरोध के बीच प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अखलाकुर रहमान को पद से हटा दिया गया है। हालांकि यह कार्रवाई जांच रिपोर्ट आने से पहले हुई है, जिससे अब पूरे मामले को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, डॉ. अखलाकुर रहमान को प्रभारी पद से हटाकर डॉ. तेज नारायण रजक को ठाकुरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का नया प्रभारी बनाया गया है। डॉ. रजक वर्तमान में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दिघलबैंक में पदस्थापित हैं और उन्हें अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। साथ ही डॉ. रहमान को दो दिनों के भीतर प्रभार हस्तांतरित करने का निर्देश दिया गया है।

☞ **आरोपों से शुरू हुआ विवाद, विरोध में उतरे स्वास्थ्य कर्मी :-** पूरा विवाद उस समय शुरू हुआ जब ठाकुरगंज सीएचसी में कार्यरत 29 से अधिक एएनएम, सीएचओ और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने डॉ. अखलाकुर रहमान पर गंभीर आरोप लगाए। इन आरोपों में मानसिक उत्पीड़न, आर्थिक शोषण, प्रोत्साहन राशि में हिस्सेदारी की मांग, देर रात वीडियो कॉल कर परेशान करना और छुट्टियों को लेकर दबाव बनाना शामिल था।

स्वास्थ्य कर्मियों ने जिलाधिकारी विशाल राज स्थानीय विधायक गोपाल कुमार अग्रवाल और मंत्री डॉक्टर दिलीप कुमार जायसवाल और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को अलग-अलग आवेदन देकर मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की थी। आरोपों के बाद स्वास्थ्य कर्मियों ने अस्पताल परिसर में प्रदर्शन किया और कार्य बहिष्कार की चेतावनी तक दे दी।

जाँच अधिकारी

☞ **वायरल चौट और कॉल रिकॉर्डिंग ने बढ़ाई गंभीरता :-** मामले ने उस समय और तूल पकड़ लिया जब सोशल मीडिया पर कथित व्हाट्सएप चौट और कॉल रिकॉर्डिंग वायरल होने लगी। "पेमेंट आ गया, कितना दोगे?" जैसे संदेशों ने पूरे स्वास्थ्य महकमे में हलचल पैदा कर दी। हालांकि इन वायरल सामग्रियों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी, लेकिन जांच टीम को डिजिटल साक्ष्य उपलब्ध कराए जाने की बात सामने आई। महिला स्वास्थ्य कर्मियों ने यह भी आरोप लगाया कि जो कर्मचारी पैसे देने से इनकार करते हैं, उन्हें प्रशासनिक स्तर पर प्रताड़ित किया जाता है और छुट्टियां भी रोक दी जाती हैं। वहीं कुछ कर्मियों ने अनुचित व्यवहार और दबाव बनाने के भी आरोप लगाए।

☞ **मंत्री से लेकर कमिश्नरी तक पहुंचा मामला :-** मामले की गंभीरता को देखते हुए

स्वास्थ्य विभाग ने तीन सदस्यीय जांच टीम का गठन किया। इसके बाद पूर्णिया कमिश्नरी स्तर से भी जांच शुरू की गई। डिप्टी डायरेक्टर रघुवर प्रसाद ने ठाकुरगंज पहुंचकर स्वास्थ्य कर्मियों के बयान दर्ज किए और संबंधित दस्तावेजों की जांच की। जांच के दौरान यह आरोप भी सामने आया कि प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सप्ताह में केवल तीन दिन ही ठाकुरगंज में रहते थे और बाकी समय पूर्णिया स्थित निजी अस्पताल में कार्य करते थे। इसकी भी जांच की मांग की गई है।

☞ **आरोपों से इनकार, साजिश का दावा :-** दूसरी ओर, डॉ. अखलाकुर रहमान ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए उन्हें साजिश करार दिया है। उनका कहना है कि कार्य में सख्ती बरतने के कारण कुछ कर्मचारी असंतुष्ट हैं और उनकी छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि सच्चाई सामने आने पर आरोप स्वत: खारिज हो जाएंगे।

सेवा में,

माननीय श्री दिलीप कुमार जायसवाल
मंत्री
उद्योग एवं पथ निर्माण विभाग
बिहार सरकार।

विषय:- डॉ. अखलाकुर रहमान, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ठाकुरगंज के द्वारा घुस लेने मानसिक एवं शारीरिक प्रताड़ना करने के संबंध में।

महाशय,

उपरोक्त विषय के संबंध में कहना है कि डॉ. अखलाकुर रहमान, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ठाकुरगंज के द्वारा हमलोगों को जो Incentive की राशि से घुस तो लिया ही जाता है लेकिन Salary से भी घुस की मॉग की जा रही है। जबकि खुद प्रभारी सप्ताह में तीन दिन ही (सोमवार,मंगलवार एवं बुधवार) ठाकुरगंज में रहते है एवं तीन दिन फातिमा निजि अस्पताल, पूर्णिया में काम करते है। इसकी जॉच पिछले तीन महिनों का इनके मोबाईल का लोकेशन से ट्रेस किया जा सकता है। प्रभारी महोदय के द्वारा हमेशा धमकी दे दिया जाता है कि पैसा तो देना ही होगा नही तो CL/SL स्वीकृत नही करेंगे जहाँ जाना है जाओ Complain करना है करो कुछ नही होने वाला है। सभी पदाधिकारीयों से Setting है।

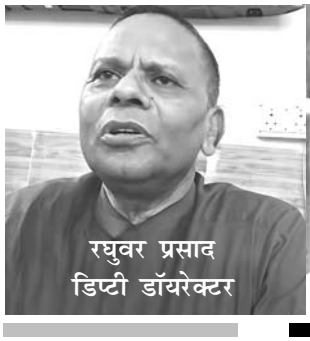

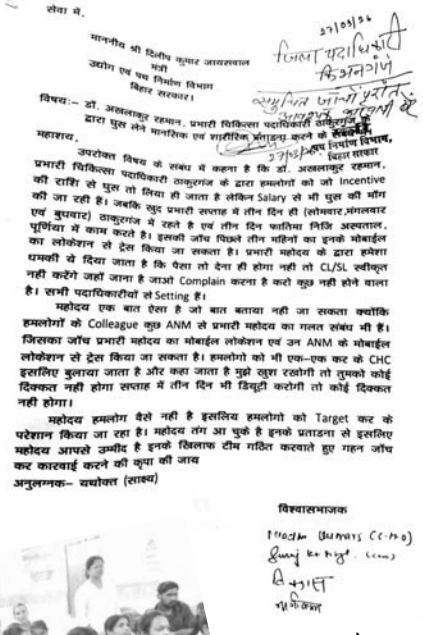

महोदय एक बात ऐसा है जो बात बताया नही जा सकता क्योंकि हमलोगों के Colleague कुछ ANM से प्रभारी महोदय का गलत संबंध भी है। जिसका जॉच प्रभारी महोदय का मोबाईल लोकेशन एवं उन ANM के मोबाईल लोकेशन से ट्रेस किया जा सकता है। हमलोगो को भी एक-एक कर के CHC इसलिए बुलाया जाता है और कहा जाता है मुझे खुश रखोगी तो तुमको कोई दिक्कत नही होगा सप्ताह में तीन दिन भी डियूटी करोगी तो कोई दिक्कत नही होगा।

महोदय हमलोग वैसे नही है इसलिय हमलोगो को Target कर के परेशान किया जा रहा है। महोदय तंग आ चुके है इनके प्रताड़ना से इसलिए महोदय आपसे उम्मीद है इनके खिलाफ टीम गठित करवाते हुए गहन जॉच कर कारवाई करने की कृपा की जाय

अनुलग्नक- यथोक्त (साक्ष्य)

विश्वासभाजक

☞ **जांच के दौरान प्रभारी बने रहे, अब हटाए गए :-** गौरतलब है कि गंभीर आरोपों और जांच प्रक्रिया के बावजूद डॉ. अखलाकुर रहमान कुछ दिनों तक प्रभारी पद पर बने रहे थे, जिससे स्वास्थ्य कर्मियों में नाराजगी भी देखी गई। अब उन्हें पद से हटाए जाने के बाद मामला नए चरण में पहुंच गया है। हालांकि विभागीय स्तर पर यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि यह कार्रवाई जांच के आधार पर की गई है या प्रशासनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए अस्थायी कदम के रूप में उठाई गई है।

कार्यालय: असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, किशनगंज।

पत्रांक- 1075
दिनांक- 02/04/2026

आदेश

डा0 अखलाकुर रहमान, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द, ठाकुरगंज के पत्रांक-334, दिनांक-01.04.2026 के आलोक मे स्वास्थ्य विभागीय परिपत्र सं0-896(2), दिनांक-08.06.1976 के द्वारा प्रदत्त शक्तियो का उपयोग करते हुए कोषागार संहिता 2011 के नियम 84 के आलोक मे तत्काल डा0 तेज नारायण रजक, चिकित्सा पदाधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द, दिघलबैंक, किशनगंज को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द, ठाकुरगंज का प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी घोषित करते हुए निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी की शक्तियाँ प्रदान की जाती है।

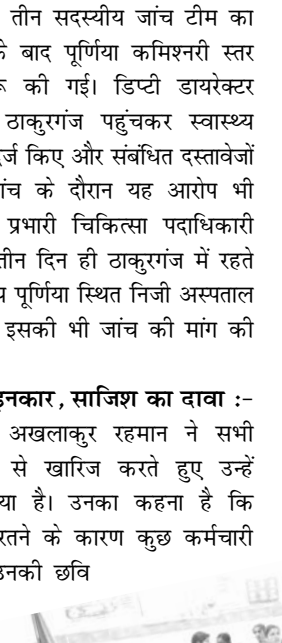

डा0 अखलाकुर रहमान, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, ठाकुरगंज को आदेश दिया जाता है कि पत्र निर्गत की तिथि से दो (02) दिनो के अंदर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी का सम्पूर्ण प्रभार डा0 तेज नारायण रजक, चिकित्सा पदाधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द, दिघलबैंक, किशनगंज को सौपना सुनिश्चित करेंगे तथा इससे संबंधित प्रभार प्रतिवेदन की आठ प्रतियाँ अधोहस्ताक्षरी को उपलब्ध करायेंगे। साथ ही अपने मूल पदस्थापित संस्थान यथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द, ठाकुरगंज मे चिकित्सा पदाधिकारी के रूप मे कार्य करेंगे।

यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-
मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, किशनगंज।

ज्ञापांक 1078 /दिनांक- 02/04/2026

प्रतिलिपि: डा0 अखलाकुर रहमान, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द, ठाकुरगंज को सूचनार्थ एवं अनुपालनार्थ कार्यार्थ प्रेषित।
प्रतिलिपि: डा0 तेज नारायण रजक, चिकित्सा पदाधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द, दिघलबैंक को सूचनार्थ एवं अनुपालनार्थ प्रेषित।
प्रतिलिपि: प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द, दिघलबैंक को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।
प्रतिलिपि: कोषागार पदाधिकारी, किशनगंज को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।
प्रतिलिपि: क्षेत्रीय अपर निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएँ, पूर्णियाँ प्रमंडल, पूर्णियाँ को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
प्रतिलिपि: जिला पदाधिकारी, किशनगंज को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
प्रतिलिपि: सरकार के अवर सचिव, स्वास्थ्य विभाग, बिहार, पटना को सादर सूचनार्थ प्रेषित।

असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-
मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, किशनगंज।

☞ **जांच रिपोर्ट पर टिकी निगाहें :-** अब पूरे जिले की निगाहें जांच रिपोर्ट पर टिकी हुई हैं। आरोपों में सच्चाई है या यह किसी साजिश का हिस्सा-इसका खुलासा जांच रिपोर्ट के बाद ही होगा। स्वास्थ्य कर्मियों का कहना है कि यदि आरोप सिद्ध होते हैं तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, वहीं दूसरी ओर कई लोग यह भी मान रहे हैं कि निष्पक्ष जांच के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित होगा। फिलहाल, ठाकुरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नए प्रभारी के कार्यभार संभालने की तैयारी चल रही है, जबकि पूर्व प्रभारी के खिलाफ जांच जारी है। आने वाले दिनों में जांच रिपोर्ट इस पूरे मामले की दिशा और दशा दोनों तय करेगी।●

रघुवर प्रसाद
डिप्टी डॉयरेक्टर

अनुपमा ठाकुर, मुखिया

दुष्कर्म के बाद हत्या :
राजनीतिक सरगर्मी तेज

● धर्मेन्द्र सिंह

पोठिया प्रखंड के अर्राबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत बालूबाड़ी गांव में विवाहिता की दुष्कर्म के बाद हत्या की घटना से पूरे जिले में सनसनी फैल गई है। मामले को लेकर पुलिस ने जांच तेज कर दी है, वहीं राजनीतिक दलों के नेताओं के दौरे से मामला और गर्म हो गया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए 16 अप्रैल की संध्या पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद वे मृतका के घर पहुंचे और परिजनों से मुलाकात कर घटना की विस्तृत जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान एसपी ने ग्रामीणों से पूछताछ की तथा मौके पर मौजूद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-2 सहित अन्य अधिकारियों को मामले का त्वरित उद्भेदन कर आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। जानकारी के अनुसार 15 अप्रैल की देर रात बालूबाड़ी गांव के मक्का खेत में एक महिला का शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली थी।सूचना मिलते ही अर्राबाड़ी थानाध्यक्ष, अंचल पुलिस निरीक्षक ठाकुरगंज एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-2 मौके पर पहुंचे और घटनास्थल को सुरक्षित किया गया। मामले की जांच के लिए एफएसएल टीम को बुलाया गया, जबकि अगले दिन डॉग स्क्वॉड ने भी घटनास्थल की जांच की। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। एसपी संतोष कुमार ने बताया कि मानवीय आसूचना एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच की जा रही है। कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और जल्द ही मामले का खुलासा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ स्पीडी ट्रायल चलाकर कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाएगी। पुलिस ने आमजनों से शांति बनाए रखने और किसी भी सूचना को साझा करने की अपील की है।

☞ **विधायक गोपाल अग्रवाल पहुंचे पीड़ित परिवार के घर :-** घटना के बाद 17 अप्रैल को ठाकुरगंज विधायक गोपाल अग्रवाल पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। उन्होंने परिजनों को न्याय दिलाने का भरोसा देते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। विधायक ने कहा कि जघन्य तरीके से वारदात को अंजाम दिया गया है और दोषियों को ऐसी सजा मिलनी चाहिए जिससे भविष्य में कोई इस तरह की घटना करने का साहस न कर सके। उन्होंने मृतका के

परिजनों को उचित मुआवजा देने तथा मुकदमा लड़ने का पूरा खर्च प्रशासन द्वारा उठाने की मांग भी की। इस दौरान विधायक ने बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे पर भी बड़ा बयान देते हुए कहा कि जहां-जहां घुसपैठियों ने जमीन पर कब्जा किया है, उसे खाली कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को उठाने के कारण उनकी हत्या का प्रयास भी किया जा सकता है, लेकिन वे पीछे हटने वाले नहीं हैं।

☞ **भाजपा नेता शकील अख्तर राही ने दी आंदोलन की चेतावनी :-** पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष सह भाजपा नेता शकील अख्तर राही भी पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। उन्होंने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह जघन्य अपराध है और दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर कड़ी सजा दी जानी चाहिए। उन्होंने पुलिस प्रशासन से 24 घंटे के भीतर गिरफ्तारी की मांग करते हुए कहा कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर वे पटना जाकर मुख्यमंत्री से भी मुलाकात करेंगे और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए हर स्तर पर प्रयास करेंगे।

☞ **अवैध कब्जे को लेकर विधायक का बड़ा दावा :-** इस बीच जदयू विधायक गोपाल कुमार अग्रवाल ने जिले में अवैध कब्जे को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि लगभग 1700 एकड़ जमीन का सर्वे और ट्रेसिंग तैयार किया गया है, जिसे जल्द खाली कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि करीब 3000 एकड़ सरकारी, सैरात और भूदान की जमीन पर अवैध कब्जा है। इसे हटाकर गरीबों, विशेषकर सुरजापुरी मुस्लिम, आदिवासी और दलित परिवारों को जमीन दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

☞ **पुलिस की लगातार छापेमारी :-** घटना के बाद क्षेत्र में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। स्थिति को देखते हुए इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर दोषियों को गिरफ्तार किया जाएगा। इस जघन्य घटना के बाद पूरे जिले में आक्रोश का माहौल है और लोग जल्द न्याय की मांग कर रहे हैं।●

उर्वरक की कालाबाजारी पर प्रशासन की सख्ती

● **फरीद अहमद**

किशनगंज जिला के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत पौआखाली थाना क्षेत्र में मंगलवार को उर्वरक के अवैध भंडारण और कालाबाजारी पर रोक लगाने के उद्देश्य से प्रशासन ने सघन छापेमारी अभियान चलाया। यह कार्रवाई प्रखंड कृषि पदाधिकारी एवं ठाकुरगंज के प्रखंड विकास पदाधिकारी अहमर अब्दाली और पौआखाली थाना प्रभारी अंकित सिंह के नेतृत्व में संयुक्त टीम द्वारा की गई। छापेमारी के दौरान टीम ने क्षेत्र के विभिन्न खाद दुकानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान दुकानों में उपलब्ध उर्वरक के स्टॉक, बिक्री रजिस्टर, लाइसेंस तथा सरकार द्वारा निर्धारित दर सूची की बारीकी से जांच की गई। अधिकारियों ने दुकानदारों को कड़ी चेतावनी देते हुए निर्देश दिया कि बिना वैध कागजात और तय कीमत से अधिक दर पर उर्वरक की बिक्री किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि किसानों को समय पर उचित मूल्य पर खाद उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। यदि किसी भी दुकानदार द्वारा कालाबाजारी, जमाखोरी या अवैध भंडारण की शिकायत मिलती है, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई से क्षेत्र के खाद दुकानदारों में हड़कंप मच गया, वहीं किसानों ने प्रशासन के इस कदम का स्वागत किया। इस संबंध में ठाकुरगंज प्रखंड विकास पदाधिकारी अहमर अब्दाली ने बताया कि ये अभियान लगातार जलाया जायेगा और प्रशासन की इस ओर पैनी नजर है।●

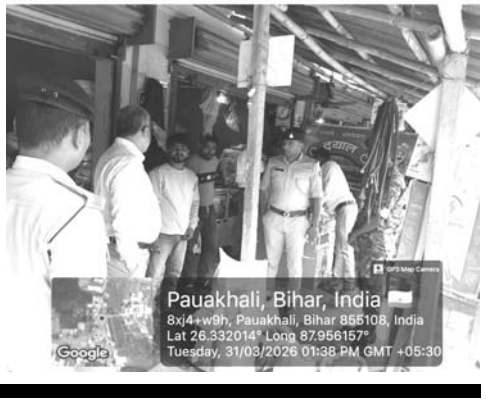

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 के नाम पर 70 लाख का वॉल पेंटिंग घोटाला

● धर्मेन्द्र सिंह

सहरसा जिले के सिमरी बख्तियारपुर नगर परिषद में 'स्वच्छ सर्वेक्षण 2025' के नाम पर वॉल पेंटिंग में बड़े पैमाने पर अनियमितता और फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। आरोप है कि मात्र सात दीवारों पर पेंटिंग कर 70 लाख रुपये का विपत्र तैयार किया गया, जिसमें से 30 लाख रुपये का भुगतान भी कर दिया गया है। शेष राशि की निकासी की तैयारी के बीच नगर परिषद अध्यक्ष ने भुगतान पर रोक लगा दी है। मिली जानकारी के अनुसार नगर परिषद क्षेत्र में शहर को सुंदर बनाने के नाम पर सीमित स्थानों पर वॉल पेंटिंग का कार्य कराया गया, लेकिन इसके एवज में 70 लाख रुपये का बिल तैयार कर भुगतान की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। मामले की जानकारी मिलने पर नगर परिषद अध्यक्ष ने कार्यपालक पदाधिकारी को पत्र लिखकर भुगतान पर रोक लगाने का निर्देश दिया। बावजूद इसके आरोप है कि अध्यक्ष के निर्देश को नजरअंदाज करते हुए 30 लाख रुपये की निकासी कर ली गई। सामाजिक कार्यकर्ता पुनपुन यादव ने पूरे मामले को गंभीर बताते हुए जिलाधिकारी से उच्च स्तरीय जांच और दोषियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 के नाम पर भ्रष्टाचार का बड़ा खेल खेला गया है, जिससे नगर परिषद प्रशासन और शहरवासियों की छवि धूमिल हुई है। उन्होंने कहा कि नियमों के मुताबिक किसी भी बड़ी योजना को नगर परिषद बोर्ड की बैठक में पास करना अनिवार्य होता है, लेकिन इस योजना को बिना चर्चा और बिना पार्षदों की सहमति के लागू कर दिया गया। साथ ही आरोप लगाया गया कि न तो पारदर्शी ई-टेंडर की प्रक्रिया अपनाई गई और न ही कार्य की तकनीकी मापी कराई गई। पुनपुन यादव ने कहा कि एक ओर सिमरी बख्तियारपुर जलजमाव और गंदगी की समस्या से जूझ रहा है, वहीं दूसरी ओर दिखावटी पेंटिंग के नाम पर सरकारी राशि का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा और न्यायालय का दरवाजा भी खटखटाया जाएगा। मामले को और गंभीर बनाते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2023 और 2024 में की गई पुरानी पेंटिंग को ही छोड़ दिया गया और नई योजना के नाम पर औपचारिक रंगाई कर भारी राशि निकालने की तैयारी की गई। कई स्थानों पर एक ही दीवार पर 2023, 2024 और 2025 अलग-अलग वर्ष अंकित दिखाई दे रहे हैं। सामाजिक कार्यकर्ता ने 70 लाख रुपये की योजना की तकनीकी एवं प्रशासनिक ऑडिट कराने, भुगतान करने वाले पदाधिकारियों को चिन्हित कर निलंबित करने तथा ठेकेदार व संबंधित कर्मियों पर सरकारी ध न के गबन का मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। फिलहाल मामले को लेकर नगर परिषद क्षेत्र में चर्चा तेज है और लोग जांच कर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।●

पुलिस कप्तान की सूझबूझ से टली बड़ी अनहोनी

● रवि रंजन मिश्र

पश्चिम चम्पारण के बेतिया में पुलिस की तत्परता और सूझबूझ से एक गंभीर घटना को समय रहते टाल दिया गया। जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ. शौर्य सुमन के कुशल निर्देशन में बैरिया थाना क्षेत्र के फातुछापर गांव में ग्रामीणों द्वारा बंधक बनाए गए एक युवक को पुलिस ने सुरक्षित बाहर निकाला। इस पूरी कार्रवाई में सदर-2 डीएसपी रजनीकांत प्रियदर्शी और बैरिया थानाध्यक्ष प्रमोद यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिन्होंने आक्रोशित भीड़ के बीच पहुँचकर न केवल युवक की जान बचाई बल्कि स्थिति को भी नियंत्रण में रखा। दरअसल, 29 मार्च को बैरिया पुलिस को सूचना मिली थी कि फातुछापर में एक युवक को ग्रामीणों ने बंधक बना लिया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए

थानाध्यक्ष प्रमोद यादव दलबल के साथ मौके पर पहुँचे, जहाँ उन्हें आक्रोशित ग्रामीणों के कड़े विरोध और अभद्र व्यवहार का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों ने पुलिस कार्य में बाधा उत्पन्न की, लेकिन पुलिस ने धैर्य का परिचय देते हुए युवक को सुरक्षित मुक्त करा लिया। जांच में यह बात सामने आई कि गांव की एक नाबालिग लड़की के सुबह से गायब होने के बाद परिजनों ने प्रेम प्रसंग और अपहरण का आरोप लगाते हुए उस युवक को बंधक बनाया था। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर डीएसपी रजनीकांत प्रियदर्शी ने मामले की गहन जांच की, जिसमें पता चला कि लड़की अपने एक रिश्तेदार के घर चली गई थी, जिसे बाद में सुरक्षित बरामद कर लिया गया। इस मामले में पुलिस ने युवक को बंधक बनाने, सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में एक नई प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सतीश कुमार, राधेश्याम कुमार, राहुल कुमार और श्रीकांत कुमार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।●

दरोगा की हैसियत बढ़ गई : विनय बिहारी

● रवि रंजन मिश्र

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में उस वक्त हंगामा खड़ा हो गया जब लौरिया विधायक विनय बिहारी और एक दरोगा के बीच धक्का- मुक्की की स्थिति बन गई। मामला अब राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। लौरिया विधायक विनय बिहारी ने घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि "अब दरोगा की इतनी हैसियत हो गई है कि विधायक-सांसद का रास्ता रोक देगा।" उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में सभी जनप्रतिनिधियों को बुलाया गया था, लेकिन मौके पर मौजूद दो दरोगा विधायकों और सांसदों को अंदर जाने से रोक रहे थे। विधायक ने दावा किया कि इससे पहले रामनगर विधायक को भी धक्का देकर हटाया गया था। इसी दौरान जब विनय बिहारी ने

दरोगा से अधिकारियों को सूचना देने की बात कही, तो दरोगा ने कथित तौर पर कहा, मैं आपका नौकर नहीं हूं। इस बात से विधायक भड़क गए और उन्होंने दरोगा को "बर्बाद कर देने" की बात कह दी। जब विधायक से मीडिया ने सवाल किया कि उन्होंने दरोगा को बर्बाद करने की बात क्यों कही, तो विधायक ने अजीबोगरीब बयान देते हुए कहा-क्या मैं उनका चुम्मा लूं? लव यू-लव यू बोलूं?" इसके बाद विधायक ने कहा कि दरोगा ने फिर दोहराया कि वह उनका नौकर नहीं है। इस पर विधायक ने पलटवार करते हुए कहा, "नौकर नहीं है तो क्या है, मालिक है क्या? विनय बिहारी ने आगे चेतावनी भरे लहजे में कहा-विधायक को पिनकाइयेगा तो अले बले बोलेंगे। इस पूरे घटनाक्रम के बाद सवाल उठ रहे हैं कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों के साथ ऐसा व्यवहार क्यों हुआ और क्या प्रशासनिक अधिकारी अपनी सीमाएं भूल रहे हैं। वहीं विधायक के बयान को लेकर भी राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आने की संभावना है।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

एलपीजी आपूर्ति पर प्रशासन की पैनी नजर

● रवि रंजन मिश्र

जिले में एलपीजी गैस की सुचारू और समयबद्ध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। अपर समाहर्ता-सह-जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्री अनिल कुमार सिन्हा ने जानकारी देते हुए बताया कि 5 किलोग्राम वाले छोटे गैस सिलेंडर का उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी खबर है। भारत सरकार के निर्देश के आलोक में जरूरतमंद उपभोक्ताओं के लिए एफटीएल (फ्री ट्रेड एलपीजी) कनेक्शन की सुविधा पुनः शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि इच्छुक उपभोक्ता अपने नजदीकी गैस एजेंसी पर जाकर आधार, पैन कार्ड या अन्य वैध पहचान पत्र प्रस्तुत कर एफटीएल कनेक्शन प्राप्त कर सकते हैं और इसका लाभ उठा सकते हैं। पूर्व में विभागीय निर्देशों के कारण यह सेवा बंद थी, जिसे अब फिर से चालू कर दिया गया है। उन्होंने ऑयल कंपनियों के ऑफिसर एवं गैस वितरक एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि हैं किसी भी परिस्थिति में एक उपभोक्ता का एलपीजी सिलेंडर दूसरे उपभोक्ता को नहीं दिया जाए। ऐसा करने वाले गैस वितरक सहित वेंडर के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 19,745 सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। वहीं, बीते दिन 6,282 सिलेंडरों की सफल डिलीवरी की गई, जो प्रशासनिक प्रयासों की प्रभावशीलता को दर्शाता है। शिकायत निवारण के मोर्चे पर भी प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। प्राप्त 59 शिकायतों को संबंधित अनुमंडल पदाधिकारियों को तत्काल भेज दिया गया है, ताकि उनका शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा सके। अधिकारियों द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है, जिससे उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। अंत में जिला प्रशासन ने

आमजन से अपील की है कि एलपीजी आपूर्ति को लेकर किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें। किसी प्रकार की समस्या होने पर जिला कंट्रोल रूम के नंबर 06254-247002 एवं 06254-247003 पर संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि सभी शिकायतों का त्वरित और प्रभावी समाधान किया जाएगा।●

भारत से नेपाल में प्रवेश करने वाले हैं ट्रेन से

भारत और नेपाल के बीच की सीमा दुनिया की सबसे अनोखी सीमाओं में से एक है। इसकी मुख्य विशेषताएं और जानकारी नीचे दी गई हैं:-

1. खुली सीमा :- भारत और नेपाल के बीच 'खुली सीमा' की व्यवस्था है। इसका मतलब है कि दोनों देशों के नागरिकों को एक-दूसरे के देश में आने-जाने के लिए पासपोर्ट या वीजा की आवश्यकता नहीं होती। यह व्यवस्था 1950 की शभारत-नेपाल शांति और मित्रता संधिश पर आधारित है।

2. भौगोलिक विस्तार :- भारत-नेपाल सीमा की कुल लंबाई लगभग 1,751 किलोमीटर है और यह सीमा भारत के पाँच राज्यों से लगती है-उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, सिक्किम।

3. मुख्य प्रवेश द्वार :- व्यापार और यात्रियों के लिए कुछ प्रमुख आधिकारिक मार्ग इस प्रकार हैं :-

जयनगर (बिहार) :- यहाँ से नेपाल रेलवे की ट्रेन इनरवा होते हुए जनकपुर जाती है।

रक्सौल (बिहार) :- वीरगंज को नेपाल का प्रवेश द्वार कहा जाता है, जहाँ से सबसे अधिक व्यापार होता है।

बनबसा (उत्तराखंड) :- भीमदत्त पश्चिमी नेपाल जाने का मुख्य मार्ग है।

सुनौली (उत्तर प्रदेश):- पर्यटकों के लिए सबसे लोकप्रिय मार्ग।

पानीटंकी (पश्चिम बंगाल) :- काकरभिट्टा, पूर्वी नेपाल और सिलीगुड़ी को जोड़ता है।

जोगबनी (बिहार) :- बिराटनगर, औद्योगिक व्यापार के लिए महत्वपूर्ण।

4. सुरक्षा और प्रबंधन :- सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी मुख्य रूप से भारत के सशस्त्र सीमा बल के पास है। सीमा पर कई जगहों पर 'एकीकृत जाँच चौकियाँ' बनाई गई हैं ताकि व्यापार और कस्टम की प्रक्रिया आसान हो सके।●

रिपोर्ट :- रवि रंजन मिश्र

DDC बृजेश कुमार के ठिकानों पर छापेमारी

बेतिया से एक बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां आय से अधिक संपत्ति के मामले में निगरानी अन्वेषण इकाई (SVU) ने शिवहर के क्क्ब बृजेश कुमार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए एक साथ कई ठिकानों पर छापेमारी की है। निगरानी की टीम शिवहर में DDC के आवास और कार्यालय में भी छापेमारी कर रही है। इसके साथ ही पश्चिम चंपारण जिले के बेतिया स्थित उनके पैतृक गांव जमुनिया सखुशवनिया में भी दबिश दी जा रही है। बेतिया के पैतृक घर पर अधिकारियों द्वारा जांच जारी है और परिवार के सदस्यों से पूछताछ की जा रही है। जानकारी के अनुसार, DDC बृजेश कुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति रखने का मामला दर्ज किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, जांच के दौरान कई अहम दस्तावेज मिलने की संभावना जताई जा रही है, जिससे आगे और बड़े खुलासे हो सकते हैं। फिलहाल निगरानी टीम पूरे मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।● **रिपोर्ट :- रवि रंजन मिश्र**

नगर पंचायत इटाढ़ी के बढ़ते कदम

● बिन्ध्याचल सिंह

वर्ष-2022 में बक्सर जिला को तीन नगर पंचायत अस्तिव में आया। जो क्रमशः इटाढी, चौसा और ब्रहम्मपुर है। वर्तमान में बक्सर जिला अन्तर्गत कुल दो नगर परिषद् क्रमशः बक्सर और डुमराँव जबकि तीन नगर पंचायत क्रमशः इटाढी, चौसा और ब्रहम्मपुर है। प्रिय पाठकगण केवल सच आपको इस अंक में तीन नगर पंचायत की जानकारी संक्षिप्त में जानकारी दे रहे है। पहला-ब्रहम्मपुर नगर पंचायत अपने भाग्य पर रोता है। दुसरा- नगर पंचायत चौसा विकास के पथ पर अग्रसर है। जबकि तीसरा- नगर पंचायत इटाढी की बात की जाय तो अपने बजट से दोगुना विकास कार्य कर रहा है जिसका मुख्य कारण नगर पंचायत इटाढी के मुख्य पाषद श्री संजय पाठक की अथक प्रयास से इतिहास के पन्नो में अपना नाम स्वर्ण अक्षर में दर्ज कराना चाहते है। जिसका प्रमाण राष्टीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली से पुरस्कृत होना अपने आप में सफलता बयां करती है। वैसे पाठकगण को आश्वस्त

कराना चाहता हुँ कि दिल्ली से श्री पाठक जी पुरस्कार मिलाना ही दोगुना विकास नगर पंचायत इटाढी मेंसम्भव है, जिसका प्रमाण अपनी नंगी ऑखो से देखा जा सकता है और नगरवासियो से जानकारी प्राप्त की जा सकती है। श्री पाठक जी की व्यक्तित्व की जानकारी विगत नवम्बर-2024 और जनवरी-25 मे दी जा चुकी है। जिसकी जानकारी केवल सच प्रतिनिधि को इटाढी के इर्द-गिर्द की गॉवो के आम जनता व श्री पाठक जी के शुभ-चिंतक के द्वारा जानकारी प्राप्त हुई थी। नगर पंचायत इटाढी की विगत तीन वर्षो में नगर पंचायत के मुख्य पार्षद के अथक प्रयास से विकास की गंगा बह रही है। जिसमें बक्सर-धनसोई मार्ग का चौडीकरण व मरम्मत कार्य प्रमाण है। सरकार द्वारा चलाई जानेवाली लगभग सभी योजना धरातल पर दिखाई देती रहती है। नगर पंचायत इटाढी की पडोसी प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय की बात की जाय तो अंचलाधिकारी इटाढी का लगभग सभी कार्य जो दाखिल खारिज से सम्बन्धित रहता है अक्सर विवाद में रहता है। जिसका मुख्य कारण है दलाल कुढी साह जैसे दबंग दलाल। शिक्षा विभाग में इटाढी की बात की जाय तो जिला शिक्षा पदाधिकारी के नाम पर शिक्षको की सेवा अभिलेख के लिए एक से तीन हजार रू० मांगी जा रही है जबकि ऐसी सेवा शुल्क से जिला शिक्षा कार्यालय बक्सर से कोई लेना-देना नही है।●

सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में कौन?

● बिन्ध्याचल सिंह

अधिकतर सरकारी कार्यालयों में लिखा रहता है कि आप सीसीटीवी कैमरे के निगरानी में है। क्या कभी इस सीसीटीवी कैमरे की धरातल की सच्चाई

जानने की कोशिश की है या नही? तो जानेः- ''आप सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में है'' ये वाक्य एक स्लोगन बन चुका है। जरा सोचने वाली बात है कि दफतर के सारे पोजीशन में कैमरा निगरानी कर रहा है, परन्तु दफतर के सबसे भीतर कमरे में क्या कैमरा लगा हुआ है? कदापि नही बडे साहबतो ईमानदारी का चोला पहन कर बैठे हुए है। और सरकार भी इस पर बिल्कुल बेफिक्री से हाथ पर हाथ धरे बैठे रहती है,क्योकि बडे साहब आवश्यकता से ज्यादा ईमानदार एवं सरकार के प्रति वफादार होते है, तभी तो सीसीटीवी उनकी निगरानी नही करता। क्योकि उनकी निगरानी से सीसीटीवी भी डरता है। वैसे क्यो ना डरे, कैमरा तो पब्लिक और छोटे-छोटे कर्मचारियो को डराने एवं निगरानी करने का काम किया जाता है। लेकिन जरा सोचिये, अंदर से ऑफिस में बैठे अधिकारी की निगरानी एवंसुरक्षा सीसीटीवी कैमरा क्यो नही करता। हालांकि किसी किसी पदाध कारी के पास कैमरा लगा हुआ है। क्या उनको परमानेंट ईमानदारी का लाईसेंस मिला हुआ है। अगर ऐसा है तो एक देश एक कानून का क्या मतलब रह जाता है। आज सीसीटीवी कैमरा एक शोभा की वस्तु बनी हुई है। अगर किसी दफतर में सीसीटीवीलगा हैं तो लिखने की क्या जरूरत है कि आप सीसीटीवी कैमरा के निगरानी में है। क्यो ये शब्द लिखकर चोर को सावधान किया जाता है। इसपर भी सरकार को गंभीर होने की जरूरत है। बडे साहब के ऑफिस में भी सीसीटीवी कैमरा लगना चाहिए और उसकी मोनेटरिंग उनसे बड़े साहब को करना चाहिए। वरना भ्रष्टाचार रोकने की दिखावापन बंद करना होगा। क्योकि ये पब्लिक है सब जानती है और अगर ऐसा नही करते तो सरकार को इसपर एक बार विचार करना चाहिए कि क्या सीसीटीवी के नजर में सिर्फ पब्लिक और छोटे कर्मचारी ही रहेंगें या फिर अधिकारियों पर भी नजर रखी जाएगी। वैसे ये स्लोगन पढकर सावधन हो जाते है। इस तरह के भ्रामक स्लोगन लिखने का फायदा तो तब होता जब ये लिखा होता है कि ''हम सीसीटीवी के निगरानी में है। परन्तु सच तो ये है कि सीसीटीवी के निगरानी में सिर्फ आप है। सभी नही, इसलिए ''हम'' शब्द का प्रयोग नहीं किया जाता है। परन्तु एक देश एक कानून तो तभी चरितार्थ होगा जब स्लोगन ये बनेगा कि ''हम'' सीसीटीवी के निगरानी में है।●

● **भारती मिश्रा**

झारखंड की राजनीति इस समय एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहाँ सत्ता की कुर्सी भले ही स्थिर दिख रही हो, लेकिन उसके नीचे की जमीन लगातार खिसकती महसूस हो रही है। 2019 में जिस भरोसे और एकजुटता के साथ झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM), कांग्रेस और राजद ने मिलकर सरकार बनाई थी, और है हम साथ साथ हैं राग अलापती नजर आती थी वही गठबंधन की सरकार में अब अंदरूनी खींचतान, सार्वजनिक बयानबाजी और बदलते राजनीतिक संकेतों के कारण सवालों के घेरे में है। किसी की तुलना विषधर सांपों से हो रही है तो किसी की बेंग (मेढ़क)से तो किसी को खतरनाक मकड़ी बता रहा है। आरोप प्रत्यारोप का सिलसिला जारी है।

इन सब बातों को नजर अंदाज करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस समय असम के चुनावी मैदान में सक्रिय हैं, जहाँ वे अपनी पत्नी और गांडेय विधायक कल्पना सोरेन के साथ पार्टी के विस्तार की रणनीति पर काम कर रहे हैं। असम में झारखंड मुक्ति मोर्चा की मौजूदगी दर्ज कराने की कोशिश, एक बड़े राष्ट्रीय विस्तार की महत्वाकांक्षा को दर्शाती है। इस समय झारखंड की राजनीति असम के चाय बागान में पहुंच गई है, लेकिन इसी दौरान झारखंड में गठबंधन के भीतर जो सियासी उबाल दिख रहा है, वह यह सवाल खड़ा करता है कि क्या राज्य की राजनीति पर पर्याप्त ध्यान दिया जा रहा है?

☞ **असम का असरः सिर्फ चुनाव नहीं, संकेत भी? :-** असम में झामुमो और कांग्रेस का अलग-अलग चुनावी राह चुनना केवल रणनीतिक फैसला नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे राजनीतिक दूरी के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। 2019 से "हम साथ-साथ हैं" का जो नैरेटिव बना था, उसमें पहली बार इतनी स्पष्ट दरार दिखाई दी है। इसका सीधा असर झारखंड की राजनीति पर पड़ा है, जहाँ अब यह चर्चा आम हो गई है कि क्या गठबंधन की एकजुटता सिर्फ सत्ता तक सीमित रह गई है? इस दरार पर भी कई अटकलें लगाई जा रहे हैं कहीं पर बिहार के चुनाव में सीट न मिलने का बदला बताया जा रहा है, कहीं राज्यसभा की सीटों का बंटवारा को लेकर मनमुटाव बताया जा रहा है, विपक्ष तो यहां तक कहते नजर आ रही है यह कट कमीशन की सरकार है जहां उचित कमीशन नही मिलने से इस तरह के स्थिति बनी हुई है।

☞ **गठबंधन के भीतर 'विपक्ष' की भूमिका में कांग्रेस :-** झारखंड की मौजूदा राजनीति का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि कांग्रेस, जो सरकार का अहम हिस्सा है, कई बार विपक्ष की भूमिका निभाती नजर आ रही है। झारखंड कांग्रेस प्रभारी के राजू ने अपने प्रेस कॉन्फ्रेंस में राज्य के प्रशासनिक ढांचे और खनन से जुड़े मुद्दों पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने

आरोप लगाया कि राज्य में अधिकारी माइनिंग माफियाओं के प्रभाव में काम कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने अवैध खनन जैसी कई मुद्दों पर अपने ही सरकार के खिलाफ बयान दिया। यह बयान सीधे तौर पर सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करता है और चूंकि खनन विभाग मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पास है, इसलिए इसे उनके नेतृत्व पर अप्रत्यक्ष हमला माना जा रहा है।

☞ **झारखंड मुक्ति मोर्चा का पलटवार और बढ़ती तल्खी :-** कांग्रेस पर झामुमो की ओर से भी तीखी प्रतिक्रिया सामने आई। झामुमो पार्टी के महासचिव एवं प्रवक्ता सुप्रियो भटचार्य ने कांग्रेस पर विवादित टिप्पणी करते हुए उसे अविश्वसनीय बताया और साथ ही उन्होंने कांग्रेस की तुलना विषधर सांप से की। सुप्रिया भट्टाचार्य के इस बयान ने झारखंड में सत्ता परिवर्तन के अटकलें को और हवा दे दी। यह बयान केवल राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं था, बल्कि गठबंधन की अंदरूनी असहजता का सार्वजनिक प्रदर्शन बन गया।

सुप्रिया भट्टाचार्य के इस बयान पर कांग्रेस की तरफ से भी कई आरोप प्रत्यारोप देखने को मिला, इस पर कांग्रेस की बड़कागांव की पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने भी पलटवार करते हुए सुप्रिया भट्टाचार्य पर व्यक्तिगत टिप्पणी की, जिससे यह विवाद और गहरा गया।

☞ **सहयोगी दलों के भीतर भी खटास :-** इस विवाद में गठबंधन सरकार के श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग मंत्री, संजय यादव का बयान, जिसमें उन्होंने बिहार चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया, यह दर्शाता है कि सहयोगी दलों के बीच समन्वय की कमी है। मंत्री का यह बयान उनका डर था या सत्ता में अपनी कुर्सी डगमगाते देख उसे बचाने की कोशिश लेकिन की दरारें केवल झामुमो और कांग्रेस तक सीमित नहीं हैं। यह बयान यह भी संकेत देता है कि गठबंधन के भीतर क्षेत्रीय और राष्ट्रीय राजनीति के बीच संतुलन बनाना लगातार चुनौती बनता जा रहा है।

☞ **एक बयान जिसने बढ़ाई हलचल :-** इन सब बातों पर बल पूर्व में डुमरी विधायक जयराम महतो के द्वारा दिए गए बयान से मिल जाती है, जिसमें उन्होंने कहा कि असम चुनाव के बाद झारखंड में "गैर भाजपा, गैर कांग्रेस" सरकार बन सकती है। अब यह एक सामान्य राजनीतिक बयान था या कुछ और, लेकिन झारखंड की मौजूदा परिस्थितियों में इस बयान ने अटकलों का बाजार गर्म कर दिया और इस बयान को और मजबूती तब मिली जब विधायक सरयू राय ने मुख्यमंत्री को सलाह देते हुए कहा कि वे कांग्रेस के दबाव में काम करने के बजाय स्वतंत्र राजनीतिक विकल्प तलाश सकते हैं। उनका यह बयान केवल समर्थन का संकेत नहीं, बल्कि एक संभावित नए राजनीतिक समीकरण की झलक भी देता है।

☞ **क्या वाकई सत्ता परिवर्तन की जमीन तैयार हो रही है? :-** अब सवाल यह उठता है कि क्या वाकई झारखंड में सत्ता परिवर्तन के आसार है?? राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, फिलहाल सरकार गिरने की स्थिति नहीं है, लेकिन जो संकेत मिल रहे हैं, वे भविष्य में बड़े बदलाव की ओर इशारा कर सकते हैं। गठबंधन सहयोगियों के बीच भरोसे की कमी, सार्वजनिक मंचों पर आरोप-प्रत्यारोप, वैकल्पिक सरकार की चर्चाओं को खुला समर्थन, राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर अलग-अलग रणनीति ये सभी कारक मिलकर एक अस्थिर राजनीतिक माहौल तैयार कर रहे हैं।

☞ **रणनीति या संकट? :-** यह भी संभव है कि यह पूरा घटनाक्रम "प्रेशर पॉलिटिक्स" का हिस्सा हो, जहाँ सहयोगी दल अपनी-अपनी ताकत दिखाकर सरकार में अपनी भूमिका मजबूत करना चाहते हैं। दूसरी ओर, यह भी एक सच्चाई हो सकती है कि गठबंधन अब अपने स्वाभाविक अंतर्विरोधों से जूझ रहा है, जो समय के साथ और स्पष्ट होते जा रहे हैं।

☞ **निष्कर्षः आगे क्या? :-** झारखंड की राजनीति फिलहाल एक दिलचस्प लेकिन अनिश्चित मोड़ पर है। सरकार चल रही है, लेकिन गठबंधन की केमिस्ट्री बिगड़ती दिख रही है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती केवल शासन चलाना नहीं, बल्कि गठबंधन को एकजुट बनाए रखना भी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की राजनीति इतनी भी कमजोर नहीं है कि वह सरयू राय की सुझाव के अनुसार एक कमजोर सरकार का गठन करेंगे। फिलहाल मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन असम चुनाव से वापस आ गए हैं। आने वाले समय में यह स्पष्ट होगा कि यह केवल बयानबाजी की राजनीति है या वास्तव में झारखंड एक नए राजनीतिक समीकरण की ओर बढ़ रहा है।●

केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी से भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

● **गुड्डी साव**

भारतीय जनता पार्टी, झारखंड का एक प्रतिनिधिमंडल प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद आदित्य साहू के नेतृत्व में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से नई दिल्ली में मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने झारखंड में चल रहे विभिन्न सड़क निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति से मंत्री को अवगत कराया। मुलाकात के दौरान आदित्य साहू ने ओरमांझी में प्रस्तावित फ्लाईओवर निर्माण कार्य में हो रही देरी पर विशेष ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने बताया कि अब तक कार्य प्रारंभ नहीं होने के कारण क्षेत्र में लगातार सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। इस पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए संबंधित प्रोजेक्ट मैनेजर अनिल चौधरी को फटकार लगाई और निर्देश दिया कि निर्माण कार्य अविलंब शुरू किया जाए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि ठेकेदार कार्य प्रारंभ नहीं करते हैं, तो उन्हें

ब्लैकलिस्ट किया जाए या उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की जाए, अन्यथा संबंधित अधिकारियों पर भी कार्रवाई की जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने यह भी आश्वासन दिया कि झारखंड को सड़क अवसंरचना के क्षेत्र में सशक्त बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार यदि भूमि अधिग्रहण एवं वन स्वीकृति की प्रक्रिया में तेजी लाती है, तो केंद्र सरकार के पास संसाधनों की कोई कमी नहीं है और झारखंड में बड़े पैमाने पर सड़क निर्माण कार्य किए जा सकते हैं। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सेंट्रल रोड फंड (CRF) के अंतर्गत झारखंड के विभिन्न जिलों में 15 सड़क निर्माण परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश उपाध्यक्ष भानु प्रताप शाही, सांसद विद्युत वरण महतो, सांसद बीडी राम तथा पूर्व मंत्री रामचंद्र चंद्रवंशी, राकेश भास्कर, मुकेश मुक्ता शामिल थे।●

महिला मत्स्य कृषकों को नई दिशा, सशक्तिकरण की जमीनी पहल

● भारती मिश्रा

संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2026 को "अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष" घोषित किया गया है। महिलाओं को सशक्त बनाने की कड़ी में 06 अप्रैल 2026 को रांची स्थित शालीमार के मत्स्य किसान प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित "महिला मत्स्य कृषक सशक्तिकरण" कार्यशाला-सह- संगोष्ठी का आयोजन झारखंड में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में सामने आई। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की बढ़ती भूमिका को और मजबूत बनाने की एक सुंदर पहल है।

❖ **संसाधनों से सशक्तिकरण तक :-** कार्यक्रम के दौरान वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत 40 महिला लाभुकों के बीच एजाज अनवर, संयुक्त सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के द्वारा 105.24 लाख रूपये का परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। इन परिसंपत्तियों में बींत पहिया पिकअप वाहन, आइस बॉक्स युक्त तीन पहिया वाहन, गिल नेट, लाइफ जैकेट, बायोफ्लॉक तालाब, ग्रो-आउट यूनिट और समेकित मछली पालन (बतख एवं फीड सहित) जैसी आधुनिक सुविधाएं शामिल हैं। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) की यह पहल स्पष्ट करती है कि सरकार अब महिलाओं को केवल श्रम शक्ति नहीं, बल्कि उद्यमी के रूप में विकसित करने की दिशा में काम कर रही है।

❖ **विश्व स्तर की सोच, स्थानीय स्तर पर क्रियान्वयन :-** संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2026 को "अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष" घोषित किया गया है। इसी कड़ी में यह कार्यक्रम महिलाओं की भूमिका को खाद्य सुरक्षा, पोषण और गरीबी उन्मूलन से जोड़ता है। हर वर्ष 8 मार्च को मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस इस सोच को और मजबूती देता है।

❖ **भागीदारी के आंकड़े, बदलती तस्वीर:-**

☞ 3356 महिला लाभुकों को विभिन्न योजनाओं का लाभ।

☞ 1516 महिला मत्स्य कृषकों ने बीज उत्पादन में भागीदारी की।

☞ 1548 महिलाओं ने पांच दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त किया।

☞ 1538 महिलाओं को प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत 60% अनुदान।

☞ 150 महिलाओं को क०श्रळ०। योजना के तहत 90% अनुदान।

ये आंकड़े बताते हैं कि झारखंड में महिलाएं अब मत्स्य पालन क्षेत्र में निर्णायक भूमिका निभा रही हैं।

❖ **कार्यक्रम में शामिल प्रमुख हस्तियां :-** एजाज अनवर, संयुक्त सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के द्वारा कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर के किया गया। इस कार्यक्रम में राजीव रंजन तिवारी, उप सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, अमरेंद्र कुमार, निदेशक, मत्स्य, झारखंड (महिलाओं के योगदान को रेखांकित किया), मनोज कुमार ठाकुर, उप मत्स्य निदेश, संजय कुमार गुप्ता, उप मत्स्य निदेशक, रविरंजन कुमार, उप मत्स्य निदेशक इन वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही जिन्होंने ना केवल योजनाओं की जानकारी दी, बल्कि महिलाओं को प्रेरित भी किया। इसके अलावा सभी जिलों के जिला मत्स्य पदाधिकारी, सहायक मत्स्य निदेशक

(सभी), मुख्य अनुदेशक, मत्स्य किसान प्रशिक्षण केंद्र, रांची,मत्स्य अनुसंधान केंद्र, रांची के अधि कारी एवं कर्मचारी, विभिन्न जिलों से आए महिला लाभुक एवं मत्स्य कृषक 24 जिलों के लाभुक ऑनलाइन माध्यम से भी कार्यक्रम से जुड़े।

❖ **नीतिगत प्रभाव और चुनौतियां :-** इस तरह की पहल प्रभावशाली तो है, लेकिन कुछ चुनौतियां बनी हुई हैं। प्रशिक्षण के बाद उन्हें निरंतर तकनीकी सहायता ना मिल पाना, उत्पादों के लिए बेहतर बाजार और मूल्य का निर्धारण नहीं होना, आधुनिक तकनीकों को ग्रामीण स्तर तक सरल बनाना।

❖ **आर्थिक और सामाजिक असर :-** मत्स्य पालन के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि हो रही है, पोषण स्तर में सुधार हो रहा है, महिलाओं में आत्मनिर्भरता और समाज में उनका सम्मान बढ़ रहा है। जिन महिलाओं में कुछ कर दिखने की चाहत है लेकिन उन्हें उचित मंच और अवसरों के की कमी के कारण वे अक्सर पीछे रह जाती इस तरह के कार्यक्रम उनके सपने को पूरा करती है।

❖ **निष्कर्ष :-** यह कार्यशाला झारखंड में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ठोस कदम है, जहां योजनाओं का लाभ सीधे जरूरतमंद महिलाओं तक पहुंच रहा है। कार्यक्रम में शामिल अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी यह दर्शाती है कि सरकार इस क्षेत्र को प्राथमिकता दे रही है। यदि इस पहल को निरंतर प्रशिक्षण, बाजार से जुड़ाव और तकनीकी सहयोग के साथ आगे बढ़ाया जाए, तो झारखंड महिला मत्स्य कृषकों के लिए देश में एक आदर्श मॉडल बन सकता है।●

बिजली दर वृद्धि के विरोध में भाजपा का महाधरना

● **गुड्डी साव**

भाजपा, रांची महानगर, रांची पूर्वी एवं रांची पश्चिमी जिला के संयुक्त तत्वावधान में 17 अप्रैल को डोरंडा स्थित झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (JBVNL) कार्यालय के समक्ष बिजली दर में बेतहाशा वृद्धि, लगातार हो रही बिजली कटौती एवं पोस्टपेड मीटर में अनियमित बिलिंग के विरोध में एक दिवसीय सांकेतिक महाधरना का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा, रांची महानगर जिला के अध्यक्ष वरुण साहू एवं संचालन महामंत्री जितेंद्र वर्मा ने किया। इस अवसर पर रांची के विधायक सीपी सिंह, हटिया विधायक नवीन जायसवाल, रांची, पूर्वी जिला अध्यक्ष विनय महतो, रांची पश्चिमी जिला अध्यक्ष नरेंद्र सिंह, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सत्यनारायण सिंह, सुबोध सिंह गुड्डू, संजीव विजयवर्गीय, शोभा यादव, सीमा शर्मा सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे। धरना को संबोधित करते हुए रांची विधायक सीपी सिंह ने कहा कि झारखंड में बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। आम जनता को महंगी बिजली के साथ-साथ लगातार कटौती और गलत बिलिंग का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार और बिजली विभाग जनता की समस्याओं के प्रति पूरी तरह संवेदनहीन हो चुके हैं। यदि शीघ्र सुधार नहीं हुआ तो भाजपा सड़क से सदन तक आंदोलन को और तेज करेगी।

हटिया विधायक नवीन जायसवाल ने कहा कि बिजली विभाग की लापरवाही और भ्रष्टाचार के कारण आम उपभोक्ताओं पर अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ रहा है। पोस्टपेड मीटर के नाम पर गलत बिल भेजे जा रहे हैं, जिससे गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार सबसे अधिक प्रभावित हैं। उन्होंने विभाग को चेतावनी दी कि जनता के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अगर हेमंत सरकार नहीं चेती तो हम बिजली विभाग का हुंका ख़पानी बंद कर देंगे। महानगर अध्यक्ष वरुण साहू ने कहा कि शहर में बिजली की अनियमित आपूर्ति के कारण आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है व्यवसाय, शिक्षा एवं घरेलू कार्य सभी प्रभावित हो रहे हैं। बिजली विभाग स्मार्ट मीटर के नाम पर आम जनता का जेब काट रहा है। उन्होंने कहा कि आज हम चेतावनी देने आए हैं, व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो चरणबद्ध आंदोलन चलाएंगे। रांची पूर्वी जिला अध्यक्ष विनय महतो ने कहा कि बिजली विभाग की कार्यशैली में पारदर्शिता का अभाव है। उपभोक्ताओं को सही जानकारी और समाधान नहीं मिल पा रहा है, जिससे लोगों में भारी आक्रोश है। रांची पश्चिमी जिला अध्यक्ष नरेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा हमेशा जनहित के मुद्दों को लेकर संघर्ष करती रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक बिजली दर में कमी, निर्बाध आपूर्ति और सही बिलिंग सुनिश्चित नहीं होती, तब तक भाजपा का आंदोलन जारी रहेगा। धरना में उपस्थित सभी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में बिजली विभाग की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया और शीघ्र समाधान की मांग की।●

सदर अस्पताल में राज्यस्तरीय कार्यशाला

बच्चों के हृदय इलाज की पहल लेकिन जमीनी हकीकत अब भी चुनौतीपूर्ण

● भारती मिश्रा

झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर इरफान अंसारी ने एक ऐतिहासिक एवं जन कल्याणकारी पहल की है, उनके पहल पर राँची सदर अस्पताल में जन्मजात हृदय रोग (Congenital Heart Disease) पर राज्य स्तरीय कार्यशाला एवं दो दिवसीय जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह योजना उन गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है, जिनके बच्चे दिल के वाल्व या हृदय में छेद जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण उनका इलाज संभव नहीं हो पाता था। मंत्री जी के संज्ञान में लगातार ऐसे मामले आते रहे, जहां पैसे के अभाव में मासूम बच्चों की जान तक चली जाती थी। एक जनप्रतिनिधि होने के साथ-साथ एक संवेदनशील चिकित्सक के रूप में उन्होंने इस समस्या को गंभीरता से लिया और इसका स्थायी समाधान निकालने का संकल्प लिया। राँची के सदर अस्पताल में 10 और 11 अप्रैल को जन्मजात हृदय रोग को लेकर जो कार्यशाला और जांच शिविर लगाया गया, वह अपने आप में एक बड़ा आयोजन था। दो दिनों तक अस्पताल परिसर में डॉक्टरों, विशेषज्ञों और मरीजों की काफी हलचल रही। बाहर से आए विशेषज्ञ डॉक्टरों के साथ राज्य के अलग-अलग जिलों से पहुंचे शिशु रोग विशेषज्ञों ने इसमें हिस्सा लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत राज्य स्तरीय कार्यशाला से हुई, जिसमें करीब 100 से ज्यादा डॉक्टर शामिल हुए। इस दौरान जन्मजात हृदय रोग की पहचान कैसे जल्दी की जाए, गांव स्तर पर क्या सावधानी बरती जाए और किस स्थिति में मरीज को रेफर करना चाहिए, इन सब विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। अमृता हॉस्पिटल कोच्ची से आए विशेषज्ञ डॉक्टरों ने अपने अनुभव साझा किए और कई केस स्टडी भी रखे, जिससे स्थानीय डॉक्टरों को समझने में आसानी हो। जन्मजात हृदय रोग बच्चों में जन्म से मौजूद हृदय की संरचनात्मक समस्याएं होती हैं, जो हर 1000 में लगभग 8 बच्चों को प्रभावित करती हैं। समय पर पहचान और उपचार न मिलने पर यह बीमारी जानलेवा भी साबित हो सकती है। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने बताया कि सही समय पर निदान और सर्जरी से 90% तक बच्चों को स्वस्थ जीवन दिया जा सकता। इसके साथ ही अस्पताल में दो दिवसीय जांच शिविर भी लगाया गया। इस शिविर में कुल 305 बच्चों का पंजीकरण हुआ। एक-एक बच्चे की स्क्रीनिंग की गई, इको, जांच और डॉक्टरों की सलाह के साथ। इस दौरान कई ऐसे मामले सामने आए, जो पहले कभी जांच में नहीं आए थे। जांच के बाद 101 बच्चों को सर्जरी की जरूरत बताई गई। इन बच्चों को आगे के इलाज के लिए अमृता हॉस्पिटल कोच्ची भेजने की बात कही गई है, जहां उनका मुफ्त इलाज होगा। कई अभिभावकों के लिए यह राहत की बात रही, क्योंकि ऐसे इलाज का खर्च उठाना उनके लिए आसान नहीं होता। अमृता हॉस्पिटल कोच्ची के द्वारा पूर्व में भी 250 बच्चों का इलाज

किया गया है।

कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी भी पहुंचे। उन्होंने मंच से कई बड़ी योजनाओं की बात कही। झारखंड में RIMS-2 के माध्यम से एशिया का सबसे बड़ा और हाईटेक अस्पताल स्थापित करने की योजना है, रिनपास परिसर में मेडिको सिटी विकसित की जाएगी, आने वाले 3-4 वर्षों में राज्य को 8 नए मेडिकल कॉलेज मिलेंगे, स्वास्थ्य सेवाओं में AI तकनीक को शामिल किया जाएगा, मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान देने और भविष्य में रांची में ही ऐसी सर्जरी शुरू करने की योजना जैसी कई बातें कही। अब अगर पूरे आयोजन को देखें, तो एक बात साफ है कि कोशिश सही दिशा में है। इतने बड़े स्तर पर जांच होना और इतने बच्चों का चिन्हित होना अपने आप में महत्वपूर्ण है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि इतने केस एक साथ सामने आना सिस्टम की पुरानी कमी को भी दिखाता है। गांव और दूर-दराज इलाकों में अभी भी नियमित जांच और जागरूकता की कमी है। अगर पहले से स्क्रीनिंग मजबूत होती, तो शायद कई मामलों को पहले ही पकड़ लिया जाता। एक और बात जो ध्यान खींचती है, वह यह कि ज्यादातर गंभीर मामलों को अब भी राज्य के बाहर भेजना पड़ रहा है। यह फिलहाल जरूरी हो सकता है, लेकिन लंबे समय में झारखंड को अपनी व्यवस्था खुद मजबूत करनी होगी। सरकार ने कहा है कि आगे चलकर रांची में ही ऐसी सर्जरी शुरू की जाएगी। अगर यह सच में जमीन पर उतरता है, तो इससे बड़ी राहत मिलेगी। लेकिन लोगों को अब सिर्फ घोषणा नहीं, उसका असर देखना है।

अंत में यही कहा जा सकता है कि यह शिविर और कार्यशाला एक अच्छी शुरुआत है, लेकिन असली काम अब शुरू होता है।

अगर यह सिलसिला ऐसे ही चलता रहा, तो फायदा होगा वरना यह भी एक दो दिन का आयोजन बनकर रह जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी की उपस्थिति ने इस पहल को और भी महत्वपूर्ण बना दिया। उनके साथ राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा, अमृता हॉस्पिटल कोच्ची के वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. आर. कृष्ण कुमार सहित कई प्रतिष्ठित चिकित्सकों ने अपने अनुभव साझा किए।●

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग कार्यालय का औचक निरीक्षण

● गुड्डी साव

मंत्री योग्रेंद्र प्रसाद ने 8 अप्रैल को विभागीय कर्मचारियों की उपस्थिति, कार्यप्रणाली एवं लंबित फाइलों की स्थिति की गहन समीक्षा की। इसके उपरांत आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने सख्त लहजे में स्पष्ट कहा कि जनता को मूलभूत सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने दो टूक शब्दों में निर्देश दिया कि कार्यालय में समयबद्ध उपस्थिति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए । आमजन की शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी समाधान किया जाए । फाइलों को अनावश्यक रूप से लंबित रखने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी । आगामी गर्मी को देखते हुए मंत्री जी ने विशेष रूप से निर्देश दिया कि हर हाल में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। खराब चापाकलों की मरम्मत कार्य में युद्धस्तर पर तेजी लाई जाए और प्राप्त शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई हो। मंत्री जी ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि काम में ढिलाई, जिम्मेदारी से बचने की प्रवृत्ति और लापरवाही अब किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है। दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई तय है। उन्होंने विभाग को शून्य सहनशीलता (Zero Tolerance) की नीति पर कार्य करने का निर्देश देते हुए कहा कि पारदर्शिता, जवाबदेही और सेवा की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा। जनता की सेवा ही सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें चूक करने वालों के लिए कोई जगह नहीं होगी।●

मंत्री ने विकास योजनाओं को गति देने के दिए निर्देश

● गुड्डी साव

गढ़वा जिले के बुढ़ा पहाड़ एवं टेहरी पंचायत के सभी संबंधित गांवों में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ किया जायेगा। इसके लिए जिला प्रशासन ने कवायद तेज कर दी है। क्षेत्र के समग्र विकास को लेकर 13 अप्रैल को समाहरणालय सभागार में बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता वित्त, वाणिज्य-कर, योजना एवं विकास तथा संसदीय कार्य विभाग के मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने की। बैठक में समग्र विकास को लेकर ठोस रणनीति बनाई गई। बैठक में संबंधित गावों में पेयजल, सड़क, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित अन्य आधारभूत सुविधाओं एवं संरचनाओं की समीक्षा करते हुए कमियों को प्राथमिकता के आधार पर दूर करने का निर्णय लिया गया। मंत्री ने दूरस्थ एवं पहाड़ी क्षेत्रों तक योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को विभागीय समन्वय के साथ कार्यों में तेजी लाने और नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि विकास कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण हो सके और क्षेत्र के समग्र विकास को नई गति मिल सके।

मंत्री ने कहा कि सरकार हर व्यक्ति तक विकास योजनाएं पहुंचाने के लिए कटिबद्ध है। बूढ़ा पहाड़ क्षेत्र, जो लंबे समय तक उग्रवाद से प्रभावित रहा है, अब एक नए दौर में प्रवेश कर चुका है। मंत्री ने इस परिवर्तन को रेखांकित करते हुए कहा कि अब सरकार की प्राथमिकता है कि

यहां के लोगों को सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले और वे समाज की मुख्यधारा से जुड़कर राज्य के विकास में अपनी सक्रिय भागीदारी निभा सकें।

मंत्री ने सड़क निर्माण पर गंभीरता दिखाते हुए कहा कि क्षेत्र के लोगों को आज बेहतर सड़क एवं बच्चों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा देने की आवश्यकता है। शिक्षा ग्रहण के लिए उन्हें दूर नहीं जाना पड़े इसका ध्यान रखा जाना चाहिए। सड़क निर्माण में आ रही तकनीकी बाधाओं, विशेषकर छत्तीसगढ़ क्षेत्र के हिस्से को लेकर, मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि वह स्वयं संबंधित राज्य से समन्वय स्थापित कर आवश्यक NOC प्राप्त कर निर्माण कार्य को शीघ्र शुरू कराने का प्रयास करेंगे। उन्होंने 2 से 3 किलोमीटर सड़क निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार कर तुरंत विभाग को भेजने का निर्देश भी दिया। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। हेसारपुर में एक उच्च विद्यालय खोलने का प्रस्ताव तैयार करने तथा कुल्ही पंचायत में एक हेल्थ सब-सेंटर स्थापित करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही क्षेत्र में नियमित स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने पर भी बल दिया गया, ताकि लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उनके नजदीक ही उपलब्ध हो सकें। आर्थिक सशक्तिकरण को विकास का आधार मानते हुए मंत्री ने स्थानीय लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने बकरी पालन, गाय पालन, दूध और अंडा उत्पादन जैसे व्यवसायों को बढ़ावा देने की बात कही, जिससे ग्रामीणों की आय में वृद्धि हो सके और वे आत्मनिर्भर बन सकें।

बैठक में पेयजल और बिजली व्यवस्था की भी गहन समीक्षा की गई। हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के लिए नल-जल योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने तथा बिजली आपूर्ति से जुड़े कार्यों को तेज करने के निर्देश दिए गए। साथ ही आमजन की समस्याओं को सीधे प्रशासन तक पहुंचाने के लिए शिकायत पेटी लगाने की व्यवस्था करने को कहा गया। मंत्री ने कहा कि विकास का असली उद्देश्य तभी पूरा होगा जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को जनता से जुड़े मुद्दों/समस्याओं को गंभीरता से लेने और उसका त्वरित समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक के प्रारंभ में विभिन्न विभागों द्वारा अपनी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने और भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा हुई। मंत्री ने सभी अधिकारियों को एकजुट होकर कार्य करने और बूढ़ा पहाड़ क्षेत्र को विकास के एक नए मॉडल के रूप में स्थापित करने की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ने का निर्देश दिया।●

राज्य सरकार एवं इंडियन बैंक के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कार्यक्रम

● गुड्डी साव

मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री की उपस्थिति में 15 अप्रैल को स्टेट गवर्नमेंट सैलेरी पैकेज (SGSP)के तहत राज्य सरकार एवं इंडियन बैंक के साथ एक समझौता ज्ञापन (Mou) पर हस्ताक्षर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि झारखंड सरकार और इंडियन बैंक के मध्य आज से एक नई कड़ी जुड़ रही है। राज्य सरकार और इंडियन बैंक के बीच आज एक अहम समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षर हुआ है, जो स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों के लिए एक महत्वपूर्ण सहायता के रूप में कार्य करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अक्सर मनुष्य के जीवन में अनेक उतार-चढ़ाव आते हैं। कई बार ऐसे अवसर भी आते हैं जब लोग स्वयं को असहाय और निराश महसूस करते हैं, विशेषकर स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के समय ऐसी भावना उत्पन्न होती है। महज कुछ वर्ष पूर्व ही पूरी दुनिया ने कोरोना महामारी का सामना किया। कोरोना एक ऐसी स्वास्थ्य आपदा थी, जिसका प्रारंभिक समय में कोई स्पष्ट समाधान या उपचार उपलब्ध नहीं था। इस महामारी ने न केवल देश, बल्कि पूरी दुनिया को प्रभावित किया और लाखों लोगों ने अपनी जान गंवाई। इसी प्रकार कई ऐसे स्वास्थ्य संबंधित समस्याएं समय-समय पर देखने को मिलता है जो सामान्य, मध्यम एवं गरीब वर्ग के परिवारों के लिए बहुत बड़ी चुनौती बन जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार एवं इंडियन बैंक के बीच आज हुए समझौता ज्ञापन का लाभ वर्तमान समय में एनएचएम सहित स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रहे हजारों कर्मियों को मिलेगा। स्वास्थ्य कर्मियों के लिए यह एमओयू एक अत्यंत उपयोगी और लाभकारी पैकेज है। इससे स्वास्थ्य कर्मियों का मनोबल अवश्य बढ़ेगा। कई बार स्वास्थ्य कर्मियों को संक्रमण के खतरे

वाले क्षेत्रों में कार्य करना पड़ता है और वे बड़े जोखिम उठाकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। ऐसे में उनका बीमा और वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित होना आवश्यक है, ताकि वे निर्भीक होकर अपना कार्य कर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि निश्चित रूप से इंडियन बैंक के साथ हुए समझौता ज्ञापन के अंतर्गत आने वाले पैकेज का लाभ लेकर एनएचएम स्वास्थ्य कर्मी खुशी और मजबूती के साथ अपना योगदान देंगे। मुख्यमंत्री ने इंडियन बैंक के सभी पदाधिकारियों को शुभकामना देते हुए कहा कि आज राज्य सरकार के साथ इंडियन बैंक कदम बढ़ा रही है। वर्तमान में बैंक की योजनाओं का लाभ और सहायता राज्य सरकार में कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों को मिलेगा, इसके अलावा भी राज्य के सर्वांगीण विकास में इंडियन बैंक की भूमिका रहेगी ऐसा मुझे पूरा विश्वास है। आने वाले समय में डिजिटल व्यवस्था के विस्तार के साथ बैंकिंग सेवाओं से

न केवल सरकारी कर्मचारी, बल्कि श्रमिक वर्ग भी व्यापक रूप से जुड़ेगा। ऐसी स्थिति में बैंकों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग एवं NHM के सभी कर्मियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि वे इस विशेष पैकेज का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। इस अवसर पर वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, स्वास्थ्य मंत्री डॉ० इरफान अंसारी, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव, अजय कुमार सिंह, वित्त विभाग के सचिव प्रशांत कुमार, इंडियन बैंक एमडी-सीईओ बिनोद कुमार सहित अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे।●

खिजरी विधायक ने किया आधार सेवा केन्द्र का उद्घाटन

● गुड्डी साव

रांची नामकुम प्रखण्ड परिसर में CSC e&Governance Services India Limited द्वारा संचालित आधार सेवा केंद्र का 11 अप्रैल को विधिवत उद्घाटन खिजरी विधायक सह कांग्रेस विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप ने किया। मौके पर विधायक ने कहा कि आज के दिन में सभी को आधार का होना अनिवार्य है। अब नामकुम प्रखण्ड परिसर में आधार केन्द्र खुल जाने से सभी को सुविधा उपलब्ध हो जायेगा। उद्घाटन समारोह में Unique Identification Authority of India के निदेशक नीरज कुमार द्वारा के द्वारा बताया गया कि इस आधार केन्द्र में 18 साल के नीचे का सभी प्रकार काम होगा। सभा संबोधन करते हुए प्रखण्ड प्रमुख आशा कच्छप ने कहा कि प्रखण्ड वासियों को आधार केन्द्र खुलने से

सुविधाएं मिलेंगी। आपको बता दें कि यह आधार सेवा केंद्र क्षेत्र के नागरिकों को आधार नामांकन, अद्यतन एवं सुधार जैसी विभिन्न सेवाएं सुलभ एवं सुगम तरीके से उपलब्ध कराएगा। इससे नामकुम एवं आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को काफी सुविध ा होगी तथा डिजिटल सेवाओं की पहुंच को और सुदृढ़ किया जा सकेगा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों ने आधार की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए ब्ै के माध्यम से अंतिम पंक्ति तक सेवाएं पहुंचाने के प्रयासों की सराहना की। यह पहल डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देने और आम नागरिकों को सरकारी सेवाओं तक सहज पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।●

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित क्षमता निर्माण कार्यशाला का शुभारंभ

● गुड्डी साव

रांची में 15 अप्रैल को ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत श्रैस्टै द्वारा आयोजित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित क्षमता निर्माण कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। यह केवल एक प्रशिक्षण नहीं, बल्कि झारखंड के ग्रामीण विकास को तकनीक के साथ जोड़कर एक नए युग में प्रवेश कराने का मजबूत संकल्प है। इस पहल के तहत 450 से अधिक प्रतिभागियों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है, साथ ही एक सक्षम मास्टर ट्रेनर्स का समूह तैयार किया

जा रहा है, जो इस बदलाव को जमीनी स्तर तक पहुंचाएगा। राज्य से लेकर ब्लॉक स्तर तक AI आधारित प्रशिक्षण से कार्य प्रणाली में गति, पारदर्शिता और जवाबदेही को नई मजबूती मिलेगी। योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन, डेटा आधारित निर्णय और प्रभावी मॉनिटरिंग अब सिर्फ लक्ष्य नहीं, बल्कि वास्तविकता बनने जा रही है। सबसे महत्वपूर्ण इस पहल का सीधा लाभ हमारी दीदियों को मिलेगा। तकनीक से जुड़कर वे न केवल अपनी उत्पादकता बढ़ाएंगी, बल्कि आत्मनिर्भरता की दिशा में नए अवसर भी गढ़ेंगी। यह सिर्फ प्रशिक्षण नहीं, बल्कि सशक्त झारखंड की ओर एक निर्णायक कदम है।●

विभागीय समीक्षात्मक बैठक में शामिल हुए मंत्री योगेंद्र

● गुड्डी साव

पेयजल एवं स्वच्छता तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद कांके में आयोजित विभागीय समीक्षात्मक बैठक में शामिल हुए।

बैठक का उद्देश्य जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) चरण-2 के अंतर्गत राज्य में संचालित योजनाओं एवं गतिविधियों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करना था। बैठक में विभागीय अधिकारियों द्वारा विभिन्न योजनाओं की वर्तमान स्थिति, उपलब्धियों, चुनौतियों तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। इस दौरान मंत्री ने योजनाओं के समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया।

बैठक में निम्नलिखित प्रमुख बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा की गई :-

☞ जल जीवन मिशन (JJM) 2.0 के उद्देश्यों तथा सेंट्रल पब्लिक हेल्थ एंड एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग ऑर्गनाइजेशन (CPHEEO) की नियमावली पर ब्रीफिंग। आगामी गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए जनता को निरंतर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खराब चापाकलों की मरम्मती कार्य को और अधिक तेज करने, खराब चापाकलों की शिकायत पर त्वरित कार्य करने के भी निर्देश दिए।

☞ 01 अप्रैल 2026 तक राज्य में ट्यूबवेल मरम्मत की स्थिति की समीक्षा।

☞ ट्यूबवेल मरम्मत कार्य में लगी टीमों एवं वाहनों की डिवीजन-वार उपलब्धता एवं कार्य प्रगति।

☞ SVS एवं SVS क्लस्टर योजनाओं की प्रगति।

☞ MVS योजनाओं की स्थिति, जिसमें गैर-जल जीवन मिशन योजनाएँ जैसे DMFT, कल्याण आदि शामिल हैं।

☞ जल जीवन मिशन के तहत 100 करोड़ रुपये एवं उससे अधिक लागत वाली परियोजनाओं की प्रगति।

☞ SVS, SVS क्लस्टर एवं डटै योजनाओं की कार्यक्षमता की स्थिति।

☞ हर घर जल' से आच्छादित गांवों की प्रगति तथा योजनाओं को टैंब/डटॅब को हस्तांतरण की स्थिति।

☞ RPWSS ID निर्माण की प्रगति।

☞ MVS योजनाओं हेतु डटॅब गठन की स्थिति।

☞ जल सेवा आकलन के अंतर्गत जिला सुधार योजना तथा उसकी स्वीकृति हेतु DWSC बैठकों की स्थिति।

☞ सभी प्रमंडल स्तर पर नियंत्रण कक्ष हेतु स्वतंत्र संपर्क नंबर जारी करने का निर्देश।

☞ एक-दूसरे की योजनाओं की क्रियाशीलता की जांच करने का निर्देश दिया गया।

☞ SBM-G के लिए उपयोगिता प्रमाणपत्र की समीक्षा।

इस दौरान मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य के प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किए जाएँ। उन्होंने यह भी कहा कि जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन केवल योजनाएँ नहीं, बल्कि ग्रामीण जीवन स्तर में व्यापक सुधार का माध्यम हैं। इनके सफल संचालन से गांवों में स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं समग्र विकास को नई गति मिलेगी। बैठक में विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, अभियंता एवं विभिन्न जिलों के संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।●

संथाली भाषा एवं साहित्य हमारे देश की समृद्ध जनजातीय विरासत

● गुड्डी साव

झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने सिद्धो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका के स्नातकोत्तर संताली विभाग द्वारा आयोजित 47 याक् संताली साँवहेंत माहाँ सेमेलत् 2026 भैंया हाँसदाक् चासा विशेष कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। रवींद्रनाथ महतो ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि संथाली भाषा एवं साहित्य हमारे देश की समृद्ध जनजातीय विरासत का महत्वपूर्ण आधार है, जो हमारी सांस्कृतिक पहचान, परंपराओं और जीवन मूल्यों को संजोए रखता है। इस अवसर पर प्रख्यात संथाली साहित्यकार भैया हांसदा दादा को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी सशक्त लेखनी के माध्यम से संथाली भाषा को नई ऊँचाइयाँ प्रदान की है और साहित्य के माध्यम से समाज की समस्याओं एवं सांस्कृतिक चेतना को अभिव्यक्त किया। उनका साहित्यिक योगदान आज भी नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मौके पर अध्यक्ष ने आयोजन समिति, विद्वानों एवं प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित किया। साथ ही कहा कि

आशा है ऐसे समारोह एवं स्मारिका संथाली भाषा और साहित्य के संवर्धन में नई ऊर्जा का संचार करेंगे।●

सदा के लिए प्रभु की गोद में सो गए ज्योति प्रकाश तिग्गा

● ओम प्रकाश

बिशप हार्टमैन अकादमी के गलियारों में हमेशा एक जाना-पहचाना चेहरा नजर आता था। सधी हुई आवाज, बच्चों से अपनापन और काम को लेकर सख्त अनुशासन। यही पहचान थी स्कूल के उप-प्राचार्य ज्योति प्रकाश तिग्गा की। लेकिन 13 अप्रैल की शाम वह चेहरा हमेशा के लिए खामोश हो गया। उनके अचानक निधन की खबर जैसे ही फैली, स्कूल से लेकर शिक्षा जगत तक गहरी उदासी छा गई।

☞ **स्कूल का हर कोना जहां उनकी मौजूदगी महसूस होती थी :-** बिशप हार्टमैन अकादमी में पढ़ने वाले बच्चों के लिए ज्योति प्रकाश तिग्गा सिर्फ उप-प्राचार्य नहीं थे, वे एक ऐसे मार्गदर्शक थे जो पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों के व्यवहार, अनुशासन और आत्मविश्वास पर भी उतना ही ध्यान देते थे। कई शिक्षक बताते हैं कि वे रोजाना कक्षाओं का निरीक्षण करते, बच्चों से बात करते और जरूरत पड़ने पर खुद समझाते थे। स्कूल में कोई बच्चा परेशान हो या किसी को पढ़ाई में दिक्कत हो,तो फादर ज्योति प्रकाश तिग्गा बिना समय देखे उसकी मदद करने पहुंच जाते थे। उनकी ये आदत उन्हें बाकी लोगों से अलग बनाती थी।

☞ **बच्चों के भविष्य के लिए लगातार सोचते रहते थे :-** स्कूल के स्टाफ बताते हैं कि ज्योति प्रकाश तिग्गा हमेशा स्कूल को बेहतर बनाने की सोच में लगे रहते थे। छात्रों के लिए नई गतिविधियां शुरू करना, पढ़ाई के स्तर को मजबूत करना, परीक्षा की तैयारी को व्यवस्थित करना और बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाना, यह सब उनके काम का हिस्सा था। उनके कार्यकाल में स्कूल में कई ऐसे बदलाव हुए जिनसे विद्यार्थियों को सीधा फायदा मिला। शिक्षक कहते हैं कि वे हमेशा कहते थे, "बच्चों को सिर्फ किताबें नहीं, जिंदगी भी पढ़ानी है।"

☞ **हादसे से पहले भी वही जिम्मेदारी निभा रहे थे :-** 13 अप्रैल की शाम भी वह किसी निजी काम से नहीं, बल्कि अपने काम के कारण ही वहां पहुंचे थे। चर्च परिसर में निर्माण कार्य चल रहा था और जानकारी के अनुसार वे उसी निर्माण स्थल का निरीक्षण करने गए थे। बताया जा रहा है कि उस समय वहां कुछ ब्रादर खेल रहे थे और ज्योति प्रकाश तिग्गा निर्माण की स्थिति देखने अकेले चले गए। काफी देर तक जब वे वापस नहीं लौटे तो लोग चिंतित हुए और उन्हें देखने पहुंचे।

☞ **जब लोग पहुंचे, तो नीचे पड़ा मिला उनका शरीर :-** जो लोग उन्हें देखने गए, उनके लिए वह दृश्य बेहद डरावना था। बताया जा रहा है कि वे निर्माण स्थल पर नीचे गिरे हुए मिले। आशंका जताई जा रही है कि वे फिसलकर नीचे गिर गए और सिर में गंभीर चोट लग गई। लोगों का कहना है कि वहां एक नया बालकनी और सीढ़ी वाला हिस्सा बना हुआ था। उस जगह पर सुरक्षा के लिए रेलिंग पूरी तरह नहीं लगी थी। माना जा रहा है कि संतुलन बिगड़ने पर वह नीचे गिर गए।

☞ **अस्पताल ले जाया गया, लेकिन बचाया नहीं जा सका :-** घटना के बाद उन्हें तुरंत इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की गई। यह खबर जैसे ही स्कूल पहुंची, वहां एकदम सन्नाटा छा गया। शिक्षक, कर्मचारी और छात्र विश्वास नहीं कर पा रहे थे कि जिनसे वे रोज मिलते थे, आज वे नहीं रहे।

☞ **ओडिशा से झारखंड तक का सफर, शिक्षा सेवा की पहचान :-** ज्योति प्रकाश तिग्गा मूल रूप से ओडिशा के रहने वाले थे। लेकिन उन्होंने झारखंड को अपना कर्मक्षेत्र बनाया और लंबे समय तक शिक्षा सेवा में योगदान दिया। लोग बताते हैं कि वे काम को लेकर बेहद ईमानदार थे। समय के पाबंद, नियमों के सख्त, लेकिन बच्चों के प्रति नरम दिल। यही वजह थी कि स्कूल के कई छात्र उन्हें डर के साथ-साथ सम्मान से भी देखते थे।

☞ **छात्रों के बीच भी छा गया सन्नाटा :-** उनके निधन की खबर के बाद स्कूल के कई छात्र भावुक नजर आए। कुछ बच्चों ने बताया कि वे हमेशा कहते थे कि मेहनत से बड़ा कोई रास्ता नहीं होता। कई छात्रों ने यह भी कहा कि वे पढ़ाई के साथ-साथ खेल और अनुशासन को भी उतनी ही अहमियत देते थे।

☞ **शिक्षा जगत ने बताया अपूरणीय क्षति :-** शिक्षा जगत से जुड़े कई लोगों ने उनके निधन पर शोक जताया है। लोगों का कहना है कि यह सिर्फ एक व्यक्ति की मौत नहीं, बल्कि शिक्षा क्षेत्र में एक मजबूत स्तंभ का टूट जाना है।

☞ **स्कूल में अब भी उनकी कमी महसूस हो रही है :-** बिशप हार्टमैन अकादमी में आज भी कई लोग यह मानने को तैयार नहीं कि ज्योति प्रकाश तिग्गा अब नहीं रहे। उनके कमरे का दरवाजा, उनकी फाइलें, उनकी कुर्सी, सब कुछ वैसा ही है, लेकिन वह आवाज अब सुनाई नहीं देगी जो रोज बच्चों को सही रास्ता दिखाती थी। उनके जाने के बाद स्कूल ने सिर्फ एक उप-प्राचार्य नहीं खोया, बल्कि एक ऐसा इंसान खो दिया जिसने अपने काम से हजारों बच्चों के भविष्य को दिशा दी।

☞ **खूंटी में हुआ अंतिम संस्कार :-** स्कूल के प्रिंसिपल ओसवाल मार्था ने बताया कि ज्योति प्रकाश तिग्गा का अंतिम संस्कार 15 अप्रैल को शाम 3 बजे खूंटी में किया गया। स्कूल प्रशासन और स्टाफ के कई लोग अंतिम विदाई में शामिल हुए। ●

स्पेशल टीम ने प्रिंस खान के गुर्गों को मारी गोली

● ओम प्रकाश

झारखंड में अपराधियों के खिलाफ पुलिस का कड़ा प्रहार जारी है। धनबाद का इलाका सुबह सुबह गोलियों की तड़तड़ाहत से गुंज उठा और सनसनी फैल गई। जब रांची के एसएसपी राकेश रंजन और धनबाद एसएसपी प्रभात कुमार ने संयुक्त अभियान के तहत कुख्यात प्रिंस खान गिरोह के अपराधियों को मुठभेड़ में गोली मारकर लंगड़ा कर दिया। यह मुठभेड़ न केवल पुलिस की बहादुरी का प्रमाण है, बल्कि अपराधियों के लिए एक कड़ी चेतावनी भी है कि कानून के हाथ बहुत लंबे होते हैं।

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि रांची के एयरपोर्ट थाना क्षेत्र में हुए सनसनीखेज हत्या के आरोपी धनबाद के पुटकी थाना अंतर्गत भागाबांध ओपी इलाके में छिपे हुए हैं। ये अपराधी न केवल हत्या में शामिल थे, बल्कि इलाके के व्यापारियों से लगातार रंगदारी (लेवी) मांगकर दहशत फैला रहे थे। सूचना मिलते ही रांची के एसएसपी राकेश रंजन और धनबाद एसएसपी प्रभात कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। जैसे ही पुलिस की टिम ने इलाके की घेराबंदी शुरू की, वैसे ही खुद को घिरा देख अपराधियों ने आव देखा न ताव और पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी मोर्चा संभाला। इस दौरान दो अपराधी गोली लगने से घायल हो गए, जबकि एक अन्य भागने की कोशिश में गिर पड़ा और उसका पैर टूट गया। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया। पुलिस को पहले से सूचना मिली थी कि प्रिंस गिरोह के सक्रिय सदस्य छिपे हुए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस घटना स्थल पर पहुँच कर घेर बंदी कर दी। पुलिस ने इस कार्रवाई में प्रिंस खान गिरोह के तीन प्रमुख शूटरों को गिरफ्तार किया है-

- ☞ विक्की डोम: मुठभेड़ में घायल।
- ☞ अमन सिंह उर्फ कुबेर: मुठभेड़ में घायल।
- ☞ अफजल उर्फ अमन: भागने की कोशिश में चोटिल।

तीनों अपराधी रांची के उस चर्चित एयरपोर्ट थाना हत्याकांड के मुख्य आरोपी हैं, जिसमें शनिवार की रात एक होटल संचालक के

भाई की निर्मम हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद से ही पुलिस की साख दांव पर थी और प्रशासन ने भी इन गुर्गों की तलाश में दिन-रात एक कर दिया था। क्रॉस फायरिंग के दौरान दो अपराधियों को पैर में गोली लग गई, जबकि तीसरा अपराधी भागने के दौरान गिरकर घायल हो गया और उसका पैर टूट गया। घायल अपराधियों की पहचान अमन सिंह उर्फ कुबेर, जो पलामू का रहने वाला बताया जा रहा है, जबकि विक्की डोम और अफजल उर्फ अमन धनबाद के निवासी हैं। बता दे कि प्रिंस खान, जो वर्तमान में विदेश में बैठकर झारखंड में अपना रंगदारी का साम्राज्य चला रहा है, उसके गुर्गों का इस तरह पकड़ा जाना एक बड़ी उपलब्धि है। धनबाद एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि"प्रिंस खान के गुर्गे लगातार कोयलांचल के कारोबारियों को डरा-धमका रहे थे। इस मुठभेड़ से गिरोह की कमर टूट गई है। पुलिस इनके पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने की दिशा में काम कर रहे हैं।" रांची में हुई हत्या के बाद से राजधानी और धनबाद के व्यापारियों में डर का माहौल था। पुलिस की इस त्वरित और साहसिक कार्रवाई ने जनता के विश्वास को दोबारा जगाया है। पुलिस अब इन शूटरों से यह उगलवाने की कोशिश कर रही है कि उनके अगले निशाने पर कौन था और उन्हें हथियार और पनाह कौन दे रहा था। पुलिस इन अपराधियों के पुराने इतिहास को भी खंगाल रही है ताकि उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जा सके।

❖ **चर्चित टीटॉस रेस्टोरेंट हत्याकांड में पुलिस ने प्रिस खान गिरोह के कुख्यात अपराधी शूटर सचिन यादव को किया गिरफ्तार, जमानत पर निकला था बाहर :-** रांची के एयरपोर्ट थाना इलाके में 7 मार्च की रात को टीटॉस रेस्टोरेंट में घुसकर अपराधियों ने फायरिंग और हत्या की वारदात को अंजाम दिया था। जिसमें मनीष गोप नाम के वेटर की मौत हो गई थी।इस हत्याकांड का खुलासा करते हुए पुलिस ने प्रिंस खान गिरोह के कुख्यात अपराधी शूटर सचिन यादव को गिरफ्तार कर लिया है। बता दे कि 7 मार्च को टीटॉस रेस्टोरेंट में हुई गोलीबारी में सचिन यादव भी शामिल था। सचिन यादव ने ही प्रतिष्ठान पर फायरिंग की थी। मामले में पुलिस ने मुख्य शूटर सचिन यादव को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी दशम फॉल इलाके से हुई है। पुलिस ने एक कट्टा, तीन गोली और कपड़ा बरामद किया है।

रांची के सिटी एसपी पारस राणा ने प्रेसवार्ता में बताया कि पिछले साल 27 दिसंबर

को ग्राम लोधमा स्थित टीटॉस रेस्टोरेंट के मालिक राजकुमार गोप, उनके दो साथी पुष्कर महतो और पिंटु कच्छप को संगठित आपराधिक गिरोह प्रिंस खान द्वारा इंटरनेट कॉल के माध्यम से ऑडियो मैसेज भेज कर एक करोड़ रंगदारी की मांग की गई थी। पैसे नहीं देने पर लगातार धमकियां दी जा रही थी।इसी क्रम में जब रंगदारी के पैसे नहीं मिले तो प्रिंस खान ने अपने गिरोह के लड़कों के माध्यम से 7 मार्च 2026 को The Titos Restaurant में फायरिंग करवाई थी, जिसमें रेस्टोरेंट के एक स्टाफ को गोली लगी और उसकी मृत्यु हो गई थी। जिसके बाद मामले का खुलासा करने के लिए रांची के एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर एक एसआईटी का गठन किया गया। एसआईटी टीम द्वारा त्वरित कर्रवाई करते हुए घटना में संलिप्त अपराधियों में से पांच अपराधियों को गिरफ्तार कर पूर्व में ही जेल भेजा जा चुका है। अनुसंधान के क्रम में गिरफ्तार अभियुक्तों द्वारा घटना कारित करने वाले प्रमुख शूटर के रुप में सचिन यादव का पहचान की गई। जिसके विरुद्ध लागातर छापमारी करते हुए एसआईटी द्वारा सचिन यादव को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ

के क्रम में एवं उसकी निशानदेही पर घटना के समय पहने हुए कपड़े एवं हथियार बरामद किया गया है। बरामद हथियार के सबंध में अलग से एयरपोर्ट थाना में कांड सं-15/26 दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है। बताया कि सचिन यादव को रेस्टोरेंट पर फायरिंग करने के लिए एक लाख रुपए मिलने वाले थे। लेकिन फायरिंग के बाद भी उसे एक लाख रुपये नहीं मिले।

सिटी एसपी में आगे बताया कि सचिन यादव (स्व० पवन यादव, सा० करकेन्द बाजार थाना पुटकी, जिला धनबाद) का आपराधिक इतिहास रहा है। वह जमानत पर बाहर निकला हुआ था। उसके ऊपर कुल आठ मामले दर्ज हैं। जोगता थाना कांड सं0-45/17 धारा-396 भा०द०वि० एवं 27 आर्स एक्ट, राजगंज थाना कांड सं0- 0/17 धारा-395 भा०द०वि०, बैंक मोड़ थाना कांड सं0-15/21,धारा-385/ 387/34/ 12 बी० भा०द०वि०, पुटकी थाना कांड सं०-71/ 23 धारा-379 भाद०वि, पुटकी थाना कांड सं-70/2२ धारा-379 भा०द०वि०, पुटकी थाना कांड सं0-55123 धारा-385/34, भा०द०वि०, बैंक मोड़ थाना कांड सं0-227/23, धारा-379/414/34 भा०द०वि० और बैंक मोड़ थाना कांड सं०-18/25, धारा-351 (2)/61 (2)/3 (5) BNS एवं 25 (1-B)a/26/35 Arms Act-4/5/6 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम शामिल है। वहीं तकनीकी साक्ष्य के आधार पर मुख्य शूटर की पहचान सचिन यादव के रूप में हुई लगातार छापेमारी के बाद 28 मार्च 2026 को उसे गिरफ्तार कर लिया गया।●

पेट्रोलिंग को लेकर सख्त हुए एसएसपी

● ओम प्रकाश

रांची जिले में पुलिस पेट्रोलिंग व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए रांची के एसएसपी राकेश रंजन ने कम्पोजिट कंट्रोल रूम में एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में जिले में चल रहे सभी पेट्रोलिंग वाहनों की गतिविधियों पर आधुनिक तकनीक के जरिए प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

☞ **पेट्रोलिंग वाहनों में लगाया गया जीपीएस सिस्टम' :-** बैठक में बताया गया कि जिले के सभी पेट्रोलिंग वाहनों में जीपीएस सिस्टम लगाया जा चुका है। इस सिस्टम के जरिए पुलिस को हर वाहन की लोकेशन, मूवमेंट, किस दिशा में जा रहा है, गंतव्य तक पहुंचने में कितना समय लगेगा जैसी पूरी जानकारी मिल रही है। यह जानकारी पूरी तरह सटीक और रियल टाइम में उपलब्ध हो रही है।

☞ **कंट्रोल रूम से होगी सीधी निगरानी' :-** एसएसपी ने बताया कि इन सभी वाहनों की निगरानी अब सीधे कम्पोजिट कंट्रोल रूम से की जा रही है। इससे पुलिस अधिकारियों को यह तुरंत पता चल सकेगा कि किस इलाके में कौन-सी गाड़ी मौजूद है और कहां पेट्रोलिंग कमजोर है। पुलिस का कहना है कि इस व्यवस्था

से हर गतिविधि पर लगातार नजर रखी जा सकेगी।

☞ **इमरजेंसी में तुरंत पहुंचेगी पुलिस' :-** इस तकनीकी व्यवस्था का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि आपातकालीन स्थिति में पुलिस जल्दी से प्रतिक्रिया दे सकेगी। किसी भी घटना की सूचना मिलते ही कंट्रोल रूम से नजदीकी पेट्रोलिंग वाहन को निर्देश देकर तुरंत घटनास्थल पर भेजा जा सकेगा। इससे घटना स्थल पर पुलिस की शीघ्र पहुंच सुनिश्चित होगी और समय पर कार्रवाई संभव हो पाएगी।

☞ **अपराध नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था होगी मजबूत' :-** पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इस हाईटेक निगरानी प्रणाली से अपराध नियंत्रण में मदद मिलेगी। साथ ही आम लोगों को सुरक्षा का भरोसा भी बढ़ेगा। एसएसपी ने कहा कि इस तकनीक के सही इस्तेमाल से पुलिसिंग व्यवस्था अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और प्रभावी बन सकेगी।

☞ **अधिकारियों को दिए गए निर्देश' :-** बैठक में एसएसपी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे जीपीएस आधारित इस प्रणाली का पूरी तरह उपयोग सुनिश्चित करें। किसी भी लापरवाही या तकनीकी व्यवस्था को नजरअंदाज करने पर कार्रवाई भी हो सकती है।

☞ **बैठक में ये अधिकारी रहे मौजूद' :-** इस बैठक में रूरल एसपी प्रवीण पुष्कर, सिटी एसपी पारस राणा, ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह, शहरी क्षेत्र एवं यातायात के सभी डीएसपी और जिले के विभिन्न थाना प्रभारी मौजूद थे।●

जन्मदिन की रात लूट ली छात्रा की आबरू

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची में एक बर्थडे पार्टी के दौरान मेडिकल की पढ़ाई कर रही एक छात्रा के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए न सिर्फ मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है बल्कि पीड़िता की सहेली और उसके एक अन्य दोस्त को भी गिरफ्तार किया है। पीड़िता की सहेली के फ्लैट में ही उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया था। इस घटना ने सबको चौंका दिया। दोस्तों के बीच मनाया जा रहा जश्न एक महिला के लिए डरावना अनुभव बन गया। आरोप है कि पार्टी में ही उसे नशीला पदार्थ देकर दुष्कर्म किया गया। जिसके बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी राकेश रंजन के द्वारा घटना में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए प्रशिक्षु आईपीएस साक्षी जमुआर के नेवृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया गया था। छापेमारी दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना में संलिप्त दो अभियुक्तों दानिश एवं फहद को पश्चिम बंगाल भागने के क्रम में खड़गपुर से गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक अन्य सह आरोपी पीड़िता की सहेली को जगरनाथपुर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। वहीं घटना में संलिप्त एक अन्य अभियुक्त शादाब फरार चल रहा है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

☞ **ऐसे सामने आया मामला :-** सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि बीते 12 अप्रैल की रात पुलिस को सूचना मिली थी कि एक महिला अस्पताल में भर्ती है और उसके साथ गलत हुआ है। उस समय महिला की हालत ठीक नहीं थी, इसलिए तुरंत बयान नहीं लिया जा सका। अगले दिन जब उसकी तबीयत थोड़ी संभली, तब उसने पूरी घटना बताई।

☞ **पार्टी में बिगड़ी तबीयत, फिर हुआ गलत :-** लालपुर थाने में दर्ज एफआईआर में पीडिता ने बताया कि वह राँची में रहकर मेडिकल की पढाई कर रही है। 9 अप्रैल को उसकी एक दोस्त ने एक अपार्टमेंट में अपने जन्मदिन की पार्टी में बुलाया था, वह शाम मे पार्टी में पहुंची थी। रात के आठ बजे के करीब केक काटा गया, उस दौरान वहां पर सादाब नाम का युवक अपने दो दोस्त फवाद और दानिश के साथ मौजूद था। केक खाने के बाद उसे थोडी सुस्ती सी आने लगी और भूख भी लगने लगी। इसी बीच दानिश ने उसे पिज्जा खाने को दिया, जिसका एक टुकडा उसने खा लिया। पिज्जा खाते ही उसे नशा सा होने लगा। आंख के सामने अंधेरा सा छाने लगा। तबियत ठीक नहीं लगने पर वो फ्लैट के एक कमरे में जाकर आराम करने लगी कुछ देर बाद दानिश उसी कमरे में आया और पूछने लगा की अब कैसा लग रहा है, इस पर छात्रा ने कहा कि उसे नशा जैसा लग रहा है। इसी बीच दानिश ने मेरी बेहोशी का फायदा उठाकर मेरे साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान उसने अपने आप को बचाने की बहुत कोशिश की लेकिन नशे की वजह से वह बेहोशी की हालत में चली गई। इसी हालत का फायदा उठाकर आरोपी दानिश ने उसके साथ जबरदस्ती की।

☞ **भागने के क्रम में दो आरोपी, खड़गपुर से पकड़े गए :-** मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत टीम बनाकर छापेमारी शुरू की। जांच के दौरान पता चला कि दो आरोपी भागने की फिराक में हैं। पुलिस ने पीछा कर उन्हें पश्चिम बंगाल के खड़गपुर से गिरफ्तार कर लिया। वहीं एक महिला आरोपी ओली विश्वकर्मा को रांची से ही पकड़ा गया।

☞ **सबूत छुपाने की कोशिश :-** जांच में यह भी सामने आया है कि घटना के बाद आरोपियों ने मामले को दबाने की कोशिश की। पीड़िता को भी कहा गया कि पुलिस में शिकायत न करे। कुछ लोगों ने सबूत मिटाने की भी कोशिश की, लेकिन पुलिस ने समय रहते कार्रवाई कर दी। इस पूरे मामले में एक और आरोपी शादाब का नाम सामने आया है, जो अभी फरार है। पुलिस उसकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस का कहना है कि इस मामले में जो भी दोषी होगा, उसे छोड़ा नहीं जाएगा। पार्टी में मौजूद बाकी लोगों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। सभी पहलुओं पर जांच चल रही है।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

नशे के सौदागरों का नेटवर्क हुआ ध्वस्त, लाखों का डोडा और तैयार अफीम हुआ जब्त

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची के नामकुम थाना क्षेत्र में पुलिस ने नशे के तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने रांची के नामकुम इलाके से 85 लाख रुपये का डोडा, 3.50 लाख के अफीम के साथ साथ ढाई लाख रुपये नकद बरामद किया हैं। इस कार्रवाई में एक तस्कर भी गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्कर का नाम मनीष तिर्की है। वह डोडा और अफीम की तस्करी करने वाले एक संगठित गिरोह का सदस्य है। बता दें कि रांची के एसएसपी राकेश रंजन को मिली सूचना के आधार पर नशे के तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। इस पूरे मामले की जानकारी देते हुए रांची के ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर ने प्रेस वार्ता में बताया कि सूचना प्राप्त हुई कि नामकुम थानान्तर्गत ग्राम-बुदरी में एक गिरोह के द्वारा अफीम एवं डोडा की तस्करी की जा रही है तथा उनके पास अवैध अफीम एवं डोडा छुपा कर रखा हुआ है। जिसके सत्यापन के बाद की गई छापामारी के क्रम में नामकुम थाना क्षेत्र के ग्राम-बुदरी स्थित मनीष तिर्की के पक्का/कच्चा मकान से विभिन्न रंग के

प्लास्टिक के बोरा में भरा हुआ डोडा कुल-31 बोरा एवं मकान परिसर में खडी सफेद रंग के महिन्द्रा बोलेरो गाड़ी (नं0-JH05AS-1583) से कुल चार प्लास्टिक भरा हुआ डोडा बरामद किया गया। जिसका कुल वजन-566.5 kg पाया गया। आगे की तलाशी के क्रम में मनीष तिर्की के घर के अंदर रखे अलमीरा के दराज से प्लास्टिक में पैक किया हुआ 700 ग्राम तैयार अफीम, अफीम तौलने के लिए डिजिटल मशीन, नकद रकम-2,28,000/- रुपये, बैंक पासबुक एवं फोन बरामद किया गया। बरामद डोडा, अफीम एवं नकद रुपये के संबंध वैध कागजात की मांग करने पर मनीष तिर्की के द्वारा कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया। जिसके बाद बरामद नशे की खेप को विधिवत जब्त किया गया, साथ ही पकड़ाये व्यक्ति जिसने अपना नाम मनीष तिर्की बताया को विधि वत गिरफ्तार किया गया।

ग्रामीण एसपी ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति से पूछताछ में पता चला कि उसके द्वारा अत्यधिक मुनाफा कमाने के उद्देश्य से अवैध डोडा एवं अफीम के कारोबार के लिए एक सिंडिकेट बनाया गया है, जो मादक पदार्थ का अवैध कारोबार कर रहा है। इस सिंडिकेट में रांची जिला के अलावा खूंटी एवं हजारीबाग जिले के भी सदस्य शामिल है। इस गिरोह के द्वारा अवैध व्यापार के संचालन में नकद लेन-देन के अलावे डिजिटल भुगतान/लेन-देन भी किया जाता है। गिरोह के द्वारा अवैध डोडा एवं अफीम की खरीद स्थानीय स्तर पर की जाती है तथा अन्य जिलों में इसकी सप्लाई सिंडिकेट के माध्यम से की जाती है। इस गिरोह के पास कई चार पाहिया वाहन है, जिन्हें अवैध कारोबार के लिए प्रयोग में लाया जाता है। इस गिरोह में शामिल अन्य सक्रिय सदस्यों को चिन्हित कर उनकी गिरफ्तारी हेतु छापामारी की जा रही है।बताया गया कि जब्त डोडा का अनुमानित मूल्य- 84,97,500 /- रु. एवं जब्त अफीम का अनुमानित मूल्य- 3,50,000/- रु. है।

इस छापेमारी में सीनियर डीएसपी अमर कुमार पांडेय, नामकुम थानेदार इंस्पेक्टर रामनारायण सिंह, एसआई शशि रंजन, धर्मेन्द्र कुमार, जयदेव कुमार सराक, एएसआई संतोष कुमार, जयप्रकाश कुमार, उज्जवल कुमार सिंह, तारकेश्वर प्रसाद केशरी और देवेन्द्र कुमार सिंह की भूमिका सराहनीय रही।●

इंस्टाग्राम में दोस्ती को लेकर नाबालिक की हत्या

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची के रातू थाना क्षेत्र अंतर्गत झखड़ाटांड़ गांव में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 13 साल के बच्ची की हत्या के आरोप में पुलिस ने सुबोध पाठक और उनके पुत्र राहुल पाठक को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने कथित तौर पर लोक-लाज और सामाजिक बदनामी के डर से इस जघन्य अपराध को अंजाम दिया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर एंबुलेंस संख्या (JH-01-AA-1245) और दो मोबाईल फोन बरामद किया है।

मामले की जानकारी देते हुए ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर ने बताया कि 2 अप्रैल की रात करीब 10:30 बजे ग्राम-झखड़ाटांड में ग्रामीणों ने सुबोध पाठक के घर में विगत 8 वर्षों से रह रही लड़की के लापता होने का आरोप लगाकर हंगामा किया। इस संबंध में रातू थाना में (सनहा सं०-34) दर्ज करते हुए पुलिस जांच शुरु किया। तथा लापता लड़की का पता बिहार के औरंगाबाद भेज कर करवाया गया। सुबोध पाठक के घर पर एफएसएल टीम को जांच लिए बुलाया गया। परंतु कुछ भी पता नहीं चलने पर नाबालिक लड़की के लापता रहने से संबंधित रातू थाना (कांड संख्या-111/26) में मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी राकेश रंजन के द्वारा ग्रामीण एसपी के निर्देशन में डीएसपी (मु०) द्वितीय, राँची के नेतृत्व में टीम का गठन कर आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया।

टीम ने जब गहराई से जांच की, तो परतें खुलने लगीं। पुलिस को टोल प्लाजा के सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्य मिले। कड़ी पूछताछ के दौरान आरोपी सुबोध पाठक और राहुल पाठक ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उन्होंने बताया कि नाबालिग लड़की की हत्या कर दी थी और हत्या के बाद शव को एंबुलेंस (JH-01-AA-1245) से गया ले जाकर दाह संस्कार कर दिया। आगे की पुछ-ताछ में सुबोध पाठक एवं राहुल पाठक ने बताया कि मृतका इंस्टाग्राम के माध्यम से राहुल पाठक के साला के संपर्क में थी तथा इंस्टाग्राम पर दोस्ती काफी गहरी हो गई थी।दोनों के बीच की बढ़ती नजदीकी और बातचीत से परिवार को अपनी लोक-लाज खोने का डर सता रहा था। इसी कारण उन्होंने साजिश रच लड़की को रास्ते से हटा दिया। जिसके बाद पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी सुबोध पाठक और राहुल पाठक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।साथ ही घटना में प्रयुक्त एम्बुलेंस और दो मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। एंबुलेंस चालक पिंटू कुमार सिंह ने बताया कि सुबोध पाठक ने उसे यह कहकर गुमराह किया था कि उसकी 13 वर्षीय बेटी की मृत्यु हो गई है और उसका अंतिम संस्कार गया में करना है। इसके बाद मेरे द्वारा पंहुचा दिया गया था।

पुलिस की जांच में पारिवारिक विवाद और प्रेम-प्रसंग की बात सामने आई है। जानकारी के अनुसार, सुबोध पाठक और उसके बेटे के बीच अक्सर विवाद होता था। घटना की रात दोनों के बीच झगड़ा हुआ, जिसमें राजनंदिनी ने अपने फूफा सुबोध का पक्ष लिया। इससे नाराज होकर राजनंदिनी के मुंहबोले भाई राहुल ने उसका गला घोंट दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। बताया जाता है कि बच्ची का राहुल के साले के साथ प्रेम-प्रसंग भी परिवार को नागवार गुजर रहा था, जिसे लेकर भी तनाव था। बता दे कि मृत बच्ची राजनंदिनी मूल रूप से औरंगाबाद जिले के अंबा गांव निवासी दिनेश मइवार की दूसरी पत्नी की बेटी थी। दिनेश मइवार शारीरिक रूप से दिव्यांग हैं और उनकी आर्थिक स्थिति भी कमजोर होने के वजह से परिवार के परिचित रातू निवासी सुबोध पाठक राजनंदिनी को अपने साथ ले आए थे। करीब आठ साल से राजनंदिनी सुबोध पाठक के घर में रह रही थी और उन्हें फूफा कहा करती थी। राजनंदिनी पाठक परिवार को ही अपना असली परिवार मानती थी। इन संदेही गुनहगारों को गिरफ्तार करने में पु०नि०-सह-थाना प्रभारी आदिकांत महतो, पु०अ०नि०- महेश प्रसाद कुशवाहा, पु०अ०नि०- संतोष यादव, पु०अ०नि०- अनुरंजन कुमार, पु०अ०नि०- छोटू कुमार, पु०अ०नि०- विशेश्वर कुमार और रातू थाना रिजर्व गार्ड की अहम भूमिका रही।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

नशे के सौदागरों पर तीखी चोट

एस.पी. प्रवीण के नेतृत्व में तीन तस्कर गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची के नामकुम थाना क्षेत्र स्थित हाईटेंशन मैदान से तीन ब्राउन शुगर तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में रमीज राज, मो. अब्दुल और मो. जफीर उर्फ राजा उर्फ ऋषि शामिल है। इनके पास से कुल 6.4 ग्राम ब्राउन शुगर, ब्राउन शुगर की पुड़िया, मोबाइल फोन और नकद रुपए बरामद हुए है।

ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर ने बताया कि एसएसपी राकेश रंजन को सूचना मिली थी कि नामकुम थाना क्षेत्र अंतर्गत हाईटेंशन मैदान में पावर ग्रिड के सामने कुछ युवकों द्वारा अवैध ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना के आधार पर रूरल एसपी प्रवीण पुष्कर की देखरेख में मुख्यालय वन डीएसपी के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन कर आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया। जिसके बाद डीएसपी अमर पांडेय ने बिना वक्त गंवाए तुरंत टीम को एक्टिव किया और मामले का सत्यापन एवं जांच करने निकल पड़े। सत्यापन और छापेमारी के क्रम में नामकुम स्थित हाईटेंशन मैदान में प्रवेश करने पर देखा गया कि पावर ग्रिड के सामने खाली मैदान में एक ब्लू रंग की कार और उसके बगल में एक स्कूटी तथा एक मोटरसाइकिल खड़ी है और कुछ व्यक्ति कार में संदिग्ध हालत में बैठे हुए पाए गए।निरीक्षण के क्रम में कार में बैठे तीनों युवक पुलिस टीम को अपनी ओर आते देखकर भागने का प्रयास करने लगे,जिसके बाद सीनियर डीएसपी अमर पांडेय के द्वारा इशारा करते ही टीम ने चारों तरफ से घेराबंदी कर दी एवं भागने की कोशिश कर रहे तीनों युवकों को वहीं दबोच लिया गया।

हिरासत में लिए गए तीनों ने अपना नाम रमीज राज, मो. अब्दुल और मो. जफीर उर्फ राजा उर्फ ऋषि बताया।उक्त व्यक्तियों की विधिवत तलाशी लेने पर 03 पुड़िया ब्राउन शुगर (वजन में कुल 6.4 ग्राम), तीन मोबाइल फोन, 4000 रुपये, ब्लू रंग की कार (रजि०नं०-JH1OR-9385), स्कूटी-1 (रजिस्ट्रेशन नं0-JHOIFF-9513), मोटरसाइकिल (रजिस्ट्रेशन नं0-JHOIEV-2343) बरामद किया गया। बरामद किए गए मादक पदार्थ के संबंध में वैध कागजात की मांग करने पर कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया और बरामद कैश के संबंध में ब्राउन शुगर की बिक्री सेप्राप्त रकम होना बतलाया गया। तत्पश्चात उक्त बरामद सामान को विधिवत् जब्त किया गया और तीनों व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार व्यक्तियों से पूछताछ करने पर ज्ञात हुआ कि ये कोई छोटे-मोटे खिलाड़ी नहीं थे। ये लोग संगठित तरीके से नशे का कारोबार चला रहे थे और ज्यादा मुनाफे के लालच में शहर के युवाओं को इसकी गिरफ्त में धकेल रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों में से दो का आपराधिक इतिहास भी सामने आया। पहले भी ये लोग इस तरह के अपराध में शामिल रहे हैं। मामले को लेकर इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी, नामकुम के स्वकथन के आधार पर नामकुम थाना कांड संख्या-91/26 दिनाक 08/04/26, धारा-111(2) (b)/111(3)/111(4) BNS एवं धारा-21(b)/22/29 NDPS Act. दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया है। वही ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर ने आगे कहा कि नशे के कारोबार को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जो भी इसमें शामिल होगा, उसे जेल भेजा जाएगा। नशे के इन सौदागरों को दबोचने में सीनियर डीएसपी अमर कुमार पांडेय, नामकुम थानेदार इंस्पेक्टर रामनारायण सिंह, एसआई जयदेव कुमार सराक, सत्येन्द्र सिंह, जयप्रकाश कुमार, एएसआई उज्जवल सिंह और अंगरक्षक एवं सशस्त्र बल की भूमिका सराहनीय रही।●

मोबाइल चोर गिरोह का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची में पुलिस ने मोबाइल चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। मामले में चुटिया थाना की पुलिस ने कार्रवाई करते हुये तीन शातिर बदमाशों को धर दबोचा है।

❖ **गिरफ्तार आरोपियों में :-**

☞ भागीरथ सिंह, उम्र 23 वर्ष, थाना आरसा, जिला-पुरुलिया, पश्चिम बंगाल।

☞ सूरज सिंह उम्र 19 वर्ष पे० राजू सिंह सा० पिघाटी, थाना आरसा, जिला-पुरूलिया, पश्चिम बंगाल।

☞ कृष्णा माली, उम्र-19 साल, थाना, किच्छा कोतवाली, जिला- रूद्रपुर, उतराखंड शामिल है।

इन बदमाशों के पास से चोरी के16 मोबाइल फोन बरामद किये गए हैं। बता दे कि बीते 27 मार्च को रामनवमी पर्व को लेकर अलग-अलग क्षेत्रो से जुलूस निकाला गया था। जुलूस में शामिल कई लोगों के मोबाइल फोन भीड़ में अचानक गायब हो गये थे। इस संबंध में चुटिया थाना में सनहा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की और मामले में कार्रवाई करते हुए मोबाइल फोन गायब करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। सिटी एसपी पारस राणा ने प्रेस वार्ता में बताया कि चुटिया

थाना क्षेत्र अन्तर्गत 27 मार्च को रामनवमी पर्व को लेकर अलग-अलग क्षेत्रों से जुलूस निकाला गया था। जुलूस में शामिल लोगों में से कुछ लोगों के मोबाइल फोन भीड़ में गुम हो गए। इस संबंध में चुटिया थाना में शिकायत दर्ज की गई और जांच शुरू हुई तब पता चला कि बाहरी राज्य के कुछ लोग भीड़ में घुसकर लोगों के पॉकेट मारकर कर मोबाइल फोन उड़ाने का काम कर रहे हैं।

बीते 31 मार्च की शाम पुलिस की टीम रांची रेलवे स्टेशन के आसपास गश्ती कर रही थी। गश्ती के समय राँची रेलवे स्टेशन के आस-पास सघन जाँच और पुछताछ किया जा रहा था। जांच के कम में 03 संदिग्ध व्यक्यिों से गहन पूछताछ की गई। जिसमें तीनों युवक पश्चिम बंगाल के पुरुलिया इलाके के रहने वाले निकले। पूछताछ के कम में उनके द्वारा बताया गया कि वे अलग-अलग शहरों में जाकर भीड़ वाले

आयोजनों में शामिल होते थे और मौका मिलते ही मोबाइल फोन की चोरी कर लेते थे। बाद में इन मोबाइलों को बंगाल ले जाकर बेच दिया जाता था। इस संबंध में चुटिया थाना कांड सं0-38/26, दिनांक-31.03.2026, धारा-112/317 (5)/3(5) भा०न्या०सं० दर्ज कर अग्रतर अनुसंधान किया जा रहा है। वहीं अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। इस पूरी करवाई में चुटिया थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल शामिल रहे।●

इंस्पेक्टर कुलदीप की सूझबूझ से लापता हिमांशु लौटा अपने घर

● ओम प्रकाश

रांची के दीपा टोली इलाके में नौवीं क्लास का स्टूडेंट हिमांशु मुंडा मम्मी-पापा से कहासुनी के बाद घर छोड़कर चला गया। घर के इकलौते बेटे के अचानक गायब हो जाने से परिवार वालों में हड़कंप मच गया। माता-पिता का रो रो कर बुरा हाल हो गया। बता दे की हिमांशु मुंडा क्राट पब्लिक स्कूल, बरियातू में नौवीं का छात्र है। वह सदर थाना क्षेत्र के दीपा टोली का रहने वाला है। पिता सरकारी नौकरी में हैं और मां प्राइवेट स्कूल में टीचर। हिमांशु उनका इकलौता बेटा है। माता पिता के अनुसार, हिमांशु पिछले कुछ दिनों से चिड़चिड़ा रहने लगा था। घर में उसे समझाया जाता, कभी डांटा भी जाता। लेकिन किसी ने यह नहीं सोचा था कि एक दिन वह गुस्से में घर छोड़कर चला जाएगा।

हिमांशु के गायब होने के 48 घंटे बाद भी जब कोई सुराग नहीं मिला तो घरवाले सदर थाना पहुंचे। मामला थानेदार कुलदीप कुमार के पास पहुंचा। जो इस कड़ी में एक अहम किरदार बनकर सामने आए, उन्होंने न सिर्फ एक पुलिस ऑफिसर का फर्ज निभाया बल्कि एक गार्जियन की तरह परिवार को भरोसा दिया, मामले को समझा और हालात बिगड़ने से पहले ही सबकुछ संभाल लिया। नतीजा यह रहा कि हिमांशु सही सलामत अपने घर लौट आया। इंस्पेक्टर कुलदीप कुमार ने शिकायत दर्ज कर त्वरित कार्रवाई करते हुए टीम भेजकर खुद हिमांशु के घर पहुंचे। वहां उन्होंने हिमांशु के

3-4 दोस्तों से बातचीत की। बच्चे डरे हुए थे। उन्हें डर था कि पुलिस उन्हें भी पकड़ लेगी, पूछताछ करेगी या डांटेगी। लेकिन इंस्पेक्टर ने बच्चों को डांटने की बजाय एक गार्जियन की तरह मोटिवेट किया। उन्होंने बड़े प्यार से बच्चों को समझाते हुए कहा, "डरने और परेशान होने की जरूरत नहीं है। अपने दोस्त को बुला लो। उसे या तुम लोगों को कोई कुछ नहीं कहेगा।" यह बात बच्चों के मन में उतर गई। वही बच्चों की एक्टिविटी देखकर इंस्पेक्टर समझ चुके थे, हिमांशु अपने दोस्तों के संपर्क में है। उन्हें अंदाजा हो गया था कि हिमांशु कहीं बहुत दूर नहीं गया है। वह अपने दोस्तों के संपर्क में होगा। यहीं उनकी सूझबूझ काम आई। उन्होंने दबाव बनाने की जगह भरोसे की रणनीति अपनाई। बच्चों को भरोसे में लिया, डर खत्म किया और दोस्ती के रिश्ते को हथियार बना दिया।

कुछ समय तक समझदारी एवं प्यार से समझने के बाद मोटिवेशन रंग लाया, हिमांशु वापस लौट आया इंस्पेक्टर के शब्दों ने जैसे जादू सा असर किया। फिर दोस्तों ने हिमांशु से संपर्क किया। उसे बताया गया कि उसे कोई कुछ नहीं कहेगा न ही डांट पड़ेगी और नाही कोई मारेगा। बस घर लौट आओ। कुछ समय बाद हिमांशु सामने आया। पुलिस ने उसे रामगढ़ इलाके से बरामद कर लिया और फिर सुरक्षित सदर थाना लाकर परिजनों के हवाले कर दिया। इधर बेटे को देखकर मां रो पड़ी और पिता ने राहत की सांस ली। यह उनकी जिंदगी का सबसे सुखदाई पल था। फिर परिवार के लोगों ने इंस्पेक्टर को दुआओं के साथ धन्यवाद दिया और अपने घर चले गए। इन सब के बाद इंस्पेक्टर कुलदीप ने सभी परिवार वालों से अपील की है कि बच्चों को डांटें नहीं, बात करें। उन्हें दोस्त बनाएं। इस मामले के बाद उन्होंने साफ कहा कि माता-पिता को अपने बच्चों के साथ लगातार बातचीत करनी चाहिए। बच्चों की हर हरकत पर नजर रखना जरूरी है, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी है कि बच्चे खुद अपनी बात खुलकर कह सकें, इस तरह का माहौल बनाएं। उन्होंने आगे कहा कि आजकल बच्चे जल्दी गुस्सा हो जाते हैं और कई बार छोटी बातों को बहुत बड़ा समझ लेते हैं। ऐसे में माता-पिता का व्यवहार और समझदारी ही सबसे बड़ा सहारा बनती है।●

चोरी के आभूषण के साथ तीन गिरफ्तार

राजधानी रांची के लालपुर थाना क्षेत्र में घर से सोने के गहने और मोबाइल चोरी करने के मामले में एक नाबालिग समेत चार आरोपियों को दबोचा गया है। गिरफ्तार आरोपियों में मुन्ना जायसवाल (58), उमंग कुमार साहू (28) और सूजल कुमार (19) शामिल है। मुन्ना जायसवाल लालपुर के पीस रोड का रहने वाला है। उमंग कुमार साहू कोकर के जतरा टांड़ और सूजल कुमार सुभाष चौक का रहने वाला है। वही एक नाबालिग को निरुद्ध किया गया है। पुलिस की कार्रवाई में चोरी के गहनों के साथ तीन मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं।

☞ **नाबालिग निकला मास्टरमाइंड :-** इस पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह रहा कि मामले की कड़ी एक नाबालिग से जुड़ी थी। पुलिस ने जब उसे कस्टडी में लेकर पूछताछ किया तो उसने एक-एक करके सारा राज खोल दिया, फिर उसकी निशानदेही पर ताबड़तोड़ छापेमारी कर बाकी आरोपियों को भी दबोचा गया। बताया जा रहा है कि मुन्ना जायसवाल का पहले से आपराधिक इतिहास रहा है, जबकि नाबालिग पर भी पहले केस दर्ज हो चुका है।

☞ **25 मार्च को दिया था घटना को अंजाम :-** बता दे कि 25 मार्च को एक घर से स्वर्ण आभूषण एवं मोबाईल चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। घटना के बाद लालपुर थाना में अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद पुलिस ने तेजी से जांच शुरू की। एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर सिटी एसपी पारस राणा के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई। तकनीकी जांच और लोकल इनपुट के आधार पर पुलिस नाबालिग तक पहुंची और फिर पूरा मामला साफ हो गया और सभी आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आ गए।

☞ **बरामद सामन :-** पुलिस ने आरोपियों के पास से बड़ी मात्रा में चोरी का सामान बरामद किया है, जिसमें सोने की अंगूठी, सोने का चेन, कान के फूल (दो जोड़े), सोने का झुमका और तीन मोबाइल फोन (OnePlus, Realme, Itel) शामिल हैं।

☞ **विशेष छापामारी टीम :-** इस छापामारी अभियान में लालपुर थानेदार रूपेश कुमार सिंह, एसआई मुकेश कुवंर, उत्तम कुमार, सुनील पासवान, आशीष कुमार सिपाही मुकेश उरांव और ड्राइवर अजय कुमार की सराहनीय भूमिका रही।●

फार्म IV (नियम 8 देखें)

01. प्रकाशन का स्थान	:-	पटना
02. प्रकाशन की आवर्तिता	:-	मासिक
03. मुद्रक का नाम	:-	ब्रजेश मिश्र
क्या भारतीय नागरिक हैं?	:-	हां
(अगर विदेशी हों, तो मूल देश का नाम)	:-	लागू नहीं
पता	:-	पूर्वी अशोक नगर रोड नं-14, कंकड़बाग पटना-800020 (बिहार)
04. प्रकाशक का नाम	:-	ब्रजेश मिश्र
क्या भारतीय नागरिक हैं?	:-	हां
(अगर विदेशी हों, तो मूल देश का नाम)	:-	लागू नहीं
पता	:-	पूर्वी अशोक नगर रोड नं- 14, कंकड़बाग पटना-800020 (बिहार)
05. संपादक का नाम	:-	ब्रजेश मिश्र
क्या भारतीय नागरिक हैं?	:-	हां
(अगर विदेशी हों, तो मूल देश का नाम)	:-	लागू नहीं
पता	:-	पूर्वी अशोक नगर रोड नं- 14, कंकड़बाग पटना-800020 (बिहार)
06. उन लोगों के नाम और पते जो समाचार पत्र के मालिक हों, या जिनके पास कुल पूंजी का एक फीसदी से अधिक हो	:-	मालिक श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट पूर्वी अशोक नगर रोड नं- 14, कंकड़बाग पटना-800020 (बिहार)
07. कुल पूंजी में एक फीसदी से अधिक की हिस्सेदारी रखने वाली शेयरधारकों के नाम और पते	:-	मालिक श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट पूर्वी अशोक नगर रोड नं- 14, कंकड़बाग पटना-800020 (बिहार)

मैं ब्रजेश मिश्र घोषणा करता हूं कि ऊपर दिया गया ब्योरा मेरी जानकारी और मान्यता के अनुसार सही है।

हस्ताक्षर (ब्रजेश मिश्र)

दिनांक:- 5 अप्रैल 2026

प्रकाशक का हस्ताक्षर

आपका राशिफल

पंडित तरुण झा
ज्योतिषचार्य
(ज्योतिष, वास्तु एवं रत्न विशेषज्ञ)
ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान
प्रताप चौक, सहरसा-852201,
(बिहार)
मो० :- 9470480168

मेष राशि :- इस महीने जातक को जिनसे मिले कुछ ही समय हुआ है और साथ ही आमदनी के नए स्रोत उत्पन्न होंगे,वैवाहिक जीवन का सुख प्राप्त होगा। कार्यस्थल पर आपके वरिष्ठ आपसे प्रभावित होंगे एवं सम्मान देंगे ।

वृषभ राशि :- इस महीने जातक को किसी फेमस पर्सनालिटी से मिलने का अवसर प्राप्त होगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। भाई-बहन के बीच आपसी टकराव हो सकता है, इस महीने अविवाहित जातक के लिए शादी का प्रस्ताव आएगा!

मिथुन राशि :- यह महीना जातक को संचार माध्यम से कोई लाभदायक सूचना मिलेगी। महीने लाभदायक होने वाला है,उन्नति की तरफ बढ़ेंगे!

कर्क राशि :- यह महीना जातक का पैसों के नए स्त्रोत बनेंगे, दोस्त आपको गलत रास्ता दिखा सकते हैं, सतर्क रहें। सरकारी कामों में उन्नति मिलेगी। भविष्य के लिए धन की बचत करेंगे। संतान सुख प्राप्त होगा।

सिंह राशि :- यह महीना जातक का साज-सज्जा के समानों पर धन व्यय होगा,नौकरीपेशा जातको की उच्च पद अधिकारी के साथ वाद-विवाद हो सकता है, सतर्क रहें।

कन्या राशि :- हानी के करण डिप्रेशन महसूस कर सकते हैं। जातक इस माह कुछ नए कार्य हाथ में लेंगे, किन्तु अच्छा प्रदर्शन नही कर पाएंगे। माह के अंत में एक नया उत्साह दिखाई देगा।

तुला राशि :- इस महीने जातक नौकरीपेशा वर्ग कोई साइड व्यापार करने का प्लान बनाएंगे। किन्तु आलस्य हावी होने के कारण क्रियान्वित नहीं कर पाएंगे, लेकिन काम सुनिश्चित रूप से करेंगे!

वृश्चिक राशि :-यह महीना जातक का अटके हुए कार्यों को आसानी से खत्म कर लेंगे। नया व्यापार करने के लिए समय उत्तम रहेगा, आकस्मिक धन लाभ होने के योग बन रहे हैं।

धनु राशि :- यह महीना जातक के शुरुआत से ही व्यापार में लाभ प्राप्ति के योग बनाएंगे। जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार मे शांतिमय वातावरण रहेगा।

मकर राशि :- इस महीने जातक माह के मध्य मे अत्यधिक कार्य के कारण खुद को तनावग्रस्त महसूस कर सकते है। माह के अन्त में जातक को निकट का व्यक्ति धोखा दे सकता है! सावधान रहने की आवश्यकता है!

कुंभ राशि :- यह महीना जातक,जो सपने जातक ने देखे हैं, इस महीने पूरे हो सकते हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई में सफलता प्राप्त होगी। नौकरी मे उन्नति हो सकती है ध नमः शिवाय अवश्य जप करें!

मीन राशि :-यह महीना जातक का नौकरीपेशा लोगों को तरक्की मिलने की उम्मीद है,प्रॉपर्टी खरीदने के योग है,किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है,माह के शुरुआत मे ही महत्वपूर्ण कार्य कर लेंगे!

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

शिवानंद गिरि

(अधिवक्ता)

Ph.- 9308454485

7004408851

E-mail :-shivanandgiri5@gmail.com

★ प्रोबेट क्या होता है?

प्रोबेट (प्रोबेट) एक कानूनी प्रक्रिया है जिसमें किसी मृत व्यक्ति की वसीयत (विल) को अदालत द्वारा वैध और आखिरी इच्छा के रूप में प्रमाणित किया जाता है।

❖ **प्रोबेट का मतलब :-** प्रोबेट अदालत द्वारा जारी एक सर्टिफिकेट/ऑर्डर होता है जो यह दिखाता है कि वसीयत सही तरीके से बनी है, वसीयतकर्ता की आखिरी इच्छा है और कानूनी रूप से वैध है। इसके बाद वसीयत में नामित एक्जीक्यूटर (निष्पादक) को अदालत की ओर से अधिकार मिलता है कि वह मृतक की संपत्ति को वसीयत के अनुसार बाँटे और प्रबंधित करे।

❖ **प्रोबेट क्यों जरूरी होता है? :-** बैंक, रजिस्ट्री ऑफिस या अन्य संस्थान अक्सर बिना प्रोबेट के वसीयत के आधार पर संपत्ति ट्रांसफर नहीं करते, खासकर जब संपत्ति बड़ी हो या विवाद की संभावना हो। प्रोबेट से भविष्य में उत्तराधिकारियों के बीच झगड़े कम होते हैं क्योंकि अदालत ने वसीयत की वैधता पहले ही साबित कर दी होती है।

❖ **भारत में कब प्रोबेट लेना जरूरी है? :-** मुंबई, कोलकाता और चेन्नई के पुराने न्यायिक क्षेत्रों में हिंदू, बौद्ध, सिख, जैन वसीयतों के मामले में प्रोबेट अनिवार्य माना जाता है। अन्य जगहों पर प्रोबेट हमेशा अनिवार्य नहीं है, लेकिन बड़ी संपत्ति, विवाद या बैंक/रजिस्ट्रार की शर्त होने पर लेना सलाह दिया जाता है। भारत में प्रोबेट कब अनिवार्य होता है, यह मुख्य रूप से संपत्ति की जगह और वसीयतकर्ता के समुदाय पर निर्भर करता है :-

☞ **जहाँ प्रोबेट अनिवार्य माना जाता है :-** जब मृतक ने वसीयत बनाई हो और उसकी संपत्ति मुंबई, कोलकाता या चेन्नई के नगरपालिका क्षेत्रों में हो (इन्हें ष्प्रेसीडेंसी टाउनष् कहा जाता है), तो प्रोबेट कानूनन अनिवार्य माना जाता है। यह अनिवार्यता खासकर हिंदू, जैन, सिख और बौद्ध समुदायों पर लागू होती है, जब वसीयत इन शहरों में स्थित संपत्ति के लिए बनाई गई हो।

☞ **अन्य स्थितियाँ जब प्रोबेट जरूरी हो जाता है :-** जब बैंक या कोई संस्थान संपत्ति ट्रांसफर करने से पहले प्रोबेट की मांग करता है (जैसे बड़ी रकम, फिक्स्ड डिपॉजिट, जमीन/मकान आदि)। जब वसीयत पर परिवार में विवाद हो या होने की संभावना हो, तो अदालत की ओर से प्रोबेट लेना अनिवार्य न होते हुए भी जरूरी माना जाता है।

☞ **जहाँ प्रोबेट आम तौर पर अनिवार्य नही है :-** मुंबई, कोलकाता, चेन्नई के बाहर बाकी जगहों पर सभी मामलों में प्रोबेट अनिवार्य नहीं है; वहाँ उत्तराधिकार प्रमाण पत्र या प्रशासन पत्र से भी संपत्ति हस्तांतरित की जा सकती है। मुसलमान, पारसी, ईसाई आदि के लिए अलग उत्तराधिकार कानून हैं, जहाँ प्रोबेट हमेशा अनिवार्य नहीं होता, बल्कि विशेष परिस्थितियों में लिया जाता है।

★ रिट कितने प्रकार के होते हैं?

भारतीय संविधान के तहत मुख्य रूप से पाँच प्रकार की रिट (राइट्स) होती हैं, जो मौलिक अधिकारों की रक्षा करती हैं और अदालतों द्वारा जारी किए गए आदेश हैं: बंदी प्रत्यक्षीकरण (हबीज कॉरपस), परमादेश (मैंडेमस), प्रतिषेध (प्रोहिबिशन), उत्प्रेषण (सर्टियोरारी) और अधिकार पृच्छा (क्वो-वारंटो). ये रिट नागरिकों के अधिकारों की रक्षा और सरकारी अधिकारियों को उनके कर्तव्यों का पालन करने के लिए बाध्य करती हैं।

❖ **पाँच मुख्य प्रकार की रिटें :-**

☞ **बंदी प्रत्यक्षीकरण (हबीज कॉरपस) :-** किसी व्यक्ति को अवैध रूप से हिरासत में लेने से बचाने के लिए, यह आदेश देता है कि हिरासत में लिए गए व्यक्ति को न्यायालय के सामने पेश किया जाए ताकि हिरासत की वैधता की जाँच हो सके।

☞ **परमादेश (मैंडेमस) :-** यह एक सार्वजनिक प्राधिकारी को उसके कानूनी कर्तव्य का पालन करने का निर्देश देता है, जब वह ऐसा करने में विफल रहता है।

☞ **प्रतिषेध (प्रोहिबिशन) :-** निचली अदालत या न्यायाधिकरण को अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कोई कार्रवाई करने से रोकने के लिए जारी किया जाता है।

☞ **उत्प्रेषण (सर्टियोरारी) :-** निचली अदालत या ट्रिब्यूनल के अवैध या गलत आदेश को रद्द करने या मामले को अपने पास स्थानांतरित करने के लिए उच्च न्यायालय द्वारा जारी किया जाता है।

☞ **अधिकार पृच्छा (क्वो-वारंटो) :-** किसी व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से धारण किए गए सार्वजनिक पद को चुनौती देने के लिए जारी किया जाता है, यह पूछता है कि षकिस अधिकार से?

❖ **अतिरिक्त जानकारी :-**

☞ **अनुच्छेद 32 (संविधान) :-** सुप्रीम कोर्ट को इन रिटों को जारी करने का अधिकार देता है, जो मौलिक अधिकारों के प्रवर्तन के लिए है।

☞ **अनुच्छेद 226 (संविधान) :-** उच्च न्यायालयों को मौलिक और कानूनी अधिकारों के प्रवर्तन के लिए ये रिट जारी करने का अधिकार देता है।

सामाजिक एवं बौद्धिक क्षेत्र में रोजगार का सुनहरा अवसर

केवल सच सामाजिक संस्थान और श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट अपने भविष्य के आगामी योजनाओं में सामाजिक एवं बौद्धिक सुधार के क्षेत्र में पुर्नजागरण के शंखनाद हेतु बिहार और झारखण्ड राज्य के मेधावी/सक्षम/योग्य/दक्ष एवं कर्मठ नवयुवकों को अपने टीम में वैतनिक/अवैतनिक रूप से जुड़ने के लिए अवसर प्रदान करना चाहती है। उक्त स्वयंसेवी संस्थान मुख्य रूप से 'अपना घर' (वृद्धाश्रम आवास योजना), परिवार परामर्श केन्द्र, शिक्षा का संक्षिप्त पाठ्यक्रम (मूल रूप से निर्धन/बेसहारा लड़कियों हेतु) और विभिन्न मुद्दों पर जागरूकता कार्यक्रम पर ध्यान केन्द्रीत करना चाहती है। इन कार्यक्रमों से जुड़कर नवयुवक सामाजिक क्षेत्र में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित कर सकते हैं। उक्त संगठन इसके लिए टीम वर्क के तहत कार्य करना चाहती है, जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय समन्वयक के अधीन वार्ड/ पंचायत/ प्रखण्ड/ अनुमण्डल/जिला समन्वयकों की नियुक्ति भी करना चाहती है। इस संस्थान से जुड़कर इच्छुक नवयुवक उक्त पदों पर अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं।

संस्थान

shruti कम्युनिकेशन ट्रस्ट

श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट

भारतीय ट्रस्ट अधिनियम 1882 के तहत संचालित

निबंधन संख्या : 22333/2008, आयकर निबंधित : 12 ए ए/2012-13/2549-52 | 80 जी (5)/तक०/2013-14/1073

केवल सच सामाजिक संस्थान

भारतीय सोसायटी एक्ट 21, 1860 के तहत निबंधित

www.shruticommunicationtrust.org

निबंधन संख्या : 1141 (2009-10), आयकर निबंधित : 12 ए ए/2012-13/2505-8 | 80 जी (5)/तक०/2013-14/1060-63

KEWAL SACH SAMAJIK SANSTHAN

www.ks3.org.in

Regd. Office:- East Ashok Nagar, House No.-28/14, Road No.-14, kankarbagh, Patna- 8000 20 (Bihar)
Jharkhand State Office:- **Riya Plaza, Flat No.-303, Kokar Chowk, Ranchi**
Mob.- 9431073769

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
(Serving nation since 1990)

WESTOCITRON
WESTOCLAV
WESTOFERON
WESTOPLEX
QNEMIC

AOJ
AZIWEST
DAULER
MUCULENT
AOJ-D
BESTARYL-M
GAS-40
MUCULENT-D

SEVIPROT
WESTOMOL
WESTO ENZYME
ZEBRIL

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
Industrial area, Fatuha-803201
E-mail- westerlindrugsprivatelimited@gmail.com
Phone No.:0162-3500233/2950008